देशबन्धु

वर्ष – 7 । अंक – 342 । नर्मदापुरम, गुरुवार 20 मार्च 2025 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

बड़ी संख्या में ट्रालियां लेकर आए किसानों ने लगाया मेन रोड पर जाम — पृष्ठ 2

- मानवता ने जब धरती को छुआ
- हिंदू धर्म के नाम पर सांप्रदायिकता और अंधविश्वास फैलाने का राजनीतिक खेल — पृष्ठ 4

- केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए प्रस्तावित जमीन की हो रही थी रजिस्ट्री — पृष्ठ 6

70 हजार की अवैध सागौन के साथ दो आरोपी धराए — पृष्ठ 7

केंद्र-किसानों की 7वीं वार्ता भी बेनतीजा

पंजाब पुलिस और किसानों के बीच हुई झड़प

- किसान नेताओं को किया गिरफ्तार
- शंभू-खनौरी बॉर्डर पर फोर्स बढ़ा, हरियाणा में अलर्ट
- 13 महीने से आंदोलन कर रहे किसान

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा-पंजाब के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर 13 महीने से आंदोलन कर रहे किसानों और केंद्र के बीच बुधवार को 7वीं वार्ता बेनतीजा रही। बातचीत सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चली। इसमें किसान नेता समेत केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान, पीयूष गोयल और प्रह्लाद जोशी शामिल हुए।

बैठक के बाद किसान जब शंभू और खनौरी बॉर्डर लौट रहे थे, तभी पुलिस ने इन्हें हिरासत में ले लिया। इनमें किसान मजदूर मोर्चा के संयोजक सरवण पंधेर और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के जगजीत डल्लेवाल शामिल हैं। पंधेर को मोहाली की एयरपोर्ट रोड पर तो डल्लेवाल एंबुलेंस में खनौरी बॉर्डर लौट रहे थे, पुलिस ने उन्हें संगरूर में घेर लिया। इसके बाद पुलिस डल्लेवाल को एंबुलेंस समेत ही हिरासत में लेकर चली गई। सूचना है कि किसानों को पटियाला के कमांडो सेंटर (बहादुरगढ़) में शिफ्ट किया जा रहा है। दोनों नेताओं की अगुआई में ही ये आंदोलन चल रहा है।

बॉर्डर बंद करने से हो रहा आर्थिक नुकसान : चीमा

पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि आज की कार्रवाई सिर्फ इसलिए की गई, क्योंकि राज्य को किसानों के बॉर्डर बंद से काफी आर्थिक नुकसान हो रहा था। साथ ही हम राज्य से नशा खत्म करना चाहते हैं। नशा तब खत्म होगा, जब बेरोजगारी खत्म होगी। बेरोजगारी खत्म करने के लिए हमें राज्य में इंडस्ट्री की जरूरत है। मगर धरने की वजह से कई कारोबारियों को परेशानी हो रही है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

डेयरी विकास के लिए 27 सौ करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली, देशबन्धु। सरकार ने डेयरी के बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और विकास लिए मंत्रिमंडल ने 2790 करोड़ की परियोजनाओं को बुधवार को मंजूरी दी। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा यह संशोधित एनपीडीडी केंद्रीय योजना है जिसमें 1000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त परिव्यय से 15 वें वित्त आयोग चक्र (2021–22 से 2025–26) की अवधि के लिए कुल 2790 करोड़ रुपये का बजट हो गया है। यह योजना डेयरी बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और इसके विस्तार पर केंद्रित है जो इस क्षेत्र की निरंतर वृद्धि और उत्पादकता सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि संशोधित राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम दुग्ध खरीद, प्रसंस्करण क्षमता और बेहतर गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण द्वारा डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देगा।

यूपीआई से लेन देन पर मिलेगी प्रोत्साहन राशि

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भीम यूपीआई से लेन–देन करने पर प्रोत्साहन राशि देने का ऐलान किया गया। इसके अलावा महाराष्ट्र में जेएनपीए पोर्ट (पगोटे) से चौक (29.219 किमी) तक छह लेन वाले ग्रीनफील्ड हाईस्पीड राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने असम के नामरूप में यूरिया प्लांट के निर्माण को भी मंजूर किया।

मुख्यमंत्री ने खेली फूलों की होली

करीला धाम के विकास के लिए दी जाएगी 1 करोड़ की राशि

माँ जानकी के दर्शन कर की सभी के सुख-समृद्धि की कामना

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सरकार भगवान श्रीराम के प्रदेश में विभिन्न आगमन स्थलों के संरक्षण और उन्नयन का कार्य कर रही है। इसके साथ ही प्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण लीला–स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित करने के लिये श्रीकृष्ण पाथेय योजना को क्रियान्वित करने का काम भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि करीला धाम में भी श्रद्धालुओं को आवश्यक मूलभूत सुविधाओं को और अधिक बेहतर बनाने के लिये एक करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत की जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को अशोकनगर के करीला धाम में माँ जानकी के दर्शन कर पूजा–अर्चना की और प्रदेशवासियों के सुख–समृद्धि की कामना की। उन्होंने रंगपंचमी के पावन पर्व पर श्रृद्धालुओं के साथ फूलों की होली भी खेली।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि करीला धाम में श्रृद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाओं का विस्तार किया जायेगा। मेले की व्यवस्थाओं को और अधिक पुख्ता किया जायेगा, यह प्रयास किया जायेगा कि करीला धाम मेला राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाये। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में करीला धाम में आने जाने वाले मार्गों पर श्रृद्धालुओं के लिए छाया की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का संबंध चंदेरी से होने के कारण यहां की गढ़ी को भव्य बनाया जायेगा। इस अवसर पर प्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला, पूर्व मंत्री एवं मुंगावली विधायक बृजेन्द्र सिंह यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह यादव और पूर्व सांसद डॉ. के.पी. यादव ने भी संबोधित किया। बीना विधायक निर्मला सप्रे, आलोक तिवारी, सरपंच ग्राम पंचायत जसैया श्रीमती सुनीता यादव, अध्यक्ष करीला मंदिर ट्रस्ट महेन्द्र यादव, आयुक्त ग्वालियर संभाग मनोज खत्री, आईजी अरविन्द सक्सेना, कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार जैन सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रृद्धालु उपस्थित थे।

सच्चे अर्थों में रोज़ होली और दिवाली

मुख्यमंत्री. डॉ यादव ने कहा कि जब भी भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण का नाम लिया जाता है, तो रोम–रोम में आनंद छा जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता की भागीदारी और आस्था ही इस तरह के भव्य आयोजनों को सफल बनाती है। मुख्यमंत्री. डॉ यादव ने सभी प्रदेशवासियों को रंगपंचमी की शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुखद और समृद्ध भविष्य की कामना की।

प्रदेश को दूध उत्पादन में नंबर वन बनाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को 175 रूपये बोनस देकर 2600 रूपये क्विंटल गेहूं खरीदा जा रहा है। धान पर भी 4000 रूपये प्रति हेक्टेयर अनुदान किसानों को मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार दूध उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए गोपाल योजना प्रारंभ कर रही है। उन्होंने कहा कि 10 से अधिक गाय पालने वालों को सरकार अनुदान देगी। सहकारी संस्थाओं के माध्यम से दूध पर 5 रूपये प्रति लीटर की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। वर्तमान में मध्यप्रदेश दूध उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर है।

राहुल गांधी से मिले एलआईसी एजेंट

रामलीला मैदान में भी किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) एजेंटों के प्रतिनिधियों ने अपनी मांगों को लेकर आज यहां लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात करने के साथ ही रामलीला मैदान में जबरदस्त प्रदर्शन कर सरकार से जीवन बीमा संबंधित हाल में किये गये बदलावों को वापस लेने की मांग की। एलआईसी एजेंटों का प्रतिनिधित्व करने वाले चार अखिल भारतीय यूनियनों के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने संसद भवन में श्री गांधी से मुलाकात की और कहा कि सरकार ने एजेंटों के प्रति न्याय नहीं कर रही है और उन पर शिकंजा कस रही है जिसके कारण उन्हें दिक्कत हो रही है। उन्होंने श्री गांधी से सरकार पर दबाव बनाने का आग्रह किया और कहा कि जो नये नियम थोपे गये हैं है उन्हें वापस लिया जाना चाहिए।

इस बीच एजेंटों के एक अन्य संगठन यूनाइटेड फोरम ऑफ एलआईसी एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेतृत्व में देशभर से आए 12 हजार से अधिक एजेंटों ने यहां रामलीला मैदान में प्रदर्शन किया और कहा कि बीमा धारकों पर जीएसटी नहीं लगना चाहिए और बीमा करने की उम्र 50 वर्ष नहीं, बल्कि 55 वर्ष की जानी चाहिए। प्रदर्शनकारी एजेंटों ने कहा कि एजेंटों के वित्तीय अधिकारों को सरकार बीमा अधिनियम 1938 के तहत संसद के माध्यम से बहाल करे और एजेंटों की जो भी समस्याएं हैं उनके समाधान में सरकार की भागीदारी हो।

15 श्रद्धालुओं से भरी नाव पलटी थी

7 के शव मिले, बचाव दल ने 8 को बचाया

शिवपुरी, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले के खनियाधाना थाना क्षेत्र स्थित माताटीला बांध में नाव पलटने से डूबे सात लोगों के शव आज शाम तक पुलिस और विभिन्न बचाव दलों की टीमों द्वारा बरामद कर लिया गया।

पुलिस के अनुसार खनियाधाना थाना क्षेत्र के राजा वन गांव एवं उसके आसपास लोग कल शाम माताटीला बांध के पानी के टापू पर बने एक मंदिर में एक नाव में सवार होकर जा रहे थे। तभी अचानक उनकी नाव पानी में डूब गयी। इसमें तीन महिलाएं एवं चार बच्चे डूब कर लापता हो गए। इन सभी के शव आज शाम तक पुलिस एवं विभिन्न बचाव दलों की टीमों ने बरामद कर लिए गए हैं। आज सुबह से दोपहर तक छह शव पानी से निकाल लिए गए थे। आखरी कुमकुम लोधी (15) का शव भी शाम को मिल गया है। इस हादसे में सात व्यक्तियों की मृत्यु हुई है। बचाव दल ने रैस्क्यू कर 8 लोगों की जान बचाई। इन्हें हादसे के कुछ देर बाद बाहर निकाल लिया गया था। गांव के ही दो युवकों ने भी साहस का परिचय देते हुए इन लोगों को बचाने में बड़ा योगदान किया।

डूबने से इनकी हुई मौत

शारदा पति इमरत लोधी (55), शिवा पिता भूरा लोधी (8), कान्हा पिता कप्तान लोधी (7), लीला पति रामनिवास लोधी (40), चाइना पिता लज्जाराम लोधी (14) और रामदेवी पति भूरा लोधी (35), कुमकुम पिता अनूप लोधी (15) के शव बाहर निकाल लिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने शोक व्यक्त किया, मृतकों के परिजनों को सहायता की घोषणा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिवपुरी जिले के खनियाधाना क्षेत्र में माताटीला बांध में बने टापू पर जा रहे 15 श्रद्धालुओं की नाव पलटने से हुई दुर्घटना में 7 भाई–बहनों की डूबने से मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि घटना हृदय विदारक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों के निकटतम परिजनों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से दो–दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही दुर्घटना की जांच के आदेश भी दिए गए हैं।

नागपुर हिंसा मामले में आरोपी फहीम गिरफ्तार

21 तक पुलिस हिरासत में भेजा गया

नागपुर, एजेंसी। नागपुर में हुई हिंसा के मुख्य आरोपी और माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी के जिला अध्यक्ष फहीम खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट में पेशी के बाद उसे 21 मार्च तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। फहीम खान को इस हिंसा का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। गणेशपेठ में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, उसने भीड़ इकट्ठा कर पुलिस थाने के बाहर प्रदर्शन किया और लोगों को भड़काया। आरोप है कि उसने पथराव की साजिश रची, जिसके लिए पहले से पत्थर जमा किए गए थे। इस हिंसा को लेकर कुल 51 नामजद आरोपियों पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, ये सभी एक ही धर्म के हैं और सुनियोजित तरीके से हिंसा भड़काने की कोशिश की गई। एफआईआर में यह भी कहा गया है कि हिंसा के दौरान महिला पुलिसकर्मियों के साथ छेड़खानी, बदसलूकी और दुष्कर्म की साजिश रची गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना जानबूझकर की गई ताकि प्रशासन को दबाव में लाया जा सके। भीड़ ने पुलिस पर आरोप लगाया कि वे सिर्फ एक पक्ष के लिए काम कर रही हैं। इस दौरान अशोभनीय भाषा और गालियों का भी इस्तेमाल किया गया। उल्लेखनीय है कि फहीम खान पहले भी चर्चाओं में रहा है। वह केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ चुनाव लड़ चुका है।

विधानसभा में फडणवीस ने कहा-

आयत वाली कोई चादर नहीं जलाई गई

नागपुर हिंसा पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में कहा कि आयत वाली कोई चादर नहीं जलाई गई। आयत को लेकर अफवाह फैलाई गई। यह संदेश जानबूझकर वायरल किया गया कि आयत को जलाया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस और मेरे बयान में कोई फर्क नहीं है। पुलिस पर हमला करने वाले बचेंगे नहीं। किसी भी दोषी को नहीं छोड़ेंगे. कब्र में छुपे हैं तो कब्र से निकालेंगे।

आरएसएस के प्रचार प्रमुख आंबेकर बोले-

औरंगजेब के नाम पर विवाद प्रासंगिक नहीं

शंभाजी नगर से औरंगजेब की कब्र को हटाने की वीएचपी और अन्य संगठनों की मांगों के बीच, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रवक्ता सुनील आंबेकर ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बुधवार को कहा कि मुगल बादशाह आज के समय में प्रासंगिक नहीं हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी तरह की हिंसा को हतोत्साहित किया जाना चाहिए।

मणिपुर में फिर हिंसा, एक की मौत

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में मंगलवार रात करीब 10 बजे जोमी और हमार जनजाति के बीच हिंसा हुई। इस हिंसा में हमार जनजाति के रोपुई पाकुमटे नामक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। ये हिंसा तब हुई जब हमार जनजाति के युवकों ने सीलमत क्षेत्र के पास फहराए गए जोमी झंडे को उतार दिया। हिंसा को रोकने के लिए बुधवार सुबह सिक्योरिटी फोर्स ने फ्लैग मार्च किया। साथ ही चुराचांदपुर जिले के डिप्टी कमिश्नर धरुण कुमार ने अपील करते हुए कहा कि शांतिपूर्ण समाधान के लिए जिला मजिस्ट्रेट हर संभव कोशिश कर रही है। जिला प्रशासन सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार

ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड, विलेपार्ले (पश्चिम), मुंबई- 400 056

दूरभाष : 022-26713538, ई-मेल: legaltrademark.kvic@gov.in

वेबसाईट: www.kvic.gov.in

चेतावनी सूचना

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) संसद के अधिनियम, 'खादी और ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम 1956' के अंतर्गत स्थापित एक संवैधानिक निकाय है जो कि **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार** के अधीन कार्यरत है तथा इसका पंजीकृत कार्यालय "ग्रामोद्योग", 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम) मुंबई, महाराष्ट्र-400056 में स्थित है। आयोग आम जनता के संज्ञान हेतु सूचित करता है कि केवीआईसी नीचे उल्लिखित सभी वस्तुओं और सेवाओं के लिए ट्रेडमार्क का स्वामी और मालिक है:

Khadi India | खादी भारत | खादी (शब्द मार्क) | Khadi India Prakritik Paint (INDIA'S FIRST COW DUNG PAINT)

उपरोक्त वर्णित ट्रेडमार्क भारत और दुनिया के विभिन्न देशों में संरक्षित और पंजीकृत हैं और केवीआईसी द्वारा विश्व में लगातार और खुले तौर पर उपयोग किए जा रहे हैं। आयोग द्वारा केवीआईसी के उपरोक्त वर्णित ट्रेडमार्क और/या किसी भी भ्रामक रूप से समान ट्रेडमार्क के किसी भी प्रकार से अनधिकृत उपयोग में लिप्त सभी जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें केवीआईसी के 'खादी' ट्रेडमार्क का प्रत्यय या उपसर्ग के रूप में, चाहे ट्रेडमार्क, व्यापार नाम और/या डोमेन नाम के भाग के रूप में उपयोग करना भी शामिल है, ताकि केवीआईसी के कानूनी अधिकारों की रक्षा की जा सके। जन-साधारण को उपरोक्त वर्णित ट्रेडमार्क के खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा अधिकृत संस्थाओं/व्यक्ति के अलावा यदि किसी अन्य द्वारा उपयोग किए जाने की कोई जानकारी/सूचना है, तो उनसे अनुरोध है कि केवीआईसी को ईमेल **legalaffairs.kvic@gov.in** पर अवश्य सूचित करें।

-उप.मुख्य कार्यकारी अधिकारी (विधि मामले)

संसदीय समिति ने रेलवे स्टेशनों पर भगदड़ रोकने के लिए दिए सुझाव

स्टेशनों में प्रवेश व बाहर निकलने के लिए कई गेट बनाएं

- नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की घटना से ले सबक
- एक समर्पित टास्क फोर्स का गठन करे

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली स्टेशन पर हुई भगदड़ की घटना के बाद संसद की स्थायी समिति ने अन्य रेलवे स्टेशनों पर भगदड़ जैसी घटनाएं भविष्य में नहीं होने देने के लिए कई सिफारिश की है। समिति ने रेल मंत्रालय की अनुदान मांगों (2025–26) पर अपनी रिपोर्ट दी है। समिति ने सिफारिश की कि, देश में अमृत भारत योजना के तहत कई रेलवे स्टेशनों का रिडेवलपमेंट किया जा रहा है। इन स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

समिति ने भारतीय रेलवे पर सिफारिश की है कि, अमृत भारत रेलवे स्टेशन के तहत रिडेवलप हो रहे स्टेशनों यात्रियों की स्टेशनों में प्रवेश और बाहर निकलने के लिए कई गेट बनाए जाने चाहिए। ताकि नई दिल्ली रेलवे स्टेशनों पर हुई घटनाएं अन्य स्टेशनों पर नहीं हो। स्टेशनों पर अफरा–तफरी और भगदड़ जैसी घटनाओं को रोकने के लिए भीड़ मैनेजमेंट में सुधार करना बहुत जरूरी है। इसके अलावा यात्रियों की सुरक्षा जांच की प्वाइंट, उचित प्रकाश व्यवस्था और जगह जगह संकेतक लगाना चाहिए। ताकि यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो। इसके साथ ही स्टेशनों पर पर्याप्त कर्मियों की तैनाती की जानी चाहिए, जिससे भगदड़ जैसे हालात न बन पाएं।

इस रिपोर्ट में यह बताया गया है कि, देश में अमृत भारत स्टेशन के तहत के 1337 स्टेशनों को रिडेवलपमेंट किया जा रहा है। इसमें 453 रेलवे स्टेशन का काम पूरा होने की डेडलाइन करीब आ गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि, 2024–25 के दौरान 453 स्टेशनों के रिडेवलपमेंट का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन 2024 तक केवल एक ही स्टेशन का रिडेवलपमेंट हो पाया है। मंत्रालय प्रोजेक्ट के टाइम लाइन की निरागनी के लिए एक समर्पित टास्क फोर्स का गठन करे। जिससे संभावित बाधाओं को दूर करने के लिए लोकल प्रशासन और रेलवे अधिकारियों के बीच बेहतर कोआर्डिनेशन किया जा सके। रेल मंत्रालय के अनुसार अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अब तक कुल 1,337 स्टेशनों की पहचान की गई है जिनमें से 1,202 स्टेशनों पर काम शुरू हो चुका है। प्रोजेक्ट की कुल लागत लगभग 1 लाख करोड़ रुपए है। मंत्रालय के अनुसार इस योजना के लिए कोई निश्चित समय–सीमा नहीं है, क्योंकि रेलवे स्टेशनों रिडेवलमेंट में ट्रेनों और यात्रियों की सुरक्षा प्राथमिकता होती है।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

सर्व ब्राह्मण महिला संगठन ने मनाया होली महोत्सव

इटारसी, देशबन्धु। सर्व ब्राह्मण महिला संगठन ने साईं की बगिया में होली उत्सव मनाया। इस अवसर पर परशुराम जयंती महोत्सव को लेकर संरक्षक मंडल के सदस्यों एवं महिला सदस्यों ने अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी सदस्यों ने परशुराम जयंती पर संगठन द्वारा ऐतिहासिक आयोजन करने का निर्णय लिया। महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती ज्योति शर्मा ने कहा कि आगामी समय में भगवान परशुराम जयंती महोत्सव है, इसके बाद सितंबर माह में मेरा कार्यकाल खत्म हो जाएगा। हमें कोई और नया अध्यक्ष मिलेगा। मेरी नजर में अध्यक्ष पद महत्वपूर्ण नहीं है, क्योंकि अध्यक्ष तो मात्र एक होता है उसके साथ जो टीम खड़ी होती है, वह काम करती है, सहयोग करती है। उनकी अहम भूमिका होती है। आप सबका सहयोग एवं आशीर्वाद मुझे मिला उसके लिए मैं आप सभी के प्रति कृतकता व्यक्त करती हूं। इस अवसर पर होली के रंगों के साथ महिलाओं द्वारा नृत्य एवं खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई।

अधिवक्ता संघ ने दी मनीषशंकर और धूरिया के पुत्र को श्रद्धांजलि

इटारसी, देशबन्धु। अधिवक्ता संघ इटारसी ने अधिवक्ता कक्ष में एक शोकसभा का आयोजन कर वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश धूरिया के पुत्र के आकस्मिक निधन और संघ के संरक्षक विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा के भतीजे आईपीएस मनीषशंकर शर्मा के आकस्मिक निधन होने पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। एडवोकेट विनोद भावसार प्रवक्ता अधिवक्ता संघ इटारसी ने बताया कि संघ इटारसी के सदस्यों ने दोनों दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। शोकसभा में अधिवक्ता संघ इटारसी के अध्यक्ष रमेश राजपूत, सचिव पारस जैन, कोषाध्यक्ष राजेश चौरे सहित संघ के समस्त पदाधिकारी एवं संघ के वरिष्ठ व कनिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित थे।

रेत के डंपर ने तोड़ी रेलवे की बाउंड्रीवाल

इटारसी, देशबन्धु। आज सुबह रेत से भरा एक डंपर पुलिस थाने के पास रेलवे की दीवार से टकराया गया जिससे दीवार टूट गयी। घटना में वहां लगा एक फ्लेक्स और टप भी चपेट में आ गया। हादसे के बाद डंपर चालक ने पहचान मिटाने की मंशा से वाहन का नंबर मिटाने का प्रयास करते हुए नंबर पर कालिख पोत दी। जो टप टूटा है उसके मालिक ने नंबर मिटाने से पहले ही उसकी फोटो निकाल ली थी। डंपर का नंबर एमपी 05 जी 7612 दिखाई दे रहा है। डंपर के चालक और मालिक ने घटना पर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि डंपर की स्टीयरिंग खराब होने से यह हादसा हुआ।

रंग पंचमी पर नौजवानों ने दूध बाटकर नशे से दूर रहने का दिलाया संकल्प

हरदा, देशबन्धु।,रंग पंचमी पर वार्ड क्रमांक 7 के सभी मित्र मंडल ने मिलकर सभी को रंग पंचमी की शुभकामनाएं देते हुए दूध वितरित नशे की लत से दूर रहने का संकल्प दिलाया। वार्ड के युवा अंश वैद्य ने बताया कि आजकल युवाओं में किसी भी त्यौहार पर नशा करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है जिससे एक तरफ जहां स्वास्थ्य का नुकसान होता है वहीं समाज पर भी विपरीत असर होता है इसीलिए मित्र मंडल ने यह फैसला किया कि हर त्यौहार को सभी एक साथ मिलकर मनाएंगे और लोगों को नशे से दूर रखने के लिए जागृत करते रहेंगे । इस अवसर पर सोनू शर्मा ,हेमंत मराठा, आयुष शर्मा, अंकुश नामदेव, अकुल नामदेव, मोनू शर्मा ,वेदांत गौर सहित वार्डवासी उपस्थित थे।

नहीं माने किसान, 12 घंटे पहले पहुंच गये ट्रालियां लेकर

बड़ी संख्या में ट्रालियां लेकर आए किसानों ने लगाया मेन रोड पर जाम

- कृषि उपज मंडी प्रबंधन ने आखिरकार शाम से आवक लेना प्रारंभ किया
- उपज खरीद का कार्य गुरुवार से ही होगा

इटारसी, देशबन्धु। कृषि उपज मंडी प्रशासन ने आज रंगपंचमी तक अवकाश रखकर गुरुवार से आवक लेने का निर्णय लिया था और किसानों तक सूचना भेजी थी कि वे 20 मार्च की सुबह 5:30 बजे ही अपनी उपज लेकर आएं, इससे पहले नहीं। बावजूद इसके किसान नहीं माने और रंगपंचमी को दोपहर बाद से ही धान लेकर पहुंचने लगे। नतीजा यह हुआ कि मुख्य मार्ग पर जाम लग गया। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और किसानों से ट्रालियां व्यवस्थित करने को कहा। किसानों ने कहा कि खरीद चाहे दो दिन बाद करें, ट्रालियों को मंडी परिसर के भीतर जाने दें। आखिरकार शाम को सभी ट्रालियों को मंडी के भीतर लेना प्रारंभ किया गया।

किसानों ने मंडी प्रबंधन की अपील पर ध्यान नहीं दिया और वे इंतजार नहीं कर सके तथा निर्धारित समय से 12 घंटे पहले ही इटारसी मंडी में ट्रालियां लेकर पहुंच गये। नतीजा यह रहा कि कृषि उपज मंडी के सामने बड़ी संख्या में ट्रालियां पहुंचने से जाम लग गया। पुलिस किसानों को समझाने पहुंची। लेकिन आखिरकार ट्रालियों को मंडी के भीतर खड़ी कराके ही व्यवस्था को सुचारू किया जा सका। किसानों ने रोड पर तीन-तीन की लाइन में ट्रालियों को खड़ा करके जाम की स्थिति बना दी। किसानों की मांग थी कि मंडी में स्थान बहुत है, हमें मंडी के अंदर प्रवेश करा दें फिर चाहे धान की फसल दो दिन बाद बेचें। आखिरकार मंडी प्रशासन को किसानों के आगे झुकना पड़ा।

कृषि उपज मंडी में रंगपंचमी तक होली महोत्सव का अवकाश था। किसानों को 20 मार्च को उपज लेकर आने के लिए सभी माध्यमों से अनुरोध किया गया था। लेकिन बुधवार को बड़ी संख्या में आयी ट्रालियों से व्यवस्था बिगड़ रही थी जिससे रंग पंचमी की शाम 5 बजे से ही कृषि उपज मंडी परिसर में धन से भारी ट्रालियों को मंडी प्रबंधन कार्यालय के द्वारा प्रवेश दे दिया गया है। ताकि कृषि उपज मंडी गुरुवार 20 मार्च को जब खुले तो किसानों को कोई परेशानी ना हो।

कृषि उपज मंडी में होली महोत्सव का अवकाश 13 मार्च से लेकर 19 मार्च तक घोषित है। बावजूद उसके कृषि उपज मंडी के अवकाश समाप्ति के एक दिन पहले ही बुधवार की शाम को भार साधक अधिकारी एवं एसडीएम टी प्रतीक राव और मंडी सचिव अरविंद कुमार परिहार के निर्देश पर कृषि उपज मंडी की टीम के साथ मिलकर बुधवार की शाम 5 बजे से किसानों को धान से भरी ट्रालियों को कृषि उपज मंडी में प्रवेश दे दिया, जिससे कि पहले की तरह कृषि उपज मंडी के सामने वाले मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति निर्मित ना हो सके।

नगरीय निकायों में स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाने के प्रयास

नर्मदापुरम, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में नगरीय निकायों में हर साल की तरह स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 शुरू हो चुका है। इस साल इसमें देश के 4900 से अधिक शहर स्वच्छता में श्रेष्ठता की दावेदारी प्रस्तुत कर रहे हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण मुख्य रूप से जमीनी स्वच्छता के साथ शहरों के स्वच्छता प्रमाणीकरण के लिए किया जा रहा है। प्रमाणीकरण में खुले में शौच से मुक्ति के लिए ओडीएफ, जल के पुन-उपयोग के लिए वॉटर प्लस और कचरा मुक्ति हेतु स्टार रेटिंग प्रमुख हैं। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नगरीय निकायों की टीम साल भर काम करती हैं। इसमें नियमित रूप से सफाई के अलावा, कचरा संग्रह, प्र-संस्करण, अधोसंरचना विस्तार, रख-रखाव और शहरों का सौंदर्यीकरण शामिल हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हस्तक्षेप से आज यह देश ही नहीं दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन बन गया है। हर शहर को इसमें शामिल होना और अपनी रैंकिंग में सुधार करना गौरव का अनुभव कराता है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने स्वच्छ सर्वेक्षण के संबंध में मैदानी अमले को निर्देश भी जारी किये हैं। वर्ष-2024 का स्वच्छ सर्वेक्षण अब तक का 9वां सर्वेक्षण है, जिसकी प्रमुख थीम 3-आर (रिसाइकल, रिड्यूस, रियूज) पर आधारित है। इसके प्रारंभ होने से मध्यप्रदेश ने देश के स्वच्छता परिदृश्य में अपनी बढ़त बना ली थी। अपने नियमित योगदान से मध्यप्रदेश शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। वर्ष 2022 में मध्यप्रदेश को देश के सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ प्रदेश का सम्मान प्राप्त हुआ एवं वर्ष 2023 में यह नजदीकी मुकाबले में देश के दूसरे नंबर का बेहतर राज्य घोषित किया गया। मध्यप्रदेश का शहर इंदौर लगातार सात सालों से देश का सबसे स्वच्छ शहर बना हुआ है। वर्ष 2024 में इसे सुपर लीग श्रेणी में शामिल किया गया है। इस वर्ष मध्यप्रदेश के सभी शहर इसमें अपनी दावेदारी कर रहे हैं। प्रदेश के सभी शहरों ने स्टार रेटिंग, ओडीएफ डबल प्लस के लिए अपना दावा किया है। इसके अलावा 44 शहरों ने वॉटर प्लस के लिए अपनी दावेदारी की है। हर शहर स्वच्छता के मापदंडों पर सफाई, संग्रहण, कचरा निपटान, प्रोसेसिंग आदि पर पूरा ध्यान दे रहा है। आज प्रदेश में लगभग 6700 टन कचरा प्रतिदिन संग्रह किया जाता है। इसके लिए 7500 से अधिक कचरा वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। इस संग्रहित कचरे की प्रोसेसिंग के लिए हर छोटे-बड़े शहर में कम्पोस्टिंग इकाइयां, मटेरियल रिकवरी फैसिलिटीज, निर्माण अपशिष्ट प्रबंधन इकाई और मल-जल निस्तारण के लिये एफएसटीपी उपलब्ध हैं। प्रदेश के बड़े शहरों में कचरा प्रोसेसिंग के लिए अत्याधुनिक इकाइयों की स्थापना की गई है।

इसमें जबलपुर और रीवा में कचरे से बिजली, सागर व कटनी में कम्पोस्टिंग, के साथ इंदौर में कचरे से बॉयो सीएनजी निर्माण की इकाइयां लगाई जा चुकी हैं। इसके अलावा भोपाल में कपड़ा, थर्माकोल, प्लास्टिक, निर्माण के साथ मांसाहारी बाजारों से आने वाले कचरे के निपटान के लिए व्यवस्थाएं की गई हैं। प्रदेश में आज 700 से अधिक रिसाइकल, रिड्युज और रियूज़ (आरआरआर) केंद्र संचालित हैं। प्रदेश में एक लाख से कम जनसंख्या के शहरों में मल-जल प्रबंधन व्यवस्थाओं को तैयार करने के लिए कार्यवाही की जा रही है। इसके अंतर्गत जिन शहरों में सीवेज लाइन नहीं हैं, वहाँ नालियों को आपस में जोड़कर उन्हें एसटीपी तक ले जाने का कार्य किया जा रहा है।

पाथाखेड़ा में दबंगों का आतंक, युवक को सरेआम पीटा

सारणी, देशबन्धु। पाथाखेड़ा में बुधवार को दिनदहाड़े गुंडागर्दी का नंगा नाच देखने को मिला। लव सिंदूर, अंकित सिंदूर, हेमंत सोना, तपेश सोना, विरु सिंदूर, आर्य सोना और अंगद सोना नाम के कुछ लोगों ने मिलकर सुमित नाम के एक युवक को बीच सड़क पर बेरहमी से पीटा। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे लोगों में आक्रोश है।

जानकारी के अनुसार, इन दबंगों ने सुमित को घेरकर लात-घूंसों से पीटा। इस दौरान कुछ लोग तमाशबीन बने रहे, जबकि कुछ लोगों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन दबंगों ने उनकी भी नहीं सुनी। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने कहा है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। लोगों में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठ रही है। लोगों का कहना है कि इस तरह की गुंडागर्दी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इनका कहना है

वीडियो के आधार पर आरोपियों पर मामला दर्ज किया गया है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी

जयपाल इवनाती,
थाना प्रभारी सारनी

रंगपंचमी पर जमकर उड़ा रंग-गुलाल, युवाओं बच्चों ने किया धमाल

इटारसी, देशबन्धु। आज रंगपंचमी के त्योहार के साथ ही पांच दिवसीय होली महोत्सव का समापन हो गया। होली पर्व के अंतिम दिन रंगपंचमी पर जमकर होली खेली गई। दिनभर युवाओं ने रंगों का धमाल मचाया। गली-मोहल्लों में बच्चों की टोलियां होली खेलती नजर आईं। आज बुधवार को दिन चढ़ते से ही रंपपंचमी पर्व का धमाल शुरु हो गया था, जो शाम तक जारी रहा। बुजुर्गों और महिलाओं ने भी रंगपंचमी पर्व होली खेलकर मनाई। रंगपंचमी पर गुलाल से तिलक कर भी शुभकामनाएं दी गईं। युवाओं ने पानी और सूखे रंग से खूब होली खेली। कई जगह डीजे की धुन पर घंटों तक युवा नाचते रहे। कुछ जगह फूलों की होली भक्ति गीतों के बीच खेली गई तो कहीं होली मिलन समारोह में होली गीत और प्रतियोगिताएं हुईं। शहर की कई कालोनियों सहित गली-मोहल्लों में रंगपंचमी पर होली खेलने कार्यक्रम किए।

पुलिस का रहा सख्त पहरा

होली महोत्सव पर शांति व्यवस्था बनी रहे, इसके लिए पुलिस ने बेहतर इंतजाम किये थे। एसडीओपी वीरेन्द्र मिश्रा और टीआई गौरव सिंह बुंदेला दल-बल के साथ शहर में घूमे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान वर्ग विशेष के धार्मिक स्थलों के आसपास भी सुरक्षा के बंदोवस्त किये और पुलिस की ड्यूटी लगायी गई थी।

तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों पर अर्थदंड

नर्मदापुरम, देशबन्धु। मध्य प्रदेश लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2010 के तहत सेवाएं निर्धारित समय सीमा में प्रदान न करने पर संबंधित अधिकारियों पर अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया है। कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा अधिनियम की धारा 7(1) की कंडिका (क) एवं (ख) के तहत यह कार्यवाही की गई है। नायब तहसीलदार नर्मदापुरम नगर सुश्री सृष्टि डेहरिया पर 2,500 रुपए, तहसीलदार पिपरिया वैभव बैरागी पर 5,000 रुपए, तहसीलदार नर्मदापुरम नगर देवशंकर धुर्वे पर 2,250 रुपए, अतिरिक्त तहसीलदार नर्मदापुरम नगर देवशंकर धुर्वे पर 750 रुपए एवं तहसीलदार इटारसी शक्ति सिंह तोमर पर 1,750 रुपए का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम 2010 के तहत अधिसूचित सेवाओं के आवेदनों का निर्धारित समय सीमा में निराकरण किया जाना आवश्यक है। उक्ताशय में समय सीमा के भीतर सेवा प्रदान न किए जाने पर अधिनियम की धारा 5(2) के तहत संबंधित अधिकारियों पर यह कार्यवाही की गई है।

समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन प्रक्रिया सतत रूप से जारी

गेहूं खरीदी के लिए 139 उपार्जन केंद्र निर्धारित

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जिले में रबी विपणन वर्ष 2025-26 के तहत गेहूं उपार्जन की प्रक्रिया 15 मार्च 2025 से प्रारंभ हो चुकी है, जो 05 मई 2025 तक जारी रहेगी। भारत सरकार द्वारा गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जिसके अतिरिक्त मध्य प्रदेश शासन द्वारा 175 रुपए प्रति क्विंटल बोनस दिए जाने से किसानों को कुल 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जाएगा। किसानों की सुविधा एवं सुरक्षित भंडारण और परिवहन की सुगमता को ध्यान में रखते हुए जिले में कुल 139 उपार्जन केंद्रों का निर्धारण किया गया है। एमपी उपार्जन पोर्टल के अनुसार समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय हेतु जिले में कुल 55729 किसानों ने पंजीयन कराया है। इनमें सिवनी मालवा से 13916, माखननगर से 7133, सोहागपुर से 6487, बनखेड़ी से 7155, पिपरिया से 6042, डोलरिया से 5456, इटारसी से 5534, नर्मदापुरम से 3691 तथा नर्मदापुरम नगर से 315 किसान शामिल हैं। रबी विपणन वर्ष 2024-25 में जिले में 186375 हेक्टेयर रकबे का पंजीयन हुआ था, जिसके तहत 25766 किसानों से 2,85,293 मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया गया था। रबी विपणन वर्ष 2025-26 में अब तक 505 किसानों ने स्लॉट बुक किए हैं, जिनमें से 4 किसानों से कुल 396.06 क्विंटल गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। किसान भाई अपनी उपज विक्रय करने के लिए उपार्जन केंद्र एवं विक्रय दिनांक के चयन हेतु स्लॉट बुकिंग कर सकते हैं। उपार्जन प्रक्रिया के तहत सप्ताह में सोमवार से शुक्रवार तक प्रात: 8ः00 बजे से निर्धारित उपार्जन केंद्रों पर गेहूं खरीदी की जाएगी। शनिवार एवं रविवार को खाद्यान्न का परिवहन,भंडारण तथा अस्वीकृत स्कंध का अपग्रेडेशन किया जाएगा। प्रशासन द्वारा किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि और समय पर अपने स्लॉट बुक कर उपार्जन केंद्रों पर पहुंचें, जिससे सुचारू रूप से खरीदी प्रक्रिया पूरी की जा सके।

6 महीने बाद आज पूर्व से निकलेगा सूर्य

इटारसी, देशबन्धु। इस साल 2025 में पहली बार सूर्य 20 मार्च को ठीक पूर्व दिशा (ईस्ट) से उदित होकर ठीक पश्चिम (वेस्ट) में अस्त होने जा रहा है। यह घटना 6 महीने के अंतराल (22 सितम्बर 2024) के बाद होने जा रही है। इस बारे में जानकारी देते हुये नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बताया कि आज (20 मार्च) को भारतीय समय के अनुसार दोपहर 2 बजकर 31 मिनट पर मार्च इक्वीनॉक्स की घटना होने जा रही है। इसमें पृथ्वी के झुकाव में सूर्य की परिक्रमा करते रहने के कारण सूर्य भूमध्य रेखा के ठीक लंबवत होगा। सारिका ने बताया कि इस दिन मान्यता है कि दिन रात बराबर होते हैं जो कि पूरी तरह सत्य नहीं है। आपके शहर में 15 मार्च को दिन और रात लगभग बराबर थे और दिन की अवधि लगभग 12 घंटे और कुछ सैकंड थी। जबकि 20 मार्च दिन की अवधि 12 घंटे 06 मिनट से अधिक होगी इस तरह दिन और रात पूरी तरह बराबर नहीं होंगे। इस तरह मार्च इक्वीनॉक्स की दिनांक के कुछ दिन पहले ही दिन और रात लगभग बराबर होते हैं। सारिका ने बताया कि 20 मार्च को सूर्य भूमध्यरेखा के ठीक लंबवत होगा। इससे सूर्य ठीक पूर्व दिशा में उदित होगा तथा ठीक पश्चिम दिशा में अस्त होगा। यह घटना साल में सिर्फ दो ही दिन होती है। इस साल अब यह घटना 22 सितम्बर को होगी।

स्व जमना जैसानी की पुण्यतिथि पर सम्मान समारोह एवं श्रद्धांजलि सभा का किया आयोजन

हरदा, देशबन्धु। जमना जैसानी फाउंडेशन ने मंगलवार को मीसाबंदी,पत्रकार,गरीब, मजदूरों की आवाज बुलंद करने वाले क्रांतिकारी नेता स्व. जमनाप्रसाद जैसानी की 15 वीं पुण्यतिथि पर जैसानी चौक स्थित हाल में सम्मान समारोह एवं श्रद्धांजलि सभा आयोजित की। इस दौरान नार्मदीय ब्राह्मण समाज मंदिर ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी अशोक पाराशर ,सर्व ब्राह्मण समाज संगठन अध्यक्ष सुनील तिवारी,युवा समाजसेवी, सीए रामनिवास गुर्जर, करणी सेना जिलाध्यक्ष सुनील राजपूत,समाजसेवी आलोक जैन,अधिवक्ता प्रियंका दुबे,पार्षद मनोज महलवार,वीरेंद्र नंदवाना,विवेक जैसानी उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन,कन्या पूजन,भारत माता की आरती से हुई।इस दौरान बालकवि दुहित गौर, रेवा शक्ति अभियान के अंतर्गत अंजना संदीप पाराशर, भारती राजेंद्र पारे,शोभा राकेश पारे,ममता बलराम सेंगवा,किरण शर्मा का सम्मान किया गया।वहीं साज एवं आवाज ग्रुप के राजेश सालुंके एवं टीम,वीर तेजाजी रक्तदान समूह के सुदीप बेड़ा एवं टीम,महाराणा रक्तदान समूह के परमानंद सिंह बघेल,सोशल मीडिया के मादिक रूनवाल, कृष्णा अग्रवाल,टीम कला शास्त्रम के रोहित सोनी एवं टीम,खिलाड़ी प्रतीक शर्मा,पर्यावरण प्रेमी शांतिलाल सारण,गौरक्षक रोहित राठौर का सम्मान किया गया।कार्यक्रम के दौरान बुजुर्ग प्रेमनारायण पाराशर ,चंद्रकांत शुक्ला,काशीनाथ चौबे,नर्मदा प्रसाद वर्मा गोदड़ी ,पत्रकार एवं कार्यक्रम के संरक्षक रोहित तिवारी का सम्मान किया गया।इस दौरान सर्व ब्राह्मण समाज के द्वारा पौधारोपण करने पर दीपक शुक्ला,लोकेश शर्मा सहित महिला एवं युवा सदस्यों का सम्मान हुआ। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन अनिल वैद्य ने दिया।कार्यक्रम के दौरान अशोक पाराशर ने अपने उद्बोधन में स्व.जमना भैया अपनी कार्यशैली,सिध्दांतों से सभी के हृदय में जीवित है।आलोक जैन ने कहा कि स्व.जमना जैसानी को अनुकरणीय व्यक्तित्व बताया। सीए रामनिवास गुर्जर ने कहा कि सच्ची श्रद्धांजलि यही है कि हम उनके बताए रास्तों का अनुसरण करे।इस दौरान प्रियंका दुबे ने कहा कि जमना भैया लोकतंत्र के सजग प्रहरी थे।कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन के क्रांति जैसानी ने मजदूर संगठन,सफाई कर्मी,हलवाई संघ,हाथ ठेला संघ, ऑटो चालक संघ,असंगठित मजदूर संघ ,नगर एवं ग्राम सुरक्षा समिति,जन अभियान परिषद सदस्यों सहित संगठनों का सम्मान किया।अंत में मोमबत्ती जलाकर स्व.जमना जैसानी को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का संचालन अखिलेश पाराशर ने किया वहीं आभार जमना जैसानी फाउंडेशन के शांति जैसानी ने व्यक्त किया।इस दौरान फाउंडेशन के संरक्षक रोहित तिवारी,क्रांति जैसानी,अनिल वैद्य,संदीप गुहा,संदीप स्वामी,सुदीप मंडलोई,सतीश शर्मा,गणेश जोशी,दीपांशु सोनी,सुधा पुरोहित,अदिति गुरु, अश्लेषा शुक्ला,पुष्पा शर्मा,आशीष साकल्ले सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष उपस्थित थे।

विस्थापित वनग्रामों के 1386 कृषकों को समर्थन मूल्य पर उपज बेचने का अवसर मिलेगा

कलेक्टर के विशेष प्रयासों से किसानों को मिली पंजीयन की अनुमति

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जिले की विभिन्न तहसीलों के अंतर्गत आने वाले 36 विस्थापित वनग्रामों के 1386 किसानों को अब रबी उपार्जन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर अपनी उपज बेचने का अवसर मिलेगा। पूर्व में राजस्व अभिलेखों की अनुपलब्धता के कारण इन किसानों का पंजीयन ई-उपार्जन पोर्टल पर संभव नहीं हो पा रहा था। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा इस समस्या के समाधान हेतु खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग को पत्र भेजकर विशेष अनुमति प्रदान करने का अनुरोध किया गया था। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने इस प्रकरण को विशेष मानते हुए विस्थापित वनग्राम किसानों के पंजीयन की अनुमति प्रदान की है। इसके लिए किसानों से पंजीयन हेतु आवेदन पत्र, आधार नंबर, समग्र आईडी, बैंक खाता नंबर, भूमि रकबा, बोई गई फसल एवं विक्रय तिथि की जानकारी प्राप्त की जाएगी। किसान अपने आवेदन पत्र को संबंधित पंजीयन केंद्र में जमा करेंगे। संबंधित क्षेत्र के सहायक/कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी द्वारा आवेदनों को संकलित कर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को उपलब्ध कराया जाएगा। अनुविभागीय अधिकारी/तहसीलदार (राजस्व) द्वारा भूमि रकबा एवं बोई गई फसल का सत्यापन राजस्व अमले से कराया जाएगा। सत्यापित आवेदनों को छ्रस्ह्र के लॉगिन से द्भयङ्घष्ट प्रक्रिया पूरी कर पंजीकृत किया जाएगा। इसके लिए ई-उपार्जन पोर्टल पर सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। पंजीयन उपरांत किसानों को पंजीयन पावती केंद्र के माध्यम से प्रदान की जाएगी। किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित की गई है। कलेक्टर सोनिया मीना ने समस्त अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि वे इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से लागू कर प्रभावित किसानों को अधिकतम लाभ सुनिश्चित करें।

मदिरा के अवैध संग्रहण व विक्रय के मामले में 21 प्रकरण दर्ज

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देश पर आबकारी विभाग के दल ने गत दिवस मदिरा के अवैध निर्माण, विक्रय, परिवहन व संग्रहण के विरुद्ध कार्रवाई की। जिला आबकारी अधिकारी रितेश कुमार लाल ने बताया कि आबकारी विभाग के दल ने जिले के ग्राम उंद्राकच्छ, टेमागाँव, भादूगाँव, डोलरिया, उसकल्ली, पटेल ढाबा मांदला, धनवाडा, देवपुर, राजपूत ढाबा छीपानेर रोड, जलसा ढाबा, भोनखेड़ी, भून्नास, आलमपुर, आदमपुर व दूध डेयरी मोहल्ला, में दबिश देकर कुल 10 पाव अंग्रेजी व्हिस्की, 16 बीयर बोतल, 41 पाव देशी शराब, 46 लीटर हाथ भट्टी कच्ची महुआ शराब एवं 530 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के तहत कुल 21 प्रकरण दर्ज किये। जप्त मु?द्देमाल का अनुमानित बाजार मूल्य 69050 रूपये है।

अब तक 6 लाख 82 हजार से अधिक बिजली उपभोक्ताओं ने कराई ई-केवायसी

अब उपाय ऐप के जरिए भी करा सकेंगे केवायसी

नर्मदापुरम, देशबन्धु। राज्य शासन की लाभकारी योजनाओं का फायदा लेने के लिए बिजली उपभोक्ताओं को ईकेवायसी कराना अनिवार्य है। उपभोक्ताओं से कहा गया है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के उपाय ऐप के जरिए भी ईकेवायसी करा सकते हैं। गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध उपाय ऐप डाउनलोड कर बिजली उपभोक्ता समग्र केवायसी में अपना उपभोक्ता क्रमांक एवं समग्र क्रमांक दर्ज करने के बाद लिंक मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी को दर्ज कर केवायसी प्रक्रिया को पूर्ण कर सकते हैं। केवायसी प्रक्रिया के तहत अब तक 6 लाख 82 हजार 742 उपभोक्ताओं ने सफलतापूर्वक केवायसी करा ली है।

कंपनी ने बताया है कि केवायसी प्रक्रिया के तहत नर्मदापुरम ग्रामीण में 72 हजार एक, बैतूल ग्रामीण में 91 हजार 434, राजगढ़ ग्रामीण में 53 हजार 236, शहर वृत्त भोपाल में 63 हजार 781, भोपाल ग्रामीण में 38 हजार 800, गुना ग्रामीण में 32 हजार 389, विदिशा ग्रामीण में 50 हजार 725, सीहोर ग्रामीण में 24 हजार 254, ग्वालियर ग्रामीण में 21 हजार 115, शहर वृत्त ग्वालियर में 47 हजार 300, अशोकनगर ग्रामीण में 26 हजार 384, दतिया ग्रामीण में 25 हजार 390, रायसेन ग्रामीण में 44 हजार 105, शिवपुरी ग्रामीण में 26 हजार 48, हरदा ग्रामीण में 20 हजार 993, श्योपुर ग्रामीण में 09 हजार 695, मुरैना ग्रामीण में 24 हजार 119 एवं भिण्ड ग्रामीण में 10 हजार 973 बिजली उपभोक्ताओं की केवायसी की गई है। गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों के बिजली उपभोक्ताओं के बिजली संबंधी व्यक्तिगत विवरण को कंपनी के रिकार्ड में अपडेट करने के लिए नो योर कंज्यूमर (केवायसी) प्रक्रिया शुरू की है। कंपनी द्वारा नो योर कंज्यूमर (केवायसी) प्रक्रिया के तहत बिजली उपभोक्ताओं की व्यक्तिगत जानकारी जैसे समग्र आईडी, मोबाइल नंबर एवं बैंक खाता इत्यादि की जानकारी को अपडेट किया जा रहा है। नो योर कंज्यूमर (केवायसी) प्रक्रिया से बिजली उपभोक्ताओं को जहां राज्य शासन की योजनाओं का लाभ सीधे लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना के माध्यम से सुनिश्चित किया जा सकेगा वहीं दूसरी ओर प्रणाली में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। साथ ही केवायसी से वास्तविक उपभोक्ताओं के विद्युत संयोजन एवं उनके भार की स्थिति का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित किया जा सकेगा, जिससे कंपनी कार्यक्षेत्र में विद्युत संरचनाओं के भविष्य में विस्तार की योजना बनाने में आसानी होगी तथा कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की सही पहचान और मोबाइल नंबर को सटीक रूप से टैग करने में मदद मिलेगी, जिससे कंपनी की सेवाओं का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सकेगा।

बिजली उपभोक्ता ऑनलाइन आवेदन करके बदल सकते हैं टैरिफ

नर्मदापुरम, देशबन्धु। अब बिजली उपभोक्ता आसानी से अपने विद्युत कनेक्शन का टैरिफ बदल सकते हैं। इसके लिए उन्हें बिजली कंपनी के दफ्तर में जाने की आवश्यकता नहीं है। अब मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं को ऑनलाइन टैरिफ परिवर्तन का विकल्प उपलब्ध करा दिया गया है। इसके लिए उपभोक्ताओं को सरल संयोजन पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा ।कंपनी की वेबसाइट सुविधा उपलब्ध है। उपभोक्ता अपने उपभोक्ता क्रमांक की प्रविष्टि कर वर्तमान कनेक?शन संबंधी विवरण देखकर टैरिफ परिवर्तन हेतु आवश्यक टैरिफ का चयन करेंगे। इस दौरान आवेदन के दस्तावेज, पहचान पत्र, डीआईसी सर्टिफिकेट (औद्योगिक श्रेणी हेतु) एवं संयोजित भार का विवरण अपलोड किया जाएगा। कंपनी ने कहा है कि घरेलू उपभोक?ता एवं सिंगल फेज गैर घरेलू उपभोक्ता को घोषणा पत्र एवं उपरोक्त के अलावा बाकी उपभोक्ता द्वारा एग्रीमेंट की शर्तों को अपने मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी को पोर्टल पर डालकर स्वीकार किया जाएगा। इसके बाद ही उपभोक?ता को यदि सप्लाई अफोर्डिंग चार्जेस के अंतर की राशि यदि भुगतान योग्य होगी तो भुगतान करना होगा। उपभोक्ता अपने आवेदन की स्थिति आवेदन क्रमांक अथवा मोबाइल नंबर से पता कर सकते हैं। उपभोक्ता द्वारा दी गई जानकारी का सत्यापन करने बाद आवेदन निरस्त या अग्रेषित किया जाएगा। आवेदन निरस्त होने या श्रेणी परिवर्तन होने पर उपभोक्ता को एक एसएमएस से जानकारी भी दी जाएगी।

किसानो को जागरूक करने गांव-गांव किसान खेत पाठशाला का आयोजन

नरवाई पर आग लगाने वाले पर होगी कानूनी कार्यवाही

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जिला प्रशासन द्वारा नरवाई में आग लगने की घटनाओं को नियंत्रित करने, नरवाई में आग लगने के दुष्परिणामों एवं ग्रीष्मकालीन मूंग फसल में अत्याधिक मात्रा में गैर अनुशंसित कीटनाशको के प्रयोग से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति किसानों को जागरूक करने के लिए 20 मार्च से गांव-गांव में किसान खेत पाठशालाओं का आयोजन किया जा रहा है।

विगत वर्षों में देखने में आया है कि कुछ किसान गेंहूँ की कटाई हार्वेस्टर से कराने के बाद खेतों में नरवाई खत्म करने के लिए आग लगा देते है, जिससे मिट्टी और पर्यावरण तो प्रदूषित होता ही है, साथ ही गर्मी के मौसम में आग की चिंगारी दूसरे किसानो के खेतो में पहुंचने से पड़ोसी किसानों के खेतों में खड़ी फसल जलकर राख हो जाती है. जिससे किसानों को लाखो रूपये का नुकसान का सामना करना पड़ता है। खेत खलियान से होते हुए आग की लपटे लोगो के घरो तक भी पहुंच जाती है, जो कि बड़े हादसों का सबब बन जाती है। यह आग बड़ी तेजी से फैलती है और किसान असहायता अपने उठाये हुए कदम पर पश्चात करता रह जाता है।

उप संचालक कृषि जेआर हेड़ाऊ ने बताया है कि नरवाई में आग लगाने से मिटटी में उपस्थित लाभप्रद सूक्ष्म जीवाणू, केंचूए व अन्य लाभकारी जीव नष्ट हो जाते है, जैव विविधता समाप्त हो जाती है। नरवाई के साथ कार्बनिक पदार्थ जल जाने के कारण मिट्टी की उपजाऊ शक्ति नष्ट हो रही है। जैविक खाद का निर्माण रूक जाता है। इस कारण से प्रमाण उपज प्राप्त करने के लिए किसान भाइयों द्वारा वर्ष दर वर्ष और अधिक मात्रा में रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग किया जा रहा है। खेत में कार्बनिक पदार्थ की मात्रा कम होने से मृदा कठोर हो रही है और भूमि की जलधारण क्षमता कम हो रही है। किसान भाईयो को सलाह दी जाती है कि कंबाईन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम अपनाये, गेंहूँ फसल की कटाई के बाद खेत में बचे हुए फसल अवशेषो को जलाने के बजाय नरवाई का उचित प्रबंधन करे, आधुनिक तकनीक से निर्मित सुपर सीडर यंत्र एवं पूसा डी-कंपोजर के प्रयोग से सकारात्मक व सफल परिणाम प्राप्त हो रहे है।

नर्मदापुरम जिले में एक और परेशान करने वाली प्रवृत्ति सामने आई है, जहां किसान गर्मियों की मूंग फसल को कटाई के पूर्व सुखाने के लिए ग्लाईफोसेट और पैराक्राट सहित गैर अनुशंसित शाकनाशी रासायनो को बड़े पैमाने पर उपयोग कर रहे है, इन शाकनाशी के अंधाधुंध प्रयोग को मूंग के दानों में विषाक्त अवशेषों के संचय से जोड़ा गया है, जिससे कैंसर, गुर्दे की क्षति और यकृत की शिथिलता सहित कहीं स्वास्थ्य समस्या हो सकती है, इसके अलावा इन जहरीले रसायनों के अवशेष मिट्टी में कई सालों तक बने रह सकते है, जो भू-जल और सतही जल को दूषित कर रहे है और गैर-लक्षित जीवों को प्रभावित कर रहे है। मानव स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा हो रहा है। जैसे-जैसे स्थिति सामने आ रही है, प्रशासन गैर-अनुशंसित शाकनाशियों के उपयोग से जुड़े जोखिमों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और टिकाऊ पद्धति को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है। इन व्यावहारिक समस्याओं के प्रति किसानों को जागरूक करने के लिए गांव-गांव में किसान खेत पाठशाला प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के नोडल संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व है तथा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, कृषि विस्तार अधिकारी, पटवारी, ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी, सहकारिता निरीक्षक, संबंधित ग्राम पंचायत सचिव, संबंधित ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक आवश्यक रूप से समय पर उपस्थित रहते हुए कार्यक्रम को आयोजित करना सुनिश्चित करेंगे तथा नरवाई प्रबंधन, नरवाई में आग लगने के दुष्परिणाम एवं पर्यावरण को होने वाली क्षति से कृषकों को जागरूक कराने साथ ही ग्रीष्मकालीन मूंग फसल के उत्पादन में एकीकृत नाशी जीव प्रबंधन तकनीक अपनाने, मूंग की फसल की परिपक्वता के दौरान शाकनाशी का उपयोग न करने, नवीन टिकाऊ कृषि पद्धति पर बहुमूल्य जानकारी, शासन द्वारा चलाई जा रही किसान हितेषी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। सभी किसान बंधुओ से अनुरोध है कि पर्यावरण अनुकूल टिकाऊ कृषि पद्धतियों में कांति लाकर, खेत की शुद्ध आय में बढ़ोत्तरी करने, किसानो को सशक्त बनाने, पर्यावरण को सुरक्षित करने एवं मानव समाज के लिए उज्जवल भविष्य सुनिश्चित करने में सहयोग प्रदान करे।

होली और रंगपंचमी हिंदू समाज को जोड़ने का पर्व-अभिजीत

आठनेर में सामाजिक समरसता विभाग ने धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह

बैतूल, देशबन्धु। आठनेर में सामाजिक समरसता विभाग द्वारा होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया, जिसमें हर जाति, बिरादरी और पंथ के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मातंग समाज के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष बलिराम खंडारे ने की, जबकि मंच पर सामाजिक समरसता विभाग के संयोजक आशुतोष चौहान मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुलताई जिला प्रचारक अभिजीत मिश्रा ने कहा कि होली और रंगपंचमी का पर्व सामाजिक समरसता का प्रतीक है, जो सकल हिंदू समाज को एकता के सूत्र में बांधता है। उन्होंने कहा कि देश में कई षड्यंत्रकारी शक्तियां हिंदू समाज को तोड़ने और कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन हमें इन साजिशों को नाकाम करना है। इस होली पर हर भारतवासी को देशभक्ति के रंग में रंगना चाहिए और सभी जातियों, पंथों व बिरादरियों को एकजुट होकर भारत को परम वैभव तक ले जाने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में विभिन्न जातियों और समुदायों के प्रमुख, आध्यात्मिक एवं सामाजिक संगठनों के सदस्य और बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे। आयोजन का संयोजन जिला समरसता संयोजक कैलाश आजाद और खंड संयोजक दिनेश माकोड़े द्वारा किया गया।

मालवी सेन समाज ने मनाया होली मिलन

मालवी सेन समाज द्वारा रंग पंचमी के अवसर पर होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के प्रमुख पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर समाज की एकता और संगठन को मजबूत करने पर चर्चा की गई। समारोह में उपस्थित सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और समाज की उन्नति के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया। समारोह में मालवी सेन समाज के जिला अध्यक्ष लखनलाल मालवी, उपाध्यक्ष दिनेश खेड़ले, सचिव पुष्पेंद्र मन्नासे, कोषाध्यक्ष पंकज बबलू साहने, कार्यकारिणी सदस्य पवन साहने, राधे खवादे, मनोज सरसोदे, संजू रसोले, गणेश साहने, जितेंद्र नरेले, बबलू उच्चसरे, अशोक मन्नासे, राहुल मालवी, रोहित देवेंद्र कसारे, बृजेश सहाने सहित समाज के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

गांव के विकास में टैक्स सखी निभा रही अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

समीक्षा बैठक में सीईओ ने की कार्य की प्रशंसा

भोपाल, देशबन्धु। जिला पंचायत सभागार में मंगलवार को आयोजित टैक्स सखियों समीक्षा बैठक में सीईओ श्रीमती इला तिवारी ने कर वसूली कार्य करने वाली महिलाओं की प्रशंसा की।

गौरतलब हो भोपाल जिला पंचायत द्वारा नवाचार के रूप में कर वसूली करने वाली महिलाओं को टैक्स सखी के रूप नियुक्त किया है। ग्राम पंचायतों में अधिरोपित किये जाने वाले कर जैसे जलकर, स्वच्छता कर, सम्पत्तिकर आदि की वसूली आजीविका मिशन अंतर्गत कार्यरत स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। टैक्स सखी घर-घर जाकर करदाताओं से संपर्क कर वसूलने का कार्य कर रही है। साथ ही पंचायत दर्पण के ऑनलाइन पोर्टल पर इसकी एन्ट्री भी सुनिश्चित कर रही है। टैक्स सखी एवं करदाताओं के बीच पारदर्शिता बनाये रखने के लिए ऑनलाईन एवं ऑफलाईन दोनो माध्यम से टैक्स वसूली सुनिश्चित की जा रही है। हितग्राही स्वयं भी क्यू.आर. कोड के माध्यम से अधिरोपित करों का भुगतान कर सकता है। समीक्षा बैठक में एसीईओ जिला पंचायत शंकर पांसे, डीपीएम डॉ. रेखा पाण्डेय, जिला समन्वयक संतोष झारिया सहित जनपद पंचायत के ब्लॉक प्रबंधक एवं समस्त टैक्स सखी उपस्थित रही।

देवास जिले की टीम ने की टैक्स सखी से चर्चा

देवास जिले से भोपाल भ्रमण पर आई टीम ने टैक्स सखियों से वन-टू-वन चर्चा कर उनकी कार्यप्रणाली को जाना। टैक्स सखियों ने बताया कि सबसे पहले हमने ग्रामीणों के बीच टैक्स कलेक्शन एवं उससे गांव के विकास में भूमिका के विषय पर जागरूकता लाने का कार्य किया। स्थानीय स्तर पर सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक के सहयोग से करों की वसूली की महत्वपूर्णता पर चर्चा कर ग्रामसभा में प्रस्ताव पारित कराया। धीरे धीरे सभी ग्रामीणजन स्वेच्छा से कर का भुगतान करने लगे।

श्रम और औद्योगिक न्यायालय में होली मिलन आयोजित

भोपाल, देशबन्धु। श्रम एवम औद्योगिक न्यायालय अधिवक्ता संघ ने श्रम न्यायालय अधिवक्ता सभागार ने होली मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमे औद्योगिक न्यायालय के सदस्य न्यायाधीश निहारिका सिंह, श्रम न्यायालय के न्यायाधीश के चक्रवती अभी संजना सरल भी उपस्थित रहीं। सबका गुलाल लगाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम मेमध्यप्रदेश औद्योगिक बार के उपाध्यक्ष जीके छिब्बर ने होली के माहौल पर रोचक कविता का वाचन किया। अधिवक्ता हाशिम अली ने हास्य विनोद में अपनी बात कही। न्यायधीश के चक्रवती एवम संजना सरल ने भी होली पर बधाई देते हुवे बार की इस परंपरा को बैंच बार का अच्छा समन्वय बताए। अन्त में सदस्य न्यायाधीश निहारिका सिंह ने कहा कि होली का उत्सव भाईचारे का सौहार्द एवम सदभाव का है। ऐसे कार्यक्रम से बेंच और बार के संबंध अच्छे रहते हैं, तनाव दूर होता है और न्यायिक कार्य करने में वातावरण अच्छा रहता है। उन्होंने अधिवक्ता संघ को होली मिलन कार्यक्रम आयोजन पर बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन राजकुमार घोटे अधिवक्ता ने आभार प्रदर्शन अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने किया।

महापौर ने अपर आयुक्त की लगाई क्लास, पूछा- मवेशियों की एम्बुलेंस कहां है?

भोपाल, देशबन्धु। 16-17 मार्च की रात डेढ़ बजे एक गाय घायल हो गई थी। क्या वह सुबह तक सड़क पर ही घायल अवस्था में पड़ी रहेगी? आपको फोन भी किया था, पर आपने सुना नहीं कोई व्यवस्था नहीं की। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक गो एम्बुलेंस दी थी। वह एम्बुलेंस कहां है? महापौर मालती राय ने मंगलवार को अपर आयुक्त रणवीर कुमार सिंह की कुछ इस तरह से मोबाइल पर ही क्लास लगा दी।

दर असल महापौर श्रीमती राय स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम से महापौर महिला हेल्पलाइन की समीक्षा कर रही थीं। इसी दौरान उन्होंने अपर आयुक्त रणवीर कुमार सिंह को मोबाइल पर फोन किया और 16-17 मार्च की रात में गाय के घायल होने और इलाज की व्यवस्था के बारे में पूछा। अपर आयुक्त श्री सिंह सही ढंग से जवाब नहीं दे सके। इस पर महापौर ने नाराजगी जताई। इसके साथ ही महापौर ने हर विभाग के जिम्मेदारों को फोन कर लंबित शिकायतों के बारे में बताया।

वहीं महापौर श्रीमती राय ने जोन नंबर, 7, 8, 11, 12, 18 और 19 में कार्यरत निगमकर्मी सोहेल खान, अब्दुल शमी और सुनील गुबारे को कचरा स्टेशन पर भेजने के निर्देश दिए। दरअसल, इनकी सफाई से जुड़ी कई शिकायतें लंबित थी। किसी की 21 तो किसी की 35 शिकायतें तक लंबित हो गई थी। वहीं दूसरी ओर, इनके क्षेत्र से संबंधित जैसे ही कोई शिकायत महापौर महिला हेल्पलाइन पर दर्ज होती, अगले दिन ही बिना मौके पर जाए ही शिकायत का निराकरण होना लिख देते थे। समीक्षा के दौरान महापौर को जब यह जानकारी लगी तो उन्होंने संबंधित शाखा के अधिकारी को भी फोन किया।

सबसे ज्यादा सीवेज और स्ट्रीट लाइट की शिकायतें

महापौर श्रीमती राय ने बताया, 1 से 28 फरवरी के बीच 3 हजार 369 शिकायत आई थी। बाकी बची 600 शिकायतों पर काम चल रहा है। वहीं, मार्च में अब तक 1हजार 588 समस्याएं आई हैं। इनमें से एक हजार का समाधान कर दिया है। बाकी शिकायतों को जल्दी दूर करने के निर्देश दिए हैं। सबसे ज्यादा शिकायतें सीवेज और स्ट्रीट लाइट की है। अधिकारियों से बात की है। जल्द समस्या का समाधान करेंगे।

पानी की टंकी में छिपाया था शव, परिवार समेत बच्ची को तलाशने का नाटक भी किया था

अतुल भालसे

बसंती भालसे

चंचल भालसे

भोपाल, देशबन्धु। शाहजहांनाबाद इलाके में मासूम की दुष्कर्म के बाद हत्या करने वाले जिस आरोपी को अदालत ने मंगलवार को फांसी की सजा सुनाई है, वह कितना शातिर और क्रूर है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसने वारदात को अंजाम देने के बाद दो दिनों तक बच्ची के शव को अपने घर में ही छिपा रखा था। इतना ही नहीं वह और उसकी मां व बहन बच्ची के परिजनों के साथ उसे तलाश करने के नाटक भी करते रहें।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 सितंबर 2024 को दोपहर 12 बजे पांच वर्ष की मासूम मल्टी के दूसरे ब्लाक स्थित अपने परिजनों के ही घर से अपने फ्लैट पर पहुंची थी। उस फ्लैट के ठीक सामने के फ्लेट में रहने वाले अतुल भालसे ने उसका मुंह दबाकर भीतर खींच लिया था और महज 35 मिनट के भीतर उसने दुष्कर्म कर बच्ची का गला दबाकर हत्या कर दी। उसके बाद शव को बिस्तर के नीचे छिपा दिया। काफी देर तक बच्ची का पता नहीं चला तो इमारत के रहवासी उसको तलाशने लगे। पुलिस को सूचना दी। पांच थानों के 100 से अधिक पुलिसकर्मी उसे तलाशने लगे। ऐसे में अपराधी को शव ठिकाने लगाने का अवसर नहीं मिला। इस बीच उसकी मां बंसती भालसे और बहन चंचल भालसे को उसकेअपराध का पता चल चुका था। उन्होंने बच्ची का शव बिस्तर से निकालकर पानी की एक टंकी में छिपा दिया। बदबू रोकने के लिए बार-बार फिनायल से पोछा लगाया। 26 सितंबर को आरोपी के फ्लैट से बदबू उठने लगी तो पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद तलाशी में बच्ची का शव मिल गया और फिर पुलिस ने तीनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया था।

आरोपी अतुल भालसे ने पुलिस को बताया था कि कीटनाशक दवा के छिड़काव के दौरान हुए धुएं का फायदा उठाते हुए उसने बच्ची का मुंह बंद कर अपने फ्लैट में खींच लिया था। दुष्कर्म के बाद गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद एक दिन तक शव कमरे में बिस्तर के बीच छिपाकर रखा। लेकिन मक्खियां होने लगीं, तो शव को पानी की टंकी में डाल आया था। घटना के बाद किसी को शक न हो, इसलिए वह बच्ची के परिजन के साथ उसे तलाशने का नाटक करता रहा। उनके साथ रहकर पुलिस की गतिविधि पर भी नजर रखे रहा। जब उसे यकीन हो गया कि वह बच नहीं पाएगा, तो अपने फ्लैट का ताला लगाकर फरार हो गया था। बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। पुलिस के मुताबिक अतुल भालसे के खिलाफ खरगोन में पहले से छेड़खानी, चोरी जैसे 6 अपराध दर्ज हैं। उसकी पत्नी दो साल से अलग रह रही है।

देशबन्धु

नर्मदापुरम, गुरूवार 20 मार्च 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

सुनीता-विल्मोर की वापसी विज्ञान की जीत

भारतीय समयानुसार तड़के 3 बजकर 27 मिनट पर फ्लोरिडा के समंदर में लैंडिंग कर स्पेसक्राफ्ट ड्रेगन के कैप्सूल ने जब 4 अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित लॉन्चिंग कराई, तो इतिहास रचा जा चुका था। कारण यह था कि इसमें दो यात्री ऐसे भी थे जो लगभग 9 माह पहले मिशन पर गये थे लेकिन कुछ तकनीकी कारणों से उनका 8 दिनों का मुकाम बढ़ता चला गया था। पृथ्वी से औसतन लगभग 400 किलोमीटर ऊपर नितांत निर्जन व निर्वात, शून्य गुरुत्वाकर्षण, करोड़ों किलोमीटर तक अंतरिक्ष में पृथ्वी व उसके चंद्रमा के बगैर माइनस 121 डिग्री सेल्सियस से लेकर माइनस 157 डिग्री सेल्स. तापमान में सुनीता विलियम्स व बुच विल्मोर ये यात्री थे, जिन्होंने नयी-नयी तकनीकी दिक्कतों को अपने साहस, धैर्य और ज्ञान से परास्त करते हुए पृथ्वी पर वापसी कर खगोल विज्ञान के इतिहास में अपने नाम के अलग अध्याय लिख दिये हैं। सुनीता के प्रति भारतीयों का लगाव स्वाभाविक है क्योंकि उनकी जड़ें इसी देश की हैं, परन्तु इस मायने में उनका नाम ऊपर लिखा जायेगा कि वे पहली ऐसी यात्री बन गयी हैं जिन्होंने अंतरिक्ष की तीन बार यात्राएं कीं। इसके साथ ही वे उस क्लब में शामिल हो गयी हैं जिन्होंने 600 से ज्यादा दिन घने काले अंतरिक्ष में बिताये हैं जो अनंत है, अपार है, अबूझ व अल्पज्ञात भी।

ऐसा ब्रह्मांड जिसमें एक बार खो जाने पर मनुष्य तो क्या एक तिनके का भी कभी पता न चले, वहां सुनीता-विल्मोर की जोड़ी ने न धैर्य खोया न हिम्मत और न ही अपना मानसिक संतुलन। वे वहां विभिन्न तरह के प्रयोग करते रहे लेकिन वक्त पर बस या ट्रेन न मिलने से भी विचलित हो जाने वाले सामान्यजन को इस बात का कभी अंदाजा नहीं हो सकता कि बार-बार रद्द होती वापसी से कोई भी व्यक्ति कितना विचलित हो सकता है। वह भी ऐसी जगह पर बैठा व्यक्ति जो जानता है कि इस सतत फैलते और एक-दूसरे के गुरुत्वाकर्षण से बंधकर परिक्रमा करते अंतरिक्ष में कुछ भी निश्चित नहीं है। कब कौन सा यात्री थोड़ी गलती होने पर छिटककर प्रति सेकंड 16 हजार किलोमीटर की रफ्तार से फेंक दिया जायेगा या कब कौन सा उल्का पिंड आकर टकरा जाये अथवा किस क्षण कोई ग्रह उस यात्री व स्पेस स्टेशन तो क्या पूरी पृथ्वी को ही अपने में विलीन कर दे। हमारे ब्रह्मांड की उम्र 13.8 अरब वर्ष आंकी गयी है। लगभग 5 अरब साल पहले तैरती धूल और हीलियम व हाइड्रोजन गैसों से सूर्य बना और पृथ्वी तकरीबन 4.6 अरब साल पहले अस्तित्व में आई। हमारे सौरमंडल में ज्यादातर ग्रहों व क्षुद्र ग्रहों से बने असंख्य स्पेस ऑब्जेक्टस बने हैं जो परस्पर टकरावों का प्रतिफल हैं। कोई भी वस्तु कब किससे आकर टकरा जाये, कहा नहीं जा सकता- ऐसे खतरे के बीच यह मनुष्य का साहस व ज्ञान ही है जो उन्हें विपरीत परिस्थितियों में टिके रहने का संकल्प प्रदान करता है। वैज्ञानिकों के साहस, बलिदान और जिज्ञासा ने ही विज्ञान को आज यहां तक पहुंचाया है।

भारत में पिछले कुछ समय से वैज्ञानिक और तकनीकी कौतूहल नाम का तत्व खत्म हो रहा है; या कहें कि खत्म किया गया है। ऐसे में ज्यादातर भारतीय दुनिया में हो रहे वैज्ञानिक व तकनीकी विकास से अनभिज्ञ हैं। सामान्य युवाओं और छात्रों को पूछिये कि सुनीता विलियम्स का क्या माजरा है, तो वे जवाब नहीं दे पाएंगे। न उन्हें शून्य गुरुत्वाकर्षण का पता है न अंतरिक्ष का रंग ज्ञात है। बिग बैंग थ्योरी और ब्लैक होल से अपरिचित वे यह भी नहीं जानते कि अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन क्या है और वह कितनी ऊंचाई पर कार्यरत है। उसका उद्देश्य क्या है और अब तक उसने क्या किया है। यही ज्ञान वैज्ञानिक तरक्की की दौड़ शुरू करने वाली वह रेखा है जिसमें तमाम विकसित देश एक-दूसरे के साथ होड़ लगा रहे हैं जबकि भारत ठीक विपरीत दिशा में भाग रहा है- अज्ञानता की तरफ़। भारतीय संविधान में जिस 'साइंटिफिक टेंपर' यानी 'वैज्ञानिक चेतना' की बात कही गयी थी और उसे विकसित करना सरकार का एक प्रमुख दायित्व तय किया गया था, वह आज पूर्णतः अनुल्लेखनीय व अवांछित नीति-तत्व बनकर रह गया है। सियासत यदि सत्ता बनाये रखने के लिये देश को मध्ययुग की ओर ले जाये तो वहां केवल राजनेताओं द्वारा छवि निर्माण और विश्वगुरु होने का भ्रम ही शेष रह जाता है।

बेहद मुश्किल मिशन में पड़े अंतरिक्ष यात्रियों को लाने के लिये अमेरिका के तमाम वैज्ञानिकों के साथ वहां के प्रमुख उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहां के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बचाव का काम अपने देश के नासा व स्पेसएक्स पर छोड़ रखा था। इसके बरक्स हम देखें तो श्रेय लेने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हर वक्त तत्पर रहते हैं। यहां तक तो फिर भी ठीक है कि एक राजनेता होने के नाते वे लोगों को इस तरह से प्रभावित करने की कोशिश करते हैं, लेकिन जिस तरह से देश में अवैज्ञानिकता और अंधविश्वास को वे न केवल बढ़ावा देते हैं बल्कि वैसी वैचारिकता का नेतृत्व भी करते हैं। मौके का लाभ उठाकर मोदीजी ने तुरंत सुनीता को चिट्ठी भी लिख दी जिसमें उन्होंने वापसी पर प्रसन्नता जताई है। ये वही मोदीजी हैं जिन्होंने कोरोना काल में सड़कों पर घिसटते करोड़ों गरीबों के परिवहन की कोई व्यवस्था नहीं की और न ही खोज-खबर ली कि वे कितनी मुश्किलों से लौट रहे हैं। नाले की गैस से चाय बनाने, राडार से जहाजों को छिपाने, टर्बाइन से ऑक्सीजन व पानी को अलग करने की बातें करने वाला व्यक्ति जब ऐसी चिट्ठी लिखे तो हंसी का पात्र ही बनता है। सुनीता की वापसी उस विज्ञान की जीत है जिससे दूर रहकर फिलहाल भारत मुस्लिम शासकों की कब्रें तथा मस्जिदों-दरगाहों के नीचे शिवलिंग ढूंढ़ने में मग्न है।

मानवता ने जब धरती को छुआ

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

कल्पना, सुनीता ये नाम सुंदर हैं और आम भारतीय घरों में प्रचलित भी। इन सामान्य से लगने वाले वाले नामों की दो लड़कियों ने भारत सहित पूरी दुनिया पर अनूठी छाप छोड़ी है। कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स इन दोनों की अंतरिक्ष यात्राएं समूचे अंतरिक्ष विज्ञान के लिए याद, सबक और मिसाल बन गईं। इनकी यात्राओं पर चर्चा करुंगी, लेकिन नाम का जिक्र इसलिए याद आया क्योंकि इस सदी में अनूठेपन के नाम पर अब काफी नए-नए तरह के नाम सुनने मिलते हैं, लोग अब अपने बच्चों का नाम रखने के लिए गूगल की मदद भी लेते हैं और ज्योतिष की सलाह भी। हालांकि शेक्सपियर तो सदियों पहले कह गए हैं कि नाम में क्या रखा है। गुलाब, गुलाब ही रहेगा, चाहे उसे किसी भी नाम से पुकारो। लेकिन भारतीय इस मामले में शेक्सपियर की बिल्कुल नहीं सुनते। बच्चों के नामों में नयापन और इतिहास के नामों में धर्म के मुताबिक बदलाव, यही इस वक्त का चलन है। आश्चर्य होता है यह देखकर कि दुनिया में कितने तरह के काम, प्रयोग, शोध हो रहे हैं। विज्ञान, चिकित्सा, खेल, कला, व्यापार जीवन के हर पहलू में बड़ी तेजी से बदलाव हो रहे हैं। कारखानों, होटलों से लेकर आपरेशन थियेटर तक में रोबो से काम लिया जा रहा है। डीएनए का परीक्षण कर उसके बूते इंसान की आयु बढ़ाने, अपनी ही तरह का दूसरा इंसान पैदा करने, पैदा होने से पहले ही बीमारी का पता लगने पर इलाज करने जैसे कई आश्चर्यजनक काम किए जा रहे हैं। मानव अंगों के प्रत्यर्पण से एक इंसान की मौत के बाद उसे दूसरे इंसान में जिंदा रखा जा रहा है। छपी हुई मुद्रा के साथ आभासी मुद्रा का व्यापार हो रहा है। धरती, आकाश, पाताल हर जगह पहले इंसान की जिज्ञासा पहुंची, फिर इंसान ने खुद पहुंचने का रास्ता बना लिया। बुधवार सुबह ऐसे ही एक नए रास्ते को धरती के इंसानों ने देखा। जिसके दो राही खास थे बुच विल्मर और सुनीता विलियम्स।

ये दोनों अंतरिक्ष यात्री 9 महीने 14 दिन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन आईएसएस में बिताने के बाद धरती पर वापस लौटे हैं। धरती पर कदम रखा इसलिए नहीं कह सकते कि इतना लंबा वक्त अंतरिक्ष में बिताने के बाद अभी उनके शरीर को धरती पर सामान्य तरीके चलने-फिरने का अभ्यस्त होने में वक्त लगेगा। जैसे 9 महीने मां की कोख में रहने के बाद जब बच्चा जन्म लेता है, तो धीरे-धीरे कदम संभालना सीखता है। अनोखा संयोग है कि सुनीता विलियम्स और बुच विल्मर 9 महीने उस धरती से दूर रहे, जो इंसानी जीवन की जननी है। बुधवार सुबह भारतीय समय के मुताबिक 3 बजकर 27 मिनट पर जब इन दो अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अमेरिका के निक हेग और रूस के अलेक्सांद्र गोरबुनोव, यानी कुल चार यात्रियों को लेकर अंतरिक्ष यान ने फ्लोरिडा के समुद्र में डुबकी लगाई तो विज्ञान और मानवता दोनों ने नयी प्राणवायु पाई।

पाठक जानते हैं कि केवल आठ दिनों के अंतरिक्ष सफर पर निकले सुनीता विलियम्स और बुच विल्मर को तकनीकी खराबी के कारण 9 महीने से ज्यादा का वक्त अंतरिक्ष में बिताना पड़ा। इस दौरान उन्हें लाने की कोशिशें होती रहीं। आखिरकार उन्हें लेने एक दूसरा यान भेजा गया और फिर उनकी सकुशल वापसी हुई। भारत में इस दौरान सुनीता विलियम्स के रिश्तेदारों के घरों से लेकर देश में जगह-जगह पूजा पाठ हुए, उनकी सुरक्षित वापसी के लिए हवन किए गए। भारतीय मूल की होने के कारण इतना लगाव स्वाभाविक है। इसी तरह जब कल्पना चावला भी अंतरिक्ष में गई थीं, तो उनके अमेरिकी नागरिक होने के बावजूद भारतीय इस बात को गर्व से कहते थे कि वे हरियाणा की हैं, यहीं पली बढ़ी, हालांकि बाद में वे उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका गईं और फिर वहीं की नागरिक हो गईं। कल्पना चावला के अंतरिक्ष सफर का अंत दर्दनाक था, अंतिम क्षणों में उनका यान आग के गोले में तब्दील हो गया। हालांकि उनके असाधारण काम आज भी याद किए जाते हैं।

सुनीता और कल्पना, अगर केवल इन दो नामों का जिक्र करें तो अभी बेशक अंतरिक्ष यात्री की पोशाक में सज्जित दो महिलाओं की शक्ल हमारी आंखों के सामने आएगी, लेकिन इसके साथ एक कड़वी सच्चाई यह है कि इन दो नामों के साथ-साथ, ऐसी सैकड़ों, लाखों लड़कियां हैं, जो ऐसे ही असाधारण काम करके अपने नामों को हमेशा के लिए यादगार बना सकती हैं, लेकिन उनके सपनों की उड़ान के लिए कोई आकाश ही बचने नहीं दिया जाता। अगर किसी ने हिम्मत दिखाई भी तो सपने उसी तरह राख कर दिए जाते हैं, जैसे कल्पना चावला का यान राख बन गया था। सुनीता विलियम्स तो पहले से अमेरिका में थीं और कल्पना चावला बाद में वहां गईं, लेकिन भारत में रहकर क्या इन्हें ऐसे मौके मिल पाते, इस सवाल का जवाब सब जानते हैं। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत में भी खूब काम हो रहा है, कई वैज्ञानिक इसरो में काम करती हैं, जिनके बारे में बताने के लिए अलग से महिला वैज्ञानिक लिखना पड़ता है। क्या कभी किसी पुरुष वैज्ञानिक का जिक्र हम इस तरह से करते हैं, यह भी सोचना चाहिए। बहरहाल, अलग-अलग क्षेत्रों में योग्यता और श्रेष्ठता के पैमाने पर बार-बार खुद को साबित करने के बावजूद महिलाओं को बड़ी मुश्किल से अवसर मिलते हैं और वह भी अपवाद के तौर पर। वर्ना समाज का आलम तो ऐसा है कि अब भी लड़की अपने पिता, भाई, पति या किसी पुरुष रिश्तेदार के साथ घर से बाहर निकले तभी सुरक्षित मानी जाती है। जो लड़कियां सारी चुनौतियों को पार करके घर से बाहर निकल चुकी हैं, अपना कार्यक्षेत्र तय कर चुकी हैं, वहां उन्हें कितने तरह के भेदभाव का सामना करना पड़ता है, इस पर लिखने बैठें तो अलग पोथी तैयार हो जाएगी।

फिलहाल खुशी का दिन है कि सुनीता विलियम्स इतिहास रच कर वापस लौटीं, उन्हें लेने जो यात्री अंतरिक्ष में गए थे, उनमें रूस, जापान, अमेरिका के नागरिक थे। अपने अमेरिकी सहयोगी के साथ जब सुनीता लौटीं तो केवल भारत और अमेरिका नहीं पूरी दुनिया ने इस ऐतिहासिक क्षण की खुशियां मनाईं। धरती पर रहकर छोटी-छोटी बातों और स्वार्थों में इंसान उलझ कर पूरा जीवन व्यर्थ बिता देता है। उस वक्त ऐसी घटनाएं सोचने पर मजबूर कर देती हैं कि कितना कुछ कर गुजरने की ताकत इंसान को हासिल है। जब अंतरिक्ष में इंसान पहुंचता है तो धरती की सीमाओं के साथ, उन बंधनों से भी मुक्त होता है, जो खुद इंसान ने अपने लिए बना लिए हैं। वहां पासपोर्ट की पहचान से परे सब केवल इंसान होते हैं, जो भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रयोग करते हैं, नयी संभावनाओं को खटखटाते हैं।

सुनीता विलियम्स और बुच विल्मर की सकुशल वापसी के लिए उन्हें लेने गए यात्रियों के अलावा एलन मस्क भी बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने इस काम में अपना खास योगदान दिया और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसमें उनका साथ दिया। हालांकि कुछ दिनों पहले जिस अंदाज में ट्रंप ने इन यात्रियों की वापसी का जिक्र किया था, उसकी काफी आलोचना हुई थी। खैर राजनीति से परे, यह काम उन्हें तारीफ का हकदार बनाता है। इधर भारत में भी तमाम दलों ने इस पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस वापसी का स्वागत किया है। भाजपा के कुछ नेता भारत की बेटी सुनीता विलियम्स की वापसी पर खुशी जता रहे हैं। हालांकि कुछ दिनों पहले भारत की एक और बेटी रंजनी श्रीनिवासन खुद निर्वासित होकर अमेरिका से भारत लौट आईं। कोलंबिया विवि में पीएचडी कर रही रंजनी श्रीनिवासन का वीज़ा अमेरिका ने इसलिए रद्द कर दिया, क्योंकि उन्होंने फिलीस्तीन के हक में आवाज़ उठाई थी। क्या भाजपा सरकार कभी रंजनी जैसी किसी बेटी के हक में भी कोई बात कहेगी।

> **ये दोनों अंतरिक्ष यात्री 9 महीने 14 दिन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन आईएसएस में बिताने के बाद धरती पर वापस लौटे हैं। धरती पर कदम रखा इसलिए नहीं कह सकते कि इतना लंबा वक्त अंतरिक्ष में बिताने के बाद अभी उनके शरीर को धरती पर सामान्य तरीके चलने-फिरने का अभ्यस्त होने में वक्त लगेगा।**

हिंदू धर्म के नाम पर सांप्रदायिकता और अंधविश्वास फैलाने का राजनीतिक खेल

■ डॉ. अरुण मित्रा

हमारे देश में जहां विभिन्न मान्यताएं और परंपराएं एक साथ विद्यमान हैं, वहां तर्कसंगत सोच और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना बेहद जरूरी है। अंधविश्वास, अंध-प्रथाएं और रीति-रिवाज विकास के मार्ग में बाधा हैं।

वैज्ञानिक सोच केवल विज्ञान का ज्ञान नहीं है, बल्कि यह घटनाओं का विश्लेषण करने का एक तर्कसंगत तरीका है और यह गहरी समझ की खोज है। इसलिए किसी भी समाज को प्रगति के लिए विज्ञान के प्रति जिज्ञासु, समावेशी और आत्मसात करने वाला होना जरूरी है। हमारे देश के संविधान में 1976 में 42वें संशोधन में मौलिक कर्तव्यों के अंतर्गत वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जोड़ा गया था, जिसमें कहा गया था कि 'भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह अपने अंदर वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावाद और जांच-पड़ताल तथा सुधार की भावना विकसित करे।

पिछले कुछ वर्षों में राज्य द्वारा एक ऐसा आख्यान गढ़ा जा रहा है, जिसमें सवाल करने या विश्लेषण करने की प्रवृत्ति नहीं, बल्कि अंधविश्वास में जीने की प्रवृत्ति विकसित की जा रही है। अगर आधिकारिक आंकड़ों पर विश्वास किया जाये, तो प्रयागराज में कुंभ मेले के दौरान 65 करोड़ से अधिक लोगों ने न केवल अत्यधिक प्रदूषित पानी में स्नान किया, बल्कि इसे पीया, बोतलों में भरा और दूसरों के लिए 'चरणामृत' के रूप में अपने साथ ले गये और अपने घरों और पड़ोस में लोगों को पिलाया। यह सब तब हुआ, जब सरकारी निकायों, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने चेतावनी दी थी कि यह पानी अत्यधिक प्रदूषित है और पीने की बात तो दूर, नहाने के लिए भी उपयुक्त नहीं है।

बिहार प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भी इसी तरह की रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें कहा गया था कि बिहार में गंगा नदी का पानी ज्यादातर जगहों पर नहाने के लिए अनुपयुक्त है। लेकिन इन चेतावनियों के बावजूद लोग आस्था और दिव्य लाभ के नाम पर मल-मूत्र से प्रदूषित जल को मजे से पीते रहे। इससे जहां गंगा की सफाई के सरकारी दावों की पोल खुल गयी, वहीं यह भी सामने आया कि सत्ता में बैठे लोगों द्वारा फैलाये गये मिथकीय और अवैज्ञानिक विचारों से हमारा समाज कितना प्रभावित है। यह चिंता का विषय है कि लोग इतने अविवेकी और मूर्ख कैसे हो सकते हैं।

यह जानना दिलचस्प है कि जब लोग कुंभ में डुबकी लगा रहे थे, तब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे, जिनकी सामाजिक-राजनीतिक मान्यताएं जगजाहिर हैं, ने गंगा नदी की सफाई पर सवाल उठाये और नदी में डुबकी लगाने से इनकार कर दिया। ठाकरे ने लोगों से आग्रह किया, 'अंधविश्वास से बाहर निकलो और अपने दिमाग का सही इस्तेमाल करो।' उन्होंने प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ से अपनी पार्टी के नेता बाला नंदगांवकर द्वारा लाये गये पवित्र जल को पीने से इनकार कर दिया। मुझे कभी नहीं लगा कि हिंदू धर्म खतरे में है, क्योंकि यह सभी को शामिल करने वाला है और संवाद के जरिये आत्मसात करने के लिए तैयार है। लेकिन कुंभ मेले के बाद मुझे यह डर सताने लगा है कि हिंदू धर्म बहुत गहरे संकट में जा रहा है।

मानव सभ्यता जल निकायों के इर्द-गिर्द विकसित हुई है जो उनके लिए जीवन का स्रोत थे। इसलिए लोग कृतज्ञता की अभिव्यक्ति के रूप में विभिन्न स्थानों पर जल निकायों को अलग-अलग रूपों में नमन करते थे। कुंभ मूल रूप से विभिन्न धर्मों के लोगों के लिए करुणा और त्याग का केंद्र था। भले ही समुद्र मंथन से संबंधित कुंभ का पौराणिक वर्णन है, लेकिन यह राजा हर्षवर्धन ही थे जिन्होंने नियमित रूप से त्रिवेणी में स्नान की प्रथा का आयोजन किया था। चीनी यात्री ह्वेनत्सांग ने इन आयोजनों का दस्तावेजीकरण किया और हर्षवर्धन की उदारता और भक्ति का वर्णन किया, जिन्होंने 606 से 647 ई. के बीच त्रिवेणी संगम पर हर पांच साल में एक बड़ी धार्मिक सभा का आयोजन किया जिसमें विभिन्न विचारों और धर्मों के लोग भाग लेते थे। उन्होंने गरीबों और धार्मिक संस्थानों को कपड़े और गहने सहित अपनी निजी संपत्ति दान कर दी। इस प्रकार यह आयोजन त्याग और करुणा का प्रतिबिंब था।

लेकिन इस बार राज्य द्वारा 'महाकुंभ' का इस्तेमाल अन्य धार्मिक समूहों, खास तौर पर मुसलमानों के खिलाफ़ मिथक और नफ़रत फैलाने के लिए किया गया है। कई मुसलमानों को कुंभ के दौरान अपनी दुकानें बंद करने के लिए कहा गया, जबकि ऐसी रिपोर्टें हैं कि उनमें से कई ने हिंदू तीर्थयात्रियों को जगह देने के लिए मस्जिदें खोलीं। इस प्रकार हिंदू दर्शन का सार जो वसुधैव कुटुंबकम और वैश्विक शांति की बात करता है, झूठा साबित हुआ है।

'हिंदू' शब्द मूल रूप से प्राचीन काल में यूनानियों और फारसियों द्वारा सिंधु नदी (सिंधु नदी) के पार की भूमि और लोगों को संदर्भित करता था। ऐसा कहा जाता है कि फारसी लोग 'स' का उच्चारण करने में असमर्थ थे, इसलिए उन्होंने इसे 'ह' के रूप में बोला। इस प्रकार 'हिंदू' शब्द सिंधु नदी के नाम 'सिंधु' का फारसीकृत संस्करण है। 'हिंदू धर्म' शब्द 19वीं शताब्दी में ही आम इस्तेमाल में आया, जिसका इस्तेमाल शुरू में बाहरी लोगों द्वारा हिंदुओं के 'वाद' का वर्णन करने के लिए किया गया और अंततः हिंदुओं द्वारा खुद को मुसलमानों और अन्य लोगों से अलग करने के लिए किया गया। 'हिंदू धर्म' का इस्तेमाल करने वाले पहले भारतीय राजा राम मोहन राय हो सकते हैं जिन्होंने 1816-17 में इस पद को ग्रहण किया था। 1830 के आसपास, कुछ भारतीयों ने खुद को 'हिंदू' और 'हिंदू धर्म' को अपना धर्म कहना शुरू कर दिया। डॉ. रितु खोसला ने राजा राम मोहन राय पर अपने लेख में इस बात पर जोर दिया है कि राजा राम मोहन राय यह साबित करना चाहते थे कि अंधविश्वास और अंधविश्वासी मान्यताओं और प्रथाओं का मूल हिंदू धर्म में कोई आधार नहीं है। राय के अनुसार, बिगड़ते राजनीतिक और सामाजिक परिवेश के लिए जिम्मेदार एक और कारक भारतीय समाज का सामाजिक पतन था। वह एक नये भारतीय समाज का निर्माण करना चाहते थे, जहां सहिष्णुता, सहानुभूति, तर्क, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के सिद्धांतों का सम्मान किया जायेगा। (https://ebooks.inflibnet.ac.in/psp®|/chapter/raja-ram-mohan-roy-the-first-modern/)

हिंदुओं की विचारधारा और प्रथाओं में बहुत विविधता है। उनमें प्रकृति पूजक, मूर्ति पूजक और बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जो किसी भी दैवीय शक्ति में विश्वास नहीं करते हैं। लेकिन ये सभी कभी एक-दूसरे के विरोध में नहीं रहे, बल्कि सद्भाव से रहते थे। उन्होंने दूर-दूर से आने वाले लोगों के विचारों को भी आत्मसात किया और समय-समय पर खुद को समृद्ध किया। इस प्रकार हिंदू धर्म एक मजबूत धर्म के रूप में विकसित हुआ, जो प्रेम और करुणा का उपदेश देता है और समावेशी है। लेकिन इसकी एक कमजोरी यह भी है कि समाज को नीची और ऊंची जातियों में बांट दिया गया है। इस आधार पर लगभग एक चौथाई आबादी को दबाया गया और बुनियादी मानवाधिकारों से भी वंचित रखा गया। लेकिन इस सारे उत्पीड़न के बावजूद, यह 25प्रतिशत आबादी हिंदू धर्म को ही मानती है, हालांकि उनमें से कुछ ने इस्लाम, ईसाई या बौद्ध जैसे अन्य धर्मों को अपना लिया है। डॉ. अंबेडकर ने भी अपने अंतिम दिनों में बौद्ध धर्म अपनाया था। लेकिन उनके सभी अनुयायी उनके साथ नहीं जुड़े।

सत्ता में बैठी सरकार द्वारा बार-बार अवैज्ञानिक आख्यान गढ़कर और उसे फैलाकर लोगों को मिथकों में उलझाये रखने का एक सूक्ष्म प्रयास किया जा रहा है। यह हिंदुओं की मानसिकता को मध्ययुगीन काल में धकेल देगा।

> **हिंदुओं की विचारधारा और प्रथाओं में बहुत विविधता है। उनमें प्रकृति पूजक, मूर्ति पूजक और बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जो किसी भी दैवीय शक्ति में विश्वास नहीं करते हैं। लेकिन ये सभी कभी एक-दूसरे के विरोध में नहीं रहे, बल्कि सद्भाव से रहते थे। उन्होंने दूर-दूर से आने वाले लोगों के विचारों को भी आत्मसात किया और समय-समय पर खुद को समृद्ध किया।**

आपके पत्र

रुपये (?) के चिह्न को लेकर विवाद : भाषा का सम्मान या राजनीति का हथकंडा?

रुपये के चिह्न में हिन्दी प्रभाव-द्रविड़ मुनेत्र कषगम का मानना है कि (?) चिह्न देवनागरी लिपि के 'र' (रुपया) से प्रेरित है, जिससे हिन्दी को प्राथमिकता मिलती है, जबकि भारत की अन्य भाषाओं की उपेक्षा होती है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम और तमिलनाडु के कुछ अन्य संगठनों का तर्क है कि रुपये का चिह्न देवनागरी लिपि के 'र' से प्रेरित है, जिससे हिन्दी को प्राथमिकता मिलती है और अन्य भारतीय भाषाओं, विशेष रूप से द्रविड़ भाषाओं (तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम) को उपेक्षित किया गया है। उनका मानना है कि मुद्रा का चिह्न ऐसा होना चाहिए, जो सभी भारतीय भाषाओं का समान रूप से प्रतिनिधित्व करे। दक्षिण भारतीय राज्यों में हिन्दी थोपने के खिलाफ पहले से ही एक मज़बूत भावना मौजूद है और यह विवाद उसी का विस्तार माना जा सकता है। पार्टी का तर्क है कि भारत की मुद्रा का प्रतीक चिह्न ऐसा होना चाहिए, जो सभी भाषाओं और संस्कृतियों का समान रूप से प्रतिनिधित्व करे। द्रविड़ मुनेत्र कषगम और अन्य तमिल संगठन मानते हैं कि तमिल समेत दक्षिण भारतीय भाषाओं को केंद्रीय स्तर पर वह पहचान नहीं मिलती, जिसकी वे हकदार हैं।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम और तमिलनाडु की अन्य पार्टियां हिन्दी थोपने के विरोध में कई बार आंदोलन कर चुकी हैं। पार्टी लगातार इस बात की वकालत करती रही है कि केंद्र सरकार किसी एक भाषा (विशेषकर हिंदी) को बढ़ावा देने के बजाय सभी भारतीय भाषाओं को समान महत्व दे। द्रविड़ मुनेत्र कषगम की राजनीति तमिल पहचान और केंद्र के 'हिंदी वर्चस्व' के खिलाफ विरोध के इर्द-गिर्द घूमती रही है। यह मुद्दा 1960 के दशक में हिन्दी विरोधी आंदोलनों से शुरू हुआ था और अब तक जारी है। 2010 में जब रुपये '?' चिह्न को अपनाया गया, तब भी यह बहस उठी थी। द्रविड़ मुनेत्र कषगम द्वारा इस मुद्दे को फिर से उछालना एक राजनीतिक रणनीति हो सकती है, ताकि तमिल अस्मिता को लेकर अपनी स्थिति मज़बूत की जा सके और केंद्र सरकार की भाषा नीतियों के खिलाफ जनता को लामबंद किया जा सके।

हालांकि द्रविड़ मुनेत्र कषगम की कुछ आपत्तियां तर्कसंगत हो सकती हैं, लेकिन इसे पूरी तरह से भाषा का मुद्दा मानना भी सही नहीं होगा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम केंद्र की नीतियों के खिलाफ अपनी स्थिति मज़बूत करने और क्षेत्रीय राजनीति को धार देने के लिए ऐसे मुद्दों को उभारती है। यह विवाद तमिलनाडु की राजनीति में द्रविड़ मुनेत्र कषगम की पकड़ बनाए रखने और भाजपा के 'हिंदी-हिंदू' एजेंडे का विरोध करने का एक तरीक़ा भी हो सकता है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम का यह विरोध मुख्य रूप से उसकी तमिल पहचान की राजनीति का हिस्सा है। पार्टी तमिलनाडु में क्षेत्रीय अस्मिता को मज़बूत करने और केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना करने के लिए ऐसे मुद्दों को उठाती रहती है। रुपए का '?' चिह्न किसी एक भाषा का प्रतीक नहीं है, बल्कि इसे भारतीय संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। पहले से ही यह चिह्न पूरे देश में स्वीकार किया जा चुका है, इसलिए अब इसे बदलने की कोई व्यावहारिक ज़रूरत नहीं है। इस मुद्दे को उछालना एक सुनियोजित राजनीतिक रणनीति ज़्यादा लगती है, बजाय किसी वास्तविक समस्या के। अगर हम विशुद्ध रूप से डिज़ाइन के दृष्टिकोण से देखें तो '?' चिह्न वास्तव में देवनागरी के 'र' और रोमन 'आरओ' का मिश्रण है। यह अंग्रेज़ी और भारतीय पहचान दोनों को जोड़ने का प्रयास है। यह कहना सही नहीं होगा कि इसे सिर्फ़ हिन्दी के लिए बनाया गया है। कई भारतीय भाषाओं में 'रुपया' शब्द मौजूद है और ? का डिज़ाइन उन सभी से मेल खाता है।

-सत्यवान सौरभ

ललित सुरजन की कलम से

आडंबर के विरुद्ध

'मुझे वह समय याद आता है जब देश में अतिथि नियंत्रण आदेश लागू था। कुछ प्रांतों में तो विवाह हो या अन्य कोई समारोह, पच्चीस से अधिक मेहमान बुलाने की अनुमति नहीं थी। पश्चिम बंगाल में वैवाहिक निमंत्रण में लिखा होता था- अपना राशन खुद लेकर आइए। इसका अर्थ था कि अगर अतिथि संख्या सीमा से अधिक हो गई और कहीं छापा पड़ जाए तो बताया जा सके- सब अपना-अपना राशन खुद लेकर आए हैं, मेजबान ने कानून नहीं तोड़ा है। ये वे दिन थे जब देश में अन्न की कमी थी। पैंसठ-छयासठ में दो साल लगातार अकाल झेलना पड़ा था; बहुत सम्पन्न लोगों को छोड़कर बाकी को गेहूं, चावल, तेल, शक्कर के लिए राशन दुकान के आगे लाइन लगानी पड़ती थी; शादी हो या बरसी, सामाजिक परंपराओं के निर्वाह के लिए लोग कालाबाजार से प्रबंध करते थे। वे दिन हम बहुत पीछे छोड़ आए हैं, लेकिन यह भी सोचने की बात है कि आज जो देख रहे हैं वह कितना शोभाजनक है।'

(अक्षर पर्व अप्रैल 2017 अंक की प्रस्तावना)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2017/04/blog-post_10.html

विश्व गौरैया दिवस

गौरैया संरक्षण को बनाना होगा संकल्प

गौरैया चिड़िया एक ऐसी नन्हीं पक्षी है जो हर किसी के दिल में राज करती है। प्रतिवर्ष 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस मनाने के पीछे मुख्य कारण यही है कि हम इतिहास के पन्नों में सिमटती जा रही गौरैया को किसी प्रकार बचा सकें। साथ ही उन्हें प्रजनन के लिए प्राकृतिक वातावरण भी सुलभ करा सकें। वास्तव में होता यह है कि हम वर्ष में एक बार गौरैया चिड़िया के लिए चिंतित नजर आते हैं! दिवस का आयोजन कर बड़ी-बड़ी संस्थाएं एवं पर्यावरण प्रेमियों के साथ पक्षी प्रेमी अपना अपार प्रेम उड़ेलने से पीछे नहीं रहते। इनके संरक्षण के लिए जो प्रयास शासन स्तर से लेकर एक-एक व्यक्ति द्वारा किया जाना चाहिए वह जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं पड़ रहा है। विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष गौरैया संरक्षण के लिए थीम भी तैयार की जाती है। पिछले वर्ष 2024 में इसकी थीम – मुझे गौरैया पसंद है' और 'हमें गौरैया पसंद है' रखी गई थी। विडंबना इस बात की है कि हमने गौरैया की पसंदगी को अपनी आत्मा से जोड़ने की जरूरत ही नहीं समझी। घरों में घोंसलों को देखकर हम साफ – सफाई का बहाना बनाकर उसे उजाड़ने से बाज नहीं आ रहे हैं। अब इस वर्ष 2025 में विश्व गौरैया दिवस की थीम –'होप फॉर स्पैरो' अर्थात 'गौरैया के लिए आशा' रखी गई है। देखना होगा कि हमारी आशा हमारे संकल्प में किस रूप में स्थान ले सकती है।

गौरैया की बात करूं तो यह अत्यंत ही छोटी और विनम्र पक्षी है। यह हमें सिवाय नयन सुख के किसी प्रहार का नुकसान पहुंचाने की स्थिति में नहीं होती है। सदियों से गौरैया हमारे प्राकृतिक और सांस्कृतिक परिदृश्य का अहम हिस्सा रही है। जहां तक मैं बात करूं लगभग डेढ़ दशक पूर्व की, गौरैया चिड़िया हमारे घरों के आसपास अपने पूरे कुनबे के साथ नजर आया करती थी। हम उन्हें अपनी नजरों के सामने ज्यादा देर तक रोक पाने के प्रयास में चावल या अन्य खाद्य पदार्थ डालकर उनकी चीं..चीं की कर्णप्रिय ध्वनि का आनंद लिया करते थे। अब उसी गौरैया की एक झलक पाने के लिए हमें ग्रामीण क्षेत्रों के प्राकृतिक वातावरण की ओर जाना पड़ता है! बढ़ता प्रदूषण, शहरीकरण, ग्लोबल वार्मिंग के साथ ही लुप्त हो रहे पारिस्थितिकी संसाधन गौरैया की संख्या में कमी के लिए जिम्मेदार ठहराए जा सकते हैं। इन्हीं सारी विपरीत परिस्थितियों के चलते 2010 में 'नेचर फॉर एवर सोसाइटी ऑफ इंडिया तथा फ्रांस के इको एस आई एस एक्शन फाउंडेशन च्चने गौरैया दिवस मनाने का विचार रखा। आज हम 16वें विश्व गौरैया दिवस के आयोजन के लिए तैयार खड़े हैं। हमें चिंतन करना होगा कि हमने 2010 से लेकर 2025 तक ऐसे कौन से प्रयास किए, जिससे यह कह सकें कि 'गौरैया के लिए आशा' थीम को हम सार्थक कर दिखाएंगे।

पक्षी विज्ञानी एवं वन्य प्राणी विशेषज्ञों का मानना है कि पक्के मकानों का बढ़ता चलन, लुप्त होते बाग-बगीचे, खेतों में कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग तथा भोजन स्त्रोतों की उपलब्धता में कमी ही वे मुख्य कारण हैं जिनके चलते हम गौरैया को खोते जा रहे है। खेतों में कीटों को खाकर अपना पेट भरने वाली नन्हीं पक्षी को अब कीटनाशकों के छिड़काव के कारण भोजन नहीं मिल पा रहा है। एक समय ऐसा था जब उड़ने वाले पक्षियों में सबसे अधिक जनसंख्या गौरैया की ही थी। अब वही प्रजाति तेजी के साथ घटते क्रम में देखी जा रही है। मानवीय जीवनशैली तथा इमारतों के आधुनिक रूप में आए परिवर्तन ने पक्षियों के आवासों तथा खाद्य स्त्रोतों को बर्बाद कर दिया है। मुझे आज महादेवी वर्मा जी की कहानी 'गौरैया' आकर्षित कर रही है। महादेवी वर्मा जी ने बड़े ही रोचक अंदाज में वर्णन किया है कि नन्हीं गौरैया उनके हाथों से दाना चुगती है। उनके कंधों पर यहा-वहां फुदकती है। इतना ही नहीं उनके साथ लुका-छिपी भी खेलती है। महादेवी वर्मा जी का गौरैया प्रेम अपने आप में अनोखा है।

-सूर्यकान्त मिश्रा

खेल जगत

इंग्लैंड : घरेलू क्रिकेट के दिग्गज जोश कोब ने लिया संन्यास

नई दिल्ली। क्रिकेट जगत में इंग्लैंड के क्रिकेटर जोश कोब एक जाना-माना नाम है, जिन्होंने 17 साल तक घरेलू क्रिकेट में अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीता। अब उन्होंने अपने पेशेवर क्रिकेट करियर को अलविदा कह दिया है। जोश कोब ने न केवल घरेलू क्रिकेट में अपनी छाप छोड़ी, बल्कि युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कोब ने 448 प्रोफेशनल मैच खेले हैं और अपने करियर की शुरुआत महज 17 साल की उम्र में की थी। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में स्पिन गेंदबाजी करते हुए 133 विकेट भी हासिल किए। कोब ने 2008 में 148 रन की शानदार पारी खेलकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा था। जोश कोब ने अपने 17 साल के करियर में 13,000 से अधिक रन बनाए। उन्होंने 448 पेशेवर मैच खेले, जिसकी शुरुआत उन्होंने महज 17 साल की उम्र में की थी।

मेरा लक्ष्य 2025 में बेहतर कप्तान बनना : हार्दिक पांड्या

हम आईपीएल में चार सीजन के अपने खिताबी सूखे को खत्म करने के लिए तैयार : हार्दिक

■ हार्दिक पर एक मैच के प्रतिबंध के चलते सीएसके खिलाफ सूर्य मुंबई के कप्तान

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 19 मार्च (देशबन्धु)। पिछले संस्करण में खासे विवाद के बाद रोहित शर्मा से कप्तानी संभालने वाले ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पर धीमे ओवर के कारण लगे पर एक मैच के प्रतिबंध के चलते भारत के नियमित कप्तान सूर्य कुमार यादव 18 वीं इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) क्रिकेट में पांच बार चैंपियन रही मुंबई इंडियंस की चिर प्रतिद्वंद्वी चेन्नई सुपर किंग्स(सीएसके)एसके के खिलाफ चेन्नई में उसके 23 मार्च को पहले मैच में कप्तानी करेंगे। मुंबई इंडियंस ने अब तक पांच बार-2013, 2015, 2017, 2019, 2020-21 - पांच बार आईपीएल खिताब जीता हैं। भारत और मुंबई इंडियंस के तुरुप के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अभी भी पीठ में आई जकड़न से उबरने में जुटे हैं और उसे कम से कम शुरू के चार पांच मैचों के बाद ही उपलब्ध होंगे। मुंबई इंडियंस 17 वी आईपीएल में हार्दिक पांड्या की कप्तानी में दसवें व आखिरी स्थान पर रही थी। एक दिलचस्प बात है कि 18 वीं आईपीएल में दस फ्रेंचाइजी टीमों में सनराइजर्स हैदराबाद को छोड़ कर नौ-हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस की,अक्षर पटेल दिल्ली कैपिटल्स की, श्रेयस अय्यर पंजाब किंग्स की, ऋषभ पंत लखनऊ सुपर जायंटस की, शुभमन गिल गुजरात टाइटंस की, ऋतुराज गायकवाड़ चेन्नई सुपर किंग्स की, संजू सैमसन राजस्थान रॉयल्स की, रजत पाटीदार आरसीबी की, अजिंक्य रहाणे केकेआर की-की कप्तानी भारतीय क्रिकेटर करेंगे। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम मौजूदा सीजन की इकलौती ऐसी टीम है जिसका कप्तान इकलौते विदेशी कप्तान पैट कमिंस करेंगे।

नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या ने चीफ कोच महेला जयवर्धने के साथ 18 वीं आईपीएल के उदघाटन से पहले संवाददाता सम्मेलन में खुद इस बात की पुष्टि की कि सूर्य कुमार यादव चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चेन्नई में पहले मैच में उनकी मुंबई इंडियंस टीम की कप्तानी करेंगे हार्दिक पांड्या से जब यह पूछा गया कि खुद उन पर एक मैच के प्रतिबंध के चलते कौन मुंबई इंडियंस करेंगे तो कार्यवाहक कप्तान कौन होगा? इस पर पांड्या ने तपाक से सूर्य कुमार यादव। हार्दिक पांड्या अहमदाबाद में 29 मार्च को दूसरे मैच से वापस मुंबई इंडियंस की कप्तानी संभाल लेंगे। हार्दिक पांड्या ने कहा, 'बेशक मेरी प्राथमिकता भारत के लिए खेलना है। हमारी भारतीय टीम का बीते दो बरस में दो आईसी ट्रॉफी -2024 में वेस्टइंडीज में आईसीसी टीम 20 विश्व कप और हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी-जीतना हमारी पूरी भारतीय क्रिकेट टीम के दिल के बेहद करीब है। हम सभी की इन्हीं जीत से मिली खुशी आईपीएल में जारी रहेगी। हमारी मुंबई इंडियंस की टीम

सूर्यकुमार पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे: हार्दिक

मुंबई, 19 मार्च (आईएएनएस)। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2025 के अपने पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे, नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या ने इसकी पुष्टि की है। पांड्या मुंबई इंडियंस के सीजन के पहले मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे, क्योंकि उन पर एक मैच का प्रतिबंध लगा हुआ है। टीम ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ आईपीएल 2024 के अंतिम लीग मैच में धीमा ओवर-रेट दर्ज किया था, जो सीजन का उनका तीसरा अपराध भी था। सूर्यकुमार ने 2023 में एक आईपीएल मैच में मुंबई की कप्तानी की थी। पांड्या ने प्री-सीजन प्रेस कॉन्फ्रेंस, जिसमें वे बुधवार को मुख्य कोच माहेला जयवर्धने के साथ शामिल हुए थे, में कह कि सूर्यकुमार यादव भारत की भी कप्तानी करते हैं। वे आईपीएल 2025 के पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे। मैं भाग्यशाली हूं कि मेरे साथ तीन कप्तान खेल रहे हैं - रोहित, सूर्य और बुमराह।

गोलरक्षक सविता का फोकस अब अगले साल होने वाले महिला हॉकी विश्व कप पर

नई दिल्ली, 19 मार्च (देशबन्धु)। । भारत की गोलरक्षक सविता को बीते शनिवार को सातवें 2024 के सालाना हॉकी इंडिया अवॉर्ड में बलबीर सिंह सीनियर प्लेयर ऑफ द' ईयर 2024 से नवाजे जाने पर 25 लाख रुपये और हॉकी इंडिया बलजीत सिंह अवॉर्ड फार गोलकीपर ऑफ द' ईयर से नवाजे जाने के साथ पांच लाख रुपये का इनाम दिया। सविता खुद इन अवॉर्डर्स को लेने के लिए यहां मौजूद नहीं थी और उन्होंने इस अवॉर्ड समारोह को अपने पति और अपने ससुराल वालों के साथ टोरंटो, कनाडा से सीधे देखा और ये अवॉर्ड अपने ससुराल वालों को उनके द्वारा किए उत्साहवर्धन के लिए समर्पित किए।

■ हम आगे आने वाले समय में और बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं

■ खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपने पति और उनके परिवार का समर्थन मिला

सविता का फोकस अब एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग के अगले दौर और अगले साल होने वाले महिला हॉकी विश्व कप पर है। सविता ने कहा, 'जब देश हमारे हॉकी खेलने के योगदान का सम्मान करता है और उसका इनाम देता है तो फिर हमारी भी जिम्मेदारी बनती है कि हम देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दें। इन अवॉर्ड के साथ हम पर जिम्मेदारी भी आती है। हमारी हाल ही में भुवनेश्वर में एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग में नीदरलैंड पर शूटआउट में जीत एक बड़ी जीत थी और मैं इसे बीते बरस का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन मानती हूं। उम्मीद है कि हम आगे आने वाले समय में इससे भी और बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। सविता ने कहा, ' मेरे पति और उनके परिवार ने हॉकी खेलने पर मेरा बहुत साथ निभाया। बहुतेरे खिलाड़ी शादी हो जाने के बाद खेलने के लिए बहुत दबाव महसूस करते हैं और खेलना तक छोड़ देते हैं लेकिन संयोग से मेरे साथ ऐसा नहीं है। मेरे पति और उनके परिवार वालों ने मुझे भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए मेरा हौसला बढ़ाया। मैं समझती हूं कि मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे अपने पति और उनके परिवार का समर्थन मिला।' सविता ने इन हॉकी इंडिया अवार्ड की अहमियत की बाबत कहा, 'हमें हॉकी खेलने के अपने शुरुआती दिनों में यह भरोसा नहीं था कि हमें हॉकी इंडिया अवार्ड के रूप में इतनी बड़ी राशि मिल सकती है। बेशक यह हमारी हॉकी की उपलब्धियों का सम्मान है लेकिन यह हमें अपने परिवार और करीबियों के लिए कुछ करने की ताकत देता है। मुझे नहीं लगता कि भारत में ऐसे बहुत ज्यादा खेल है जहां महिला खिलाड़ियों को इस तरह का मौका मिलता है।' सविता के लिए हॉकी में बीता बरस बहुत अहम रहा और इनमें उन्होंने पहली हॉकी इंडिया महिला लीग में उप विजेता रही सूरमा हॉकी क्लब की कप्तानी की । सविता ने कहा, 'हॉकी इंडिया महिला हॉकी इंडिया लीग को आयोजित करने का अपना वादा पूरा किया और हम सभी हॉकी खिलाड़ी इसके लिए उसके आभारी हैं। हमने हॉकी इडिया लीग का पूरा आनंद उठाया और इससे हम सभी हॉकी खिलाड़ियों को अपना खुद का कौशल बेहतर करने में भी मदद मिली।

हॉकी इंडिया ने महिला हॉकी इंडिया लीग को आयोजित करने का अपना वादा पूरा किया और हम सभी हॉकी खिलाड़ी इसके लिए उसके आभारी हैं : सविता

रजत पाटीदार विराट के कप्तानी कौशल पर बहुत अधिक निर्भर होंगे : रॉबिन उथप्पा

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। भारत के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा का मानना है कि रजत पाटीदार विराट कोहली के नेतृत्व कौशल पर निर्भर होंगे और आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का नेतृत्व करते हुए उन्हें बल्लेबाजी के दिग्गज कोहली के सुपरस्टारडम से मुकाबला करना होगा।

यह पाटीदार का पहली बार आईपीएल टीम का नेतृत्व करने का मौका होगा, और उनका पिछला नेतृत्व अनुभव मध्य प्रदेश को 2024/25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में ले जाना रहा है। पाटीदार के अलावा, अक्षर पटेल भी सुर्खियों में रहेंगे क्योंकि वह आईपीएल में पहली बार पूर्णकालिक क्षमता में दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व करेंगे। मुझे लगता है कि अक्षर पटेल और रजत पाटीदार के बीच अक्षर थोड़ा बेहतर स्थिति में होंगे, ईमानदारी से कहूं तो, क्योंकि नई टीम के साथ भी, अभी भी कई जाने-पहचाने चेहरे हैं। रजत के साथ भी यही स्थिति है, लेकिन रजत को विराट कोहली के सुपरस्टारडम से जूझना होगा, जो उस टीम में मौजूद है। मुझे लगता है कि वह विराट कोहली के कप्तानी कौशल पर बहुत निर्भर होंगे। लेकिन मुझे लगता है कि रजत आरसीबी को आगे ले जाने में सक्षम होने के लिए एक अद्वितीय स्थिति में हैं। मैं आरसीबी, केकेआर (जिनके पास अजिंक्य रहाणे हैं) और दिल्ली जैसी टीमों के लिए वास्तव में उत्साहित हूं, क्योंकि उनके पास नए कप्तान हैं और यह इन नए कप्तानों के लिए प्रत्येक टीम की विरासत को आगे ले जाने का एक नया अवसर प्रस्तुत करता है।

■ यह पाटीदार का पहली बार आईपीएल टीम का नेतृत्व करने का मौका होगा

टी-20 मैच में 300 का स्कोर हासिल करना संभव: गिल

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2025 सीजन की शुरुआत से पहले, गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि खेल की गति उस बिंदु पर पहुंच गई है जहां बल्लेबाजी करने वाली टीम के लिए मैच में 300 का स्कोर हासिल करना संभव है। आईपीएल 2024 एक ऐसा सीजन था जहां बल्लेबाजी के रिकॉर्ड नई ऊंचाइयों को छू गए, जैसे कि पंजाब किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 262 रनों का पीछा किया या सनराइजर्स हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर 287/3 बनाया, साथ ही दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ प्रतियोगिता में अब तक का सबसे बड़ा पावर-प्ले स्कोर 125/0 बनाया। गिल ने कहा कि खेल की गति इस बिंदु पर पहुंच गई है कि ऐसा लगता है कि हम एक मैच में 300 रन बना सकते हैं। पिछले साल, हम कुछ मौकों पर बहुत करीब पहुंच गए थे। इम्पैक्ट प्लेयर नियम रोमांच बढ़ाता है और आईपीएल को और भी मनोरंजक बनाता है। आईपीएल के सबसे अच्छे पहलुओं में से एक यह है कि हर दिन, एक नया खिलाड़ी स्टार के रूप में उभरता है। आप लगातार कम आंके गए प्रतिभाओं को असाधारण प्रदर्शन करते हुए देखते हैं। टूर्नामेंट की संरचना, लगातार मैचों और यात्रा के साथ, खिलाड़ियों को व्यस्त रखती है। यदि आप जीत रहे हैं, तो गति आपको लगातार तीन, चार या पांच जीत के साथ आगे ले जाती है। हालांकि, चोटें चीजों को मुश्किल बना सकती हैं। गिल ने जियोहॉटस्टार से कहा कि जब एक या दो प्रमुख खिलाड़ी घायल हो जाते हैं, तो उपयुक्त प्रतिस्थापन ढूंढना एक चुनौती बन जाता है। इन बाधाओं के बावजूद, आईपीएल सबसे रोमांचक क्रिकेट आयोजन बना हुआ है, और हर सीजन खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए कुछ नया लेकर आता है। भारत की 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जीत में उप-कप्तान रहे गिल ने आईपीएल देखने की अपनी शुरुआती यादों और मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले सचिन तेंदुलकर के प्रति अपनी प्रशंसा और उनसे मिलने को याद किया।

आईपीएल के सबसे अच्छे पहलुओं में से एक यह है कि हर दिन, एक नया खिलाड़ी स्टार के रूप में उभरता है

शुरुआती मैचों में बुमराह का ना होना टीम के लिए चुनौती : जयवर्धने

■ जसप्रीत फिलहाल एनसीए बेंगलुरु में हैं और चोट से उबर रहे हैं : महेला जयवर्धने

मुंबई, 19 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस (एमआई) के प्रमुख कोच महेला जयवर्धने का मानना है कि आईपीएल 2025 के शुरुआती चरण में जसप्रीत बुमराह का उपलब्ध ना होना टीम के लिए एक चुनौती है और उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम से जुड़ जाएंगे। जयवर्धने ने कहा कि जसप्रीत फिलहाल एनसीए बेंगलुरु में हैं और चोट से उबर रहे हैं। अब हमें उनके फीडबैक का इंतजार करना होगा। फिलहाल सब कुछ अच्छा चल रहा है और वह अच्छी भावना में हैं। उनका ना होना एक चुनौती हैं। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और हमारे लिए पिछले कई सालों से शानदार प्रदर्शन किया है। हालांकि यह किसी और के लिए एक मौका भी है, हम इसे ऐसे ही देख रहे हैं। बुमराह फिलहाल पीठ की चोट से उबर रहे हैं और जनवरी से ऐक्शन से बाहर हैं। उन्हें यह चोट ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आखिरी टेस्ट के दौरान लगी थी। इसके कारण वह चैंपियंस ट्रॉफी का हिस्सा भी नहीं बन पाए थे। चैंपियंस ट्रॉफी टीम की घोषणा करते हुए तब भारतीय टीम के प्रमुख चयनकर्ता अजीत आगरकर ने कहा था कि बुमराह को कम से कम पांच सप्ताह का समय लग सकता है।

आयुष शेट्टी, शंकर मुथुस्वामी स्विस ओपन के मुख्य ड्रॉ में पहुंचे

बासेल, 19 मार्च (एजेंसियां)। भारत के आयुष शेट्टी और एस शंकर मुथुस्वामी सुब्रमण्यम ने मंगलवार को क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में अपनी जगह पक्की कर ली। शेट्टी ने इंग्लैंड के चोलन कायन को 42 मिनट में 21-12, 21-15 से हराकर मुख्य दौर में प्रवेश किया। 19 वर्षीय शेट्टी बुधवार को अपने पहले मैच में जापान के केंटा निशिमोटो से भिड़ेंगे। दूसरी ओर, मुथुस्वामी ने दो राउंड में संघर्ष किया, पहले उन्होंने चीन के यूहैंग वांग को 21-13, 21-4 से मात्र 23 मिनट में हराया, फिर अंतिम क्वालीफाइंग दौर में हमवतन थारुन मन्नेपल्ली को 21-7, 21-10 से हराया। वह अपने पहले दौर के मैच में डेनमार्क के मैग्नस जोहानसन से भिड़ेंगे। पुरुष एकल मुख्य ड्रॉ में छह भारतीय खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें चार सीधे प्रवेश वाले खिलाड़ी शामिल हैं।

सुकांत शानदार प्रदर्शन के बाद बने वर्ल्ड नंबर 2

स्पेनिश पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल

कुआलालंपुर, 19 मार्च (एजेंसियां)। भारत के स्टार पैरा शटलर सुकांत कदम हाल ही में संपन्न स्पेनिश पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2025 में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन विश्व रैंकिंग में एसएल4 श्रेणी में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। सुकांत अब 53,650 अंकों के साथ इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान (56,680 अंक) से पीछे हैं, जबकि फ्रांस के लुकास माजुर 48,400 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। रैंकिंग में हालिया उछाल स्पेन में ग्रेड 2 के दो और ग्रेड 1 के एक टूर्नामेंट में मजबूत प्रदर्शन के बाद आया है। सुकांत ने ग्रेड 2 इवेंट के दौरान एसएल4 श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 21-13, 21-10 के स्कोरलाइन के साथ फाइनल में साथी भारतीय तरुण को हराया। उन्होंने जीत के बाद कहा था, यहां हर मैच एक सीखने वाला अनुभव था, और मुझे खुशी है कि मैं लगातार अच्छा प्रदर्शन कर सका। यह जीत मुझे बाकी सीजन के लिए बहुत प्रेरणा देगी। ग्रेड 1 टूर्नामेंट में उन्होंने अच्छा खेल दिखाया, लेकिन कड़े मुकाबले में हमवतन नवीन शिवकुंअर से 14-21, 21-14, 14-21 से हारकर शीर्ष स्थान से चूक गए। अपनी उपलब्धि पर बात करते हुए, सुकांत ने कहा कि यह 2025 के लिए एक शानदार शुरुआत है, और मैं जिस तरह से खेल रहा हूं, उससे खुश हूं। दुनिया में दूसरे स्थान पर पहुंचना एक गौरवपूर्ण क्षण है, लेकिन अब मेरा ध्यान इस मोमेंटम को बनाए रखने पर है। अगले साल एशियाई पैरा गेम्स और विश्व चैंपियनशिप सहित प्रमुख हैं और मेरा लक्ष्य निरंतरता बनाए रखना और सुधार करना है। सुकांत का उदय न केवल व्यक्तिगत उत्कृष्टता को दर्शाता है, बल्कि वैश्विक मंच पर पैरा बैडमिंटन में भारत के बढ़ते प्रभुत्व को भी दर्शाता है। आगे व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर के साथ, सभी की निगाहें उन पर होंगी।

■ मैं 2025 की शुरुआत स्वर्ण पदक के साथ करके खुश हूं

गुजरात : आईपीएल 2025 के लिए ऑफलाइन टिकटों की बिक्री शुरू

■ हर आईपीएल सीजन नया उत्साह लेकर आता है और इस साल भी ऐसा ही है : कर्नल अरविंदर सिंह

अहमदाबाद, 19 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात टाइटन्स आईपीएल 2025 के रोमांचक सीजन के लिए तैयार है, जिसमें कप्तान शुभमन गिल लीड करेंगे। अहमदाबाद में प्री-सीजन प्रेस कॉन्फ्रेंस में चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर कर्नल अरविंदर सिंह, क्रिकेट डायरेक्टर विक्रम सोलंकी, हेड कोच आशीष नेहरा, असिस्टेंट कोच पार्थिव पटेल और कैप्टन शुभमन गिल ने आगामी अभियान के लिए टीम की तैयारियों, रणनीतियों और विजन पर जानकारी साझा की। टाइटन्स अपने सीजन की शुरुआत 25 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ करेंगे। एक मजबूत टीम और सावधानीपूर्वक योजना के साथ, फ्रेंचाइजी पूरे सीजन में ऑन-फील्ड सफलता और प्रशंसकों को बेजोड़ अनुभव देने पर केंद्रित है। गुजरात टाइटन्स के सीओओ कर्नल अरविंदर सिंह ने कह कि हर आईपीएल सीजन नया उत्साह लेकर आता है और इस साल भी ऐसा ही है। एक फ्रेंचाइजी के तौर पर हमारा ध्यान सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है- हम स्टेडियम के अंदर प्रशंसकों को बेहतरीन अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आकर्षक गतिविधियों से लेकर टिकट की निर्बाध उपलब्धता तक, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि टाइटन्स के प्रशंसक इस सीजन में कुछ खास का हिस्सा बनें। गुजरात टाइटन्स के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा कि हम इस सीजन की टीम को लेकर उत्साहित हैं।

ऑफलाइन टिकट बिक्री शुरू

डिस्ट्रिक्ट बाय जोमैटो के आधिकारिक टिकटिंग पार्टनर के रूप में, प्रशंसक जीटी एप और डिस्ट्रिक्ट एप के माध्यम से ऑनलाइन टिकट खरीद सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ऑफलाइन टिकट अहमदाबाद, गांधीनगर, राजकोट, सूरत और वडोदरा में कई स्थानों पर उपलब्ध हैं।

अहमदाबाद

- नरेंद्र मोदी स्टेडियम बॉक्स ऑफिस (गेट 1) - 15 मार्च से खुला (सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक)
- अतिरिक्त आउटलेट: नारनपुरा, एसजी हाईवे, नरोदा
- इक्विटास बैंक आउटलेट: प्रह्लादनगर, सी.जी. रोड, बोदकदेव, मणिनगर (सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक)।

गांधीनगर

- पटनागर कैफे (15 मार्च, दोपहर 12 बजे से शाम 7 बजे तक)
- इक्विटास बैंक, धमेड़ा (17 मार्च, सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक)

राजकोट

- हॉट एंड क्रस्टी कैफे (नाना मावा) - 17 मार्च (सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक)

सूरत

- कॉफी किंग (अदाजन गाम) - 17 मार्च (सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक)
- इक्विटास बैंक, कुंभारिया रोड - 17 मार्च (सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक)

वडोदरा

- द डगआउट कैफे (फतेहगंज) - 17 मार्च
- इक्विटास बैंक आउटलेट - मंजलपुर, पादरा (सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक)

अडाणी, पीजीटीआई आमंत्रण गोल्फ चैम्पियनशिप शुरू करेंगे

अहमदाबाद, 19 मार्च (एजेंसियां)। अडाणी समूह भारत में पुरुषों के पेशेवर गोल्फ की आधिकारिक मंजूरी देने वाली संस्था प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के साथ साझेदारी में 'अदाणी आमंत्रण गोल्फ चैंपियनशिप 2025' के शुभारंभ के साथ भारतीय पेशेवर गोल्फ में प्रवेश करने के लिए तैयार है। 1.5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वाला यह पहला टूर्नामेंट ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिसॉर्ट में 1-4 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा, जो पीजीटीआई की 11 साल बाद इस आयोजन स्थल पर वापसी का प्रतीक है। अदाणी समूह की इस पहल का उद्देश्य गोल्फ की पहुंच को बढ़ावा देना और व्यापक बनाना तथा इसे मुख्यधारा के खेल के रूप में स्थापित करना है, साथ ही भारत से वैश्विक चैंपियनों की अगली पीढ़ी को तैयार करना है। यह साझेदारी अहमदाबाद के बेल्वेडियर गोल्फ एंड कंट्री क्लब में अदाणी-पीजीटीआई संयुक्त गोल्फ प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना तक विस्तारित है। यह पहल जमीनी स्तर पर विकास के लिए अदाणी की प्रतिबद्धता के अनुरूप है और भारत की 2036 ओलंपिक बोली का समर्थन करती है। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के निदेशक प्रणव अदाणी ने कहा किइ हमें कपिल देव जी और प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के साथ हाथ मिलाकर भारतीय पेशेवर गोल्फ के विकास में योगदान देने की खुशी है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य गोल्फ में भारतीय वैश्विक चैंपियन तैयार करना है। हम गोल्फ तक पहुंच बढ़ाने, अधिक भागीदारी को बढ़ावा देने और विश्व स्तरीय प्रशिक्षण और खेलने के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सार संक्षेप

ट्रेनिंग के लिए छुट्टी न मिलने से परेशान हिमाचल के एथलीट

नई दिल्ली। ओलंपियन बॉक्सर आशीष चौधरी ने हिमाचल प्रदेश के एथलीटों को ट्रेनिंग के लिए उनके विभाग द्वारा पर्याप्त छुट्टी न दिए जाने का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से हस्तक्षेप की मांग की है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में आशीष ने सुखविंदर सिंह सुक्खू से हस्तक्षेप करने और खिलाड़ियों के लिए बेहतर समर्थन सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि तैयारी के लिए समय की कमी हिमाचल के एथलीटों के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में एक बड़ी बाधा है। आईएएनएस द्वारा संपर्क किए जाने पर आशीष ने कहा कि हां, हिमाचल के एथलीटों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के एक ओलंपियन के रूप मे कि मुझे आपको यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मुझे अपने खेल करियर को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने लिखा है कि खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए वर्षों के समर्पित प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।

जोश और जुनून के साथ सकारात्मक अंदाज में उतरेगी एलएसजी: खान

लखनऊ । भारतीय टीम के पूर्व गेंदबाज और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मेंटर जहीर खान ने कहा कि जोशीले कप्तान रिषभ पंत की अगुवाई में उनकी टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के नये सत्र में जुनून और सकारात्मक खेल भावना के साथ मैदान पर उतरेगी। जहीर ने बुधवार को यहां एक होटल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एलएसजी नये कप्तान के साथ आईपीएल सत्र का आगाज करने जा रही है। रिषभ पंत जोशीले और उत्साही खिलाड़ी हैं जिनके नेतृत्व में एलएसजी निसंदेह सकारात्मक भाव के साथ मैदान पर उतरेगी। रिषभ जोश के साथ सटीक निर्णय लेने के लिये भी जाने जाते हैं। टीम का हर खिलाड़ी जोश और जुनून के साथ मैदान पर अपना 100 प्रतिशत देने को तैयार है और यही भावना टीम को नयी ऊंचाई पर ले जायेगी।

कबड्डी विश्वकप को आईकेएफ ने नहीं किया अधिकृत

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ (आईकेएफ) ने कहा है कि विश्व कबड्डी महासंघ के तत्वावधान में ब्रिटेन में चल रहे कबड्डी विश्वकप 2025 को हमने अधिकृत नहीं किया है। आईकेएफ ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि कबड्डी के लिए प्रत्येक राष्ट्रीय खेल महासंघ (जिसका अपने संबंधित देश के राष्ट्रीय ओलंपिक महासंघ से संबंध या जुड़ाव है), वह आईकेएफ और एकेएफ का सदस्य-संबद्ध है। अपने-अपने देशों में ओलंपिक सिस्टम की औपचारिक मान्यता वाले ये अधिकृत एनएसएफ ब्रिटेन में चल रहे तथाकथित कबड्डी विश्वकप 2025 में भाग नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ, एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) और एशियाई कबड्डी महासंघ (एकेएफ) द्वारा मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय शासी निकाय है।

बल्देवगढ़ जनपद सीईओ को भेजी 40 व्यक्तियों की बीपीएल सूची

गड़बड़ी: कुड़ीला आरआई सर्कल में बनाए 13 व्यक्तियों के बीपीएल कार्ड की सूची पर प्रभारी तहसीलदार ने किए हस्ताक्षर

अवधेश वर्मा,अनुराग राय

टीकमगढ़/ खरगापुर, देशबन्धु । जिले की चर्चित तहसील खरगापुर इन दिनों फर्जीवाड़ा जमकर सुर्खियां भले ही बटोर रही हो, लेकिन इस तहसील में अभी तक रह चुके छः तहसीलदारों के खिलाफ अलग अलग मामलों में एफआईआर दर्ज हो चुकी है। कार्यालय में पदस्थ रहे

तत्कालीन प्रभारी तहसीलदार डॉक्टर अनिल कुमार गुप्ता के कार्यकाल में सरकारी भूमियों के अवैध कब्जाधारियों को नोटिस निकालने बाद दलालों मिलकर अच्छी खासी सुविधा शुल्क ले देकर मामले को रफादफा कर देते थे।

यहां तक कि इनके द्वारा हजारों अपात्र व्यक्तियों के नाम बीपीएल सूची में फर्जी जोड़े गए है। जिसकी जांच टीम गठित कर कराई जाए तो बीपीएल सूची का फर्जीवाड़ा निकलकर सामने उजागर हो जायेगा ।

ऐसा ही मामला सामने आया है, कि खरगापुर तहसील क्षेत्र के राजस्व मंडल खरगापुर, देरी के प्रभारी तहसीलदार मंगलेश्वर सिंह बघेल और कुड़ीला सर्कल में पदस्थ नायब तहसीलदार श्रीपत अहिरवार ने जुलाई 2024 में प्रभार संभाला था। जिसमें कुड़ीला सर्कल के नायब तहसीलदार श्रीपत अहिरवार के पदस्थ होने के वावजूद भी प्रभारी तहसीलदार मंगलेश्वर सिंह बघेल की मनमानी के चलते कुड़ीला सर्कल के आने वाले गांव दोहा चक्र 1, चिंनगुवा,कुडीला,चन्द्रपुरा आदि गांव के 13 व्यक्तियों के नाम बीपीएल कार्ड 40 व्यक्तियों के

सूची पर हस्ताक्षर से 40 व्यक्तियों की सूची 27 सितम्बर 2024 में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बल्देवगढ़ के लिए सूची पत्र के माध्यम प्रेषित की गई। वही इससे पहले भेजी गई अनुविभागीय अधिकारी बल्देवगढ़ में 78 व्यक्तियों के बीपीएल सूची पर फर्जी हस्ताक्षरों की जांच बल्देवगढ़ अनुविभागीय कार्यालय में की जा रही है।

खरगापुर तहसील में फर्जीवाड़े का यह पहला मामला नही है। यहां पर पदस्थ रह चुके अन्य तहसीलदारों द्वारा भी यहां पर अपनी मनमर्जी से काम कर फर्जीवाड़ा किए गए है।

ओलावृष्टि की राशि में हेरफेर

खरगापुर तहसील में फर्जीवाड़े का क्रम यही नही रूका था। यहां पर ओलावृष्टि की राशि में भी जमकर लापरवाहियां की गई थी। वर्ष 2009 में यहां ओलावृष्टि होने पर किसानों को मुआवजा वितरण करने के लिए शासन द्वारा राशि प्रदान की गई थी। खरगापुर तहसील में इस राशि में भी जमकर गोलमाल किया गया था और शासन द्वारा जारी राशि से अधिक के चैक किसानों को वितरित कर दिए गए थे। इस मामले में गबन की शिकायत होने पर जांच के बाद तत्कालीन नायब तहसीलदार रोहित वर्मा सहित अन्य पर धोखाधड़ी और गबन का मामला दर्ज किया गया था।

गौचर जमीन की फर्जी रजिस्ट्री

इसके पूर्व यहां पर पदस्थ तहसीलदार अजय शर्मा ने भी नियमों को ताक पर रखकर शासकीय जमीन को प्रायवेट व्यक्ति के नाम किया था। अजय शर्मा द्वारा शासकीय जमीन खसरा नंबर 946/8 रकवा 3 हेक्टेयर को फर्जी तरीके से रमेश गंगेले के नाम कर दिया गया था। इसकी शिकायत संतोष लाल यादव द्वारा प्रशासन से की गई थी, लेकिन कार्रवाई न होने पर उन्होंने यह मामला न्यायालय में पेश किया था। इस पर टीकमगढ़ की न्यायिक दण्डाधिकारी प्रियंका बुंदेला ने तहसीलदार अजय शर्मा, कम्प्यूटर ऑपरेटर रमेश जाटव एवं रमेश गंगेले के खिलाफ धारा 166,167,467,468,420,471 एवं 34 आईपीसी के तहत परिवाद दर्ज कर लिया था।

नायब तहसीलदार को किया फर्जी बीपीएल कार्ड जारी पर निलंबित

तत्कालीन नायब तहसीलदार रामनाथ अहिरवार ने नियमों को ताक पर रखकर अपने चहेतों के 248 फर्जी बीपीएल कार्ड जारी किए है। यह कार्ड न तो दायरा पंजी में दर्ज है और न ही इनका आरसीएमएस दर्ज नहीं था। तहसीलदार और एसडीएम की जांच में फर्जीवाडा सही पाए जाने के बाद 19 जुलाई 2018 को 248 बीपीएल कार्ड निरस्त कर दिए गए। इसके साथ ही कलेक्टर अभिजीत अग्रवाल ने अनियमितताओं के चलते राजस्व निरीक्षक एवं सशक्त नायब तहसीलदार रामनाथ अहिरवार को निलंबित कर दिया था।

सरकारी जमीन का निजी व्यक्ति के नाम नामांतरण के मामले में

शासकीय जमीन में हेरफेर का एक मामला सामने आया था। यहां पर पदस्थ तहसीलदार लोकेन्द्र श्रीवास्तव ने 5 जून 2015 को फर्जी तरीके से शासकीय जमीन का नामांतरण प्रायवेट व्यक्ति के नाम कर दिया था। इस मामले में भी न्यायालय में परिवाद पेश किया था और न्यायालय ने तहसीलदार लोकेन्द्र श्रीवास्तव, पटवारी नंदलाल अहिरवार सहित अन्य लोगों पर धारा 420,188, 323, 294, एवं 467 के तहत मामला दर्ज कर लिया था।

फर्जी ऋण पुस्तिका से बैंक से केसीसी

खरगापुर तहसील क्षेत्र के पटवारी हल्का सरकनपुर में फर्जी ऋण पुस्तिका के आधार पर बैंक से केसीसी बनवा कर लोन की राशि निकालने के मामले में तत्कालीन नायब तहसीलदार आरएस निरंजन पर निलंबन कार्रवाई गई।

हाईकोर्ट आदेश की अवहेलना पर नायब तहसीलदार निलंबित

माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में दायर याचिका डब्ल्यू पी नंबर14518/2017 में जवाब दावा समय सीमा पर प्रस्तुत न करने पर वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना पर दिनांक 24 5.2024 को तत्कालीन प्रभारी नायब तहसीलदार ओमप्रकाश गुप्ता को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया था।

इनका कहना है

कुड़ीला आरआई सर्कल में 13 व्यक्तियों की बीपीएल सूची पर प्रभारी तहसीलदार के हस्ताक्षरो की जांचकी जा रही है। इस मामले में अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच होगी। जांच उपरांत ही दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भारती मिश्रा,एसडीएम बल्देवगढ़

केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए प्रस्तावित जमीन की हो रही थी रजिस्ट्री

-उप पंजीयक की सूझबूझ से नही हो सकी

जतारा,देशबन्धु। बुधवार को जतारा तहसील कार्यालय के उप पंजीयक रजिस्टार कार्यालय में बराना थर गांव की किसान महिला मीरा देवी लोधी पत्नी धारिका प्रसाद लोधी अपनी जमीन खसरा नंबर 423,448, के रकवा की जमीन मुन्नीबाई लोधी पत्नी छुट्टन लोधी निवासी बराना थर के बीच जमीन की खरीदारी के लिए सौदा तय हुआ था, लेकिन उक्त जमीन पहले से ही जिला प्रशासन के द्वारा केन बेतवा लिंक परियोजना की नहर निकलने को लेकर जिन गांव की जमीनों के खसरा नंबर नहर की सीमा क्षेत्र के लिए चयन किया गया है कि उन गांव के किसानों की जमीन बिक्री के लिए प्रतिबंध की गई है। उसके बाद भी जमीनों की रजिस्ट्री का खेल चल रहा है। रजिस्ट्री लिखी जा रहे हैं, रजिस्ट्री ऑफिस में पेश की जा रही है, लेकिन अधिकारियों के सूझबूझ से आज एक रजिस्ट्री पेश होते ही उक्त रजिस्ट्री को न मंजूर कर दिया गया। इसके बाद केता और विक्रेता के बीच जतारा तहसील प्रांगण के बाहर सड़क पर जमकर हंगामा हुआ। दोनों पक्ष एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाते थे और बाद में तीसरे नंबर के खसरा की जमीन की रजिस्ट्री के लिए भी लिखा पड़ी शुरू हुई तो उक्त विक्रेता महिला राजस्व रिकॉर्ड में उसे मृतक दिखा दिया गया, फिर क्या था और हंगामा खड़ा हो गया। करीब एक घंटे तक एक दूसरे को मनाने का दौर चलता रहा, तब तक सड़क पर लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई। तो वहीं महिला का आरोप है कि उसे उसके भाइयों ने पिता की मौत के बाद दूसरे नंबर की जमीनों में उसे मृतक घोषित दिखा दिया है। महिला मीरा देवी लोधी ने आरोप लगाया है कि और भी नंबरों की जमीन है, उन नंबरों के हिस्से में उसे मृत दर्शा दिया गया है। जिसको लेकर भी अब सवाल खड़े हो गए हैं कि राजस्व विभाग के द्वारा जीवित महिला को कैसे मृतक दिखाया गया। लेकिन सवाल तो यह उठता है कि जिला कलेक्टर के द्वारा विश्व की सबसे बड़ी परियोजना केंन बेतवा लिंक परियोजना निकाली जानी है। नहर के निर्माण कार्य को लेकर बीते दिसंबर माह में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भूमि पूजन भी कर चुके हैं। विभाग के अधिकारी भी फसलों की कटाई होने के बाद निर्माण कार्य प्रारंभ करने के लिए तैयारी करनी है। ऐसे में केन बेतवा लिंक परियोजना के नहर के आसपास जिन किसानों की खेती की जमीन पड़ रही है, उनकी बिक्री के लिए भले ही प्रतिबंधित किया गया है, लेकिन जमीन के खरीददार और विक्रेता अच्छी कीमत पानी के लिए प्रतिबंधित जमीनों की रजिस्ट्री भी की जा रही है। ऐसी न जाने कितनी रजिस्ट्री हो चुकी होगी यह मामला जब सामने आया, तो विभाग की अधिकारियों पर भी सवाल उठने लगे कि जब उक्त जमीन प्रतिबंधित है, तो कैसे उक्त जमीन की रजिस्ट्री की जाने के लिए दस्तावेज तैयार हो गए और रजिस्टर कार्यालय में उक्त दस्तावेजों को पेश कर दिया गया। लेकिन वहां के अधिकारियों की सूझबूझ से उक्त मामला पकड़ में आ गया। जिसके बाद पूरा यह हंगामा खड़ा हो गया। फिलहाल अधिकारी अब ऐसे मामलों पर ध्यान दिए, जाने और जांच कराए जाने की बात कह रहे हैं।

इनका कहना है-

इस संबंध में जतारा उप पंजीयक रजिस्टर कार्यालय के प्रभारी अधिकारी राजकुमार अहिरवार ने बताया कि ?बरान थर गांव खसरा नंबर 423/448 केन बेतवा लिंक परियोजना की प्रस्तावित नहर के क्षेत्र में आ रही है। उक्त जमीन को बिक्री के लिए प्रतिबंधित किया गया है, इसलिए रजिस्ट्री को नहीं किया गया है।

मेरी जानकारी में अभी मामला आया है। अगर संबंधित व्यक्ति आपके परिचय के हो तो उनसे एक आवेदन दिलवा दीजिए। मैं मामले में कार्रवाई करवाती हूं।

-अवंतिका तिवारी
तहसीलदार पलेरा

आपसी समन्वय स्थापित कर परिवार टूटने से बचाया

टीकमगढ़, देशबन्धु। महिला फरियादी श्रीमती दर्शना साहू पति गौरव साहू निवासी जेरोन ने 18 फरवरी को अपने पति, सास ससुर के विरोध में आवेदन दिया गया था। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा पीड़िता का परिवार जोड़ने के उद्देश्य से काउंसलिंग के लिए महिला थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया था। पीड़िता की शिकायत पर महिला थाना से निरी. अनुमेहा गुप्ता द्वारा पीड़िता के ससुराल पक्ष को थाने पर बुलवाकर दोनों पक्षों की काउंसलिंग कर उनकी समस्याओं को सुना जाकर उनके मध्य आपसी मनमुटाव को खत्म कर परिवार जोड़ने की उचित सलाह देकर प्रेम पूर्वक साथ में रहने के लिए प्रेरित करने पर दोनों पक्ष पति-पत्नी प्रेम पूर्वक एक दूसरे के साथ रहने के लिए तैयार हुए दोनों के मध्य आपसी विवाद समाप्त हुआ। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में महिला थाना प्रभारी निरीक्षक अनुमेहा गुप्ता, उप निरी धनवंती सहरिया, महिला प्रधान आरक्षक नूरजहां, महिला प्रधान आरक्षक रामसखी, अवधेश खटीक, अनुज अग्रवाल द्वारा परिवार टूटने से बचाने परिवार को पुनः जोड़ने में मुख्य भूमिका निभाई।

दानपेटी चोरी का किया खुलासा

चोरी के आरोपी को चोरी गए मशरूका सहित किया गिरफ्तार

टीकमगढ़, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिह मंडलोई द्वारा चोरी की घटनाओं के आरोपियों को चोरी गए मशरूका सहित गिरफ्तार करने के लिए निरंतर निर्देशित किया जा रहा है।

बीते 12 मार्च को रात्रि में रामराजा मन्दिर ग्राम रामनगर मे हुई दान पेटी की चोरी पर थाना दिगौडा में धारा 331(4), 305ए बीएनएस का अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध कायम किया जाकर विवेचना मे लिया गया था। उक्त मंदिर में हुई चोरी की घटना को पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई द्वारा गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी करने के लिए थाना प्रभारी दिगौडा उप निरीक्षक नीरज सिंह लोधी के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर ग्राम रामनगर से एक आरोपी आकाश सिंह पिता सुल्तान सिह घोष उम्र 30 साल से हिकमातमली से पूछताछ की गई, जिसने दिनांक समय घटना को मन्दिर की दानपेटी से चोरी करना स्वीकार किया। जिस पर आरोपी आकाश सिह को गिरफ्तार किया गया। जिससे दानपेटी से चोरी मशरूका बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपी आकाश सिह घोष को मान.न्यायालय पेश किया गया है। उक्त सराहनीय कार्य मे थाना प्रभारी दिगौडा उप निरी नीरज कुमार, सउनि कल्यान सिह यादव, भारत सिह मरावी, अभय वर्मा, विजय घोष, अंकित साहू, अरूण सिह, राघबेन्द्र लोधी, नीलू सिह, रजित दांगी, राखी यादव, कल्पना साहू की मुख्य भूमिका रही।

आरक्षक पद पर चयनित स्टूडेंट्स का एसपी ने किया सम्मान

टीकमगढ़, देशबन्धु। पुलिस लाइन् स्थित दिशा स्टूडेंट लर्निंग सेंटर द्वारा मध्यप्रदेश एवं उत्तरप्रदेश पुलिस आरक्षक पद पर 28 छात्र छात्राओं के चयन के उपलक्ष्य में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष लक्ष्मी गिरी ने शामिल होकर सभी को बधाई व शुभकामनाएं दी। साथ ही चयनित छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई, एएसपी सीताराम सत्या, आरआई सूबेदार उत्तम सिंह, रवि सिंह, सांसद प्रतिनिधि अनुराग वर्मा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अभय सिंह यादव, प्रीति लोधी, सहित पुलिस के अधिकारी कर्मचारी गण मौजूद रहे।

बिजली बिल 6 हजार लोगों पर 15 करोड़ बकाया, 50 बाइक, 5 ट्रैक्टर और 10 मोटर जब्त

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले में मप्र विद्युत मंडल ने बिजली बिल बकायादारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। विद्युत मंडल के सहायक अभियंता नवीन कुमार ने बताया कि जिले में कुल 15 करोड़ रुपए का बिजली बिल बकाया है। विद्युत मंडल ने मोहनगढ़, टीकमगढ़, जतारा, पलेरा और टीकमगढ़ शहर सहित पूरे जिले में कुर्की अभियान चलाया। इस दौरान बकायादारों के घर जाकर 50 मोटरसाइकिल, 5 ट्रैक्टर, 5 चक्की और 10 विद्युत मोटर जब्त किए गए। बुधवार को मोहनगढ़ तहसील क्षेत्र में 12 मोटरसाइकिल और दो ट्रैक्टर जब्त किए गए। कुर्की की कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मचा है। किसानों का कहना है कि फसल आने से पहले विभाग ने कुर्की की कार्रवाई शुरू कर दी है। फसल आने पर बिजली बिल जमा कर देते, लेकिन हमारी सुनवाई नहीं की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, बार-बार नोटिस देने के बाद भी जब उपभोक्ताओं ने बिजली बिल जमा नहीं किया, तब विद्युत मंडल को यह कड़ा कदम उठाना पड़ा। कुर्की अभियान में नितिन बाथम, सुभम त्यागी सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे। सहायक अभियंता नवीन कुमार ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे समय पर बिजली बिल जमा करें और कुर्की अभियान से बचें। यह कार्रवाई घरेलू कनेक्शन और कृषि पंप कनेक्शन दोनों के बकायादारों पर की गई है।

कुत्तों के आतंक से कपासी में दहशत, स्कूल जाने से डर रहे बच्चे, हुए घायल इलाज जारी

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले के बमोरी कला थाना अंतर्गत कपासी गांव में कुत्तों के झुंड ने लोगों का जीना दुभर कर दिया। इस गांव में कुत्तों का इतना आतंक है कि लोग अब दिन हो या रात घर से निकलना दुभर हो गया है, क्योंकि कुत्ते कभी भी अटैक कर देते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि 50 से अधिक आवारा कुत्ते हैं, जो जानवरों और इंसानों पर हमला कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार करीबन एक सप्ताह से ग्रामीण परेशान है। उन्होंने बताया कि गांव में करीबन 25 से 30 कुत्ते एक झुंड में निकलते हैं और रास्ते में मिलने वाले लोगों पर बच्चों पर और जानवरों पर हमला करते हैं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं। दो दिन में घायलों की संख्या बड़ी है। इसमें करीबन 12 लोगों को कुत्तों ने घायल किया है जिसमें बच्चे भी शामिल है। घायलों को इलाज के लिए पलेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां बच्चों व लोगों का उपचार किया गया। बुधवार की सुबह से दो बच्चों सहित एक व्यक्ति का इलाज स्वास्थ्य केंद्र में किया गया। उसके बाद 108 की मदद से जिला चिकित्सालय के लिए रेफर किया गया। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि लगातार कुत्तों के आतंक से पूरा गांव परेशान है और बच्चे स्कूल जाने के लिए डर रहे हैं। वहीं लोगों ने खेतों पर जाना भी छोड़ दिया है। अचानक कुत्तों का झुंड हमला कर देता है, जिससे ग्रामीण परेशान है। जानवरों पर भी हमला किया जा रहा है, जिससे जानवर गंभीर रूप से घायल हो रहे है और दहशत का माहौल गांव में बना हुआ है। प्रशासन से ग्रामीणों ने अपील की है कि इन पागल कुत्तों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए, ताकि कोई अप्रिय घटित ना हो उन्होंने बताया कि लोग बाहर निकलने में भी डर रहे है।

गांव के रहने वाले कालीचरण ने बताया कि गांव में कुत्तों का झुंड अचानक हमला कर देता है, जिससे लोग संभल भी नहीं पाते हैं, उनका दावा है कि यह सभी कुत्ते पागल हो गए हैं और उनके काटने से जानवर भी गांव में पागल हो रहे हैं। रेबीज जानवरों में फैल रहा है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कई बार प्रशासन को अवगत भी कराया गया, लेकिन प्रशासन द्वारा कोई अभी तक कार्रवाई नहीं की गई है। बम्होरी कलां की थाना प्रभारी रश्मि जैन का कहना कि अभी इस बात की जानकारी पुलिस के पास नहीं आई है। उन्होंने बताया कि यह गांव बम्होरी पुलिस थाना के अंतर्गत आने वाले वाली कनेरा चौकी के अंतर्गत आता है और मैं चौकी प्रभारी से बात करती हूं।

स्वच्छता सर्वेक्षण टीम का टीकमगढ़ दौरा जारी

चार सदस्यीय टीम ने 27 वार्डों का किया निरीक्षण, लोगों से ले रही फीडबैक

टीकमगढ़, देशबन्धु। केंद्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण टीम का दौरा जारी है। चार सदस्यीय टीम शहर के 27 वार्डों का बारीकी से निरीक्षण कर रही है। टीम नगर पालिका की सेवाओं पर वार्डवासियों से फीडबैक भी एकत्रित कर रही है। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नगर पालिका की ओर से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार को अस्पताल चौराहे से कलेक्टोरेट तक विशेष सफाई अभियान संचालित किया गया। सिविल लाइन रोड पर वॉल पेंटिंग के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया जा रहा है और डिवाइडर पर रंग-रोगन का कार्य भी किया जा रहा है।नगर पालिका के सीएमओ ओम पाल सिंह स्वयं वार्डों में जाकर सफाई व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि घरेलू कचरे को डस्टबिन में डालें और केवल कचरा गाड़ी में ही कचरा दें। सड़कों पर कचरा फेंकने से बचें और शहर की स्वच्छता बनाए रखने में योगदान दें। नगर पालिका बीते एक महीने से पेयजल आपूर्ति, सड़कों और नालियों की सफाई, घर-घर से कचरा संग्रहण और पार्कों के रखरखाव पर विशेष ध्यान दे रही है। केंद्रीय टीम अगले 3-4 दिन तक शहर में निरीक्षण करेगी और उसके बाद अपनी रिपोर्ट भारत सरकार को सौंपेगी। अधिकारियों को उम्मीद है कि इन प्रयासों से टीकमगढ़ की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार होगा।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

चलती गाड़ी में लगी आग, कपड़ा व्यापारी बाल-बाल बचा

सारणी, देशबन्धु। शॉपिंग सेंटर में आज एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। एक फुटकर कपड़े व्यापारी गुलाब पाटिल निवासी वार्ड क्रमांक 1 सुपर एफ कॉलोनी की मारुति वैन में अचानक आग लग गई। इस घटना में गाड़ी में रखा सारा कपड़ा जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार, व्यापारी गुलाब पाटिल अपनी मारुति वैन से कपड़े लेकर अपनी दुकान पर जा रहे थे, तभी अचानक उनकी गाड़ी में आग लग गई। एक राहगीर ने गाड़ी के नीचे से आग की लपटें उठती देखीं, जिसके बाद उसने तुरंत व्यापारी को सूचना दी। व्यापारी ने तुरंत गाड़ी रोकी और उसमें से बाहर निकल आए। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाने का प्रयास किया, जिसके बाद आग पर काबू पाया गया। इस अग्निकांड में व्यापारी गुलाब पाटिल को आर्थिक नुकसान हुआ है। गाड़ी में रखा सारा कपड़ा जलकर खाक हो गया, जिससे उनकी रोजी-रोटी पर संकट आ गया है।

बैतूल प्रशासन का विस्फोटक प्रदर्शन, 181 रनों से ऐतिहासिक जीत

बैतूल, देशबन्धु। लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम, कोठी बाजार में चल रहे अखिल भारतीय लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट राजीव कप में 19 मार्च को बैतूल प्रशासन ने टूर्नामेंट में अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए दतिया को 181 रनों के विशाल अंतर से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बैतूल प्रशासन की टीम ने 255 रन बनाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन रुद्र सिंह ने बनाए, जिन्होंने मात्र 46 गेंदों में 92 रनों की धुआंधार पारी खेली। उनके अलावा केडी ने 47 रन और माही ने 31 रनों का योगदान दिया। दतिया के लिए गेंदबाजी में अमन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट चटकाए, लेकिन बैतूल प्रशासन के बल्लेबाजों को रोकने में नाकाम रहे। 255 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दतिया की टीम बैतूल प्रशासन की घातक गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पाई और मात्र 74 रन पर ऑल आउट हो गई। केडी और शिवम कुमार ने घातक गेंदबाजी करते हुए 3-3 विकेट लिए, वहीं वंश बुमराह ने 2 विकेट चटकाए। केडी को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। पुरस्कार वितरण के दौरान कॉमेंट्री कर रहे मुलताई के सागर और विजय ने उनकी तारीफ की। इस मुकाबले की ऑनलाइन स्कोरिंग हर्षित पंडाग्रे और ऑफलाइन स्कोरिंग कृष्णा नाईक ने की। टूर्नामेंट में अगले मुकाबले में समृद्धि क्रिकेट क्लब लखनऊ और गोरखपुर की टीमें आमने-सामने होंगी।

बैतूल में 23 मार्च को होगा व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन

- संस्कार और व्यक्तित्व विकास के लिए जुटेंगे बौद्ध अनुयायी
- आदिवासी मंगल भवन में होगा आयोजन

बैतूल, देशबन्धु। भारतीय बौद्ध महासभा द्वारा आगामी 23 मार्च रविवार को एकदिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर आदिवासी मंगल भवन में प्रात: 9 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा, जिसमें बड़ी संख्या में बौद्ध अनुयायी शामिल होंगे। यह शिविर दि बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय संरक्षक महाउपासिका मीरा ताई अंबेडकर एवं राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आयुष्मान भीमराव यशवंतराव अंबेडकर द्वारा संचालित संस्था के मार्गदर्शन में आयोजित हो रहा है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सचिव एवं केंद्रीय शिक्षक बी एच गायकवाड़ मुख्य अतिथि होंगे, जबकि पूज्य भंते दीपांकर का सानिध्य रहेगा। विशेष अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष चरणदास ढेंगरे, प्रदेश उपाध्यक्ष शांताराम वाघ और प्रदेश सचिव शंकरराव शेषकर उपस्थित रहेंगे। इस शिविर की अध्यक्षता भारतीय बौद्ध महासभा जिला इकाई बैतूल के अध्यक्ष अधिवक्ता नामदेव नागले करेंगे। भारतीय बौद्ध महासभा जिला इकाई के कोषाध्यक्ष आयु तुलाराम चौकीकर ने जानकारी दी कि इस अवसर पर जिला, तहसील, नगर एवं ग्राम इकाइयों के सभी कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं धम्म अनुयायी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने सभी धम्म अनुयायियों से अधिक से अधिक संख्या में इस शिविर में शामिल होने की अपील की है।

ओबीसी महासभा ने सौंपा राज्यपाल के नाम ज्ञापन

27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने सहित कई मांगें रखीं

बैतूल, देशबन्धु। ओबीसी महासभा ने राज्यपाल के नाम कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी प्रमुख मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष राजू नरेश मालवीय ने बताया कि महासभा ने मांग की कि मध्यप्रदेश में तत्काल 27 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाए और 13 प्रतिशत होल्ड हटाकर पिछड़ा वर्ग के चयनित विद्यार्थियों को जल्द से जल्द नियुक्ति दी जाए।

महासभा ने सरकार से जाति जनगणना कराने और जनसंख्या के अनुपात में हिस्सेदारी सुनिश्चित करने की भी मांग की। इसके अलावा, प्राइवेट सेक्टर में भी आरक्षण लागू करने पर जोर दिया गया। महासभा ने आरोप लगाया कि गया स्थित बोधि बिहार, जो बौद्धों का प्रमुख धार्मिक स्थल है, उस पर अन्य धार्मिक लोगों द्वारा कब्जा कर लिया गया है। उन्होंने इसे तत्काल मुक्त कराने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में जिला उपाध्यक्ष हिमांशु सोनी, जिला महामंत्री राहुल माथनकर, बी.एल. मासोदकर, भगवान दास बोरकर, सुंदरलाल सोलंकी और सुनील सोनकपुरिया आदि शामिल रहे। फसलों के दाम को लेकर भी ओबीसी महासभा ने सरकार से दखल देने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब फसलें खेत में होती हैं तो उनके दाम अधिक होते हैं, लेकिन जैसे ही किसान अपनी फसल घर लाते हैं, दाम 25त्न तक गिरा दिए जाते हैं। कर्ज के बोझ से दबे किसान कम दाम में फसल बेचने को मजबूर हो जाते हैं। महासभा ने किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य दिलाने और बिजली की मुफ्त आपूर्ति की भी मांग की। महासभा ने मंदिरों की जमीनों पर अवैध कब्जे को हटाकर वहां स्कूल, कॉलेज और अस्पताल बनाए जाने की मांग की। कथावाचक देविका पटेल को जबलपुर जिले की पनागर विधानसभा में कथा करने से रोके जाने की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एफआईआर दर्ज होने के बावजूद अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। महासभा ने दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की। महासभा ने न्याय व्यवस्था में कॉलेजियम प्रणाली को समाप्त करने और परीक्षा प्रणाली द्वारा जजों की नियुक्ति करने की मांग की। उन्होंने नौकरियों में इंटरव्यू प्रणाली को समाप्त करने या सभी वर्गों के लोगों को इंटरव्यू प्रक्रिया में समान अवसर देने की भी मांग रखी। लाडली बहना योजना को लेकर भी महासभा ने नाराजगी जताई। उनका आरोप है कि इस योजना के चलते पिछड़ा वर्ग के बच्चों की स्कॉलरशिप रोक दी गई है। उन्होंने स्कॉलरशिप की राशि को तत्काल जारी करने की मांग की।

देवरी विधानसभा के गैरझामर में स्थित दत्तादेव मंदिर पर अतिक्रमण को हटाकर उसकी जमीन पर स्कूल, कॉलेज, अस्पताल और खेल मैदान बनाने की मांग की गई। ओबीसी महासभा ने अशोकनगर जिले के बहादुरपुर और पिपरई तहसील के राजस्व निरीक्षक रामकृष्ण अहिरवार पर भ्रष्टाचार और भूमि हेराफेरी के आरोप लगाए। महासभा ने उन्हें अशोकनगर जिले से हटाकर किसी अन्य जिले में पदस्थ करने की मांग की। इसके साथ ही ओबीसी महासभा ने शाजापुर नगर पालिका परिषद में कार्यरत घनश्याम कुशवाहा के निधन के बाद उनके पुत्र गगन कुशवाहा को अनुकंपा नियुक्ति देने की मांग की। महासभा ने कृषि उपज मंडियों में स्थायी पुलिस चौकी स्थापित करने, सब्जी मंडी को कृषि मंडी में शामिल करने और स्वामीनाथन रिपोर्ट के आधार पर एमएसपी देने की भी मांग की। उन्होंने मंडी प्रांगण में सरकारी कर्मचारियों द्वारा ही बोली लगाने की बात कही। ओबीसी महासभा ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

70 हजार की अवैध सागौन के साथ दो आरोपी धराए

सागौन लट्ठा परिवहन करते टाटा छोटा हाथी वाहन जब्त

बैतूल, देशबन्धु। दक्षिण वनमंडल के ताप्ती वन परिक्षेत्र में वन विभाग की टीम ने अवैध रूप से सागौन लट्ठा परिवहन करते हुए एक टाटा छोटा हाथी वाहन को जब्त किया। यह कार्रवाई वनमंडलाधिकारी विजयानन्तम टी.आर. के मार्गदर्शन एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी ताप्ती दयानंद डेहरिया के निर्देशन में 17 मार्च की रात गश्ती के दौरान की गई। गश्ती दल ने खेड़ी से परतवाड़ा मार्ग पर संदिग्ध वाहन (एमएच 34-एबी 2480) को रोका। वाहन चालक भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। जब उससे दस्तावेज मांगे गए, तो वह कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। वाहन की जांच करने पर उसमें 11 नग अवैध सागौन लट्ठा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत 70 हजार रुपये आंकी गई। वाहन में सवार आरोपियों की पहचान कमलेश भूरा उइके और रूपेश पिता सुंदर इवने, निवासी कनारा के रूप में हुई। दोनों से गहन पूछताछ की जा रही है।

वन विभाग ने आरोपियों के खिलाफ वन अपराध प्रकरण दर्ज कर भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33(1) क और मध्य प्रदेश वन उपज व्यापार विनिमय अधिनियम 1969 की धारा 5(1) के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपियों को विधिवत न्यायालय में पेश कर दिया गया है। इस पूरी कार्रवाई में वन विभाग के ओंकारनाथ मालवीय, शिवनाथ बाघमारे, परिक्षेत्र सहायक राजेश शर्मा, वनपाल प्रदीप परिहार, कृष्ण कुमार दंडोलिया, सोनू सिकरवार, अनीता सलामे, देवकरण भारती और विश्वनाथ कसरे की विशेष भूमिका रही।

25 मार्च को धूमधाम से मनाई जाएगी माता कर्मा जयंती

बैतूल, देशबन्धु। साहू समाज समिति, सदर के तत्वाधान में साहू समाज की आराध्य देवी भक्त शिरोमणि माता कर्मा जन्मोत्सव का आयोजन आगामी 25 मार्च मंगलवार को श्री पद्म शेषनागदेवता मंदिर परिसर, भगतसिंह वार्ड में किया जाएगा। समिति के सभी सदस्यों द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक सदर बाजार बैतूल के विभिन्न धार्मिक स्थलों और मंदिरों में सभी देवी-देवताओं के पूजन से होगी। इसके बाद दोपहर 4 बजे से विशेष अभिषेक और पूजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शाम 6 बजे से अतिथियों का स्वागत, दीप प्रज्वलन और स्वागत गीत की प्रस्तुति होगी। इसके बाद समिति की ओर से प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा और भक्त माता कर्मा के जीवन परिचय पर विस्तृत जानकारी वेदांत सुखदेव साहू द्वारा दी जाएगी। समाज के वरिष्ठजनों और अतिथियों का उद्बोधन भी होगा। रात्रि 8 बजे से महाआरती और 8:30 बजे से माता कर्मा के प्रसाद वितरण का कार्यक्रम होगा। इस आयोजन का समापन रात्रि 9:45 बजे किया जाएगा। इस आयोजन में साहू समाज समिति, सदर बाजार बैतूल के अध्यक्ष रविन्द्र कुमार गुदवारे एवं पदाधिकारीगणों की विशेष भूमिका रहेगी। आयोजन में महेन्द्र कुमार गुदवारे, राजेन्द्र प्रसाद साहू, श्यामसुंदर साहू, सूर्यकांत साहू, सुखदेव राजू साहू, हनुराज साहू, बुधराव साहू, खेमू साहू, हरिराम साहू, सुरेश साहू, मोहन साहू दादाजी, प्रकाश साहू, पवन साहू, आशीष साहू और अन्य सदस्यगण सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। इस महोत्सव में श्रीमती चन्द्रकला साहू एवं अन्य मातृशक्ति ने समाज के सभी बंधुओं, माताओं, बहनों, बुजुर्गों और युवा साथियों से इस पावन अवसर पर उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

कर्मा जयंती पर जन्म लेने वाली कन्याओं को मिलेंगे चांदी के आभूषण: अखिल भारतीय साहू वैश्य महासभा दिल्ली एवं युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल के तद्भावधान में साहू समाज की आराध्य अधिष्ठात्री देवी भक्त शिरोमणि मां कर्मा जयंती से साहू समाज बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना का शुभारंभ करेगा जिसमें समाज में कन्याओं के जन्म लेने पर उत्सव मनाया जाएगा। महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रहलाद साहू एवं राष्ट्रीय प्रचार मंत्री महेश नायक ने बताया कि साहू समाज की अधिष्ठात्री देवी भक्त शिरोमणि मां कर्मा जयंती के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुलताई में 24 मार्च दिन सोमवार को जन्म लेने वाली सभी कन्याओं को साहू समाज द्वारा चांदी के आभूषण उपहार के रूप में भेंट किए जाएंगे। युवा साहू समाज सेवा संगठन के गोपाल साहू एवं अजय जीतपुरे ने बताया कि समाज द्वारा मार्च माह को मां कर्मा जन्मोत्सव माह के रूप मनाया जाएगा। इस माह जन्म लेने वाली सभी कन्याओं को 18 मई दिन रविवार को बैतूल में समाज के रजत जयंती समारोह में एक कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा एवं माता-पिता के चरण पखारे जाएंगे। संजय साहू, प्रकाश साहू, गोविंद सोनू साहू ने बताया कि बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ योजना से समाज में लिंग अनुपात में आ रही कमी को रोकने में भी मदद मिलेगी और महिलाओं का सशक्तिकरण के लिए एक नई चेतना जागेगी।

श्री बालाजी इंजीनियरिंग संस्थान में हुआ एआई आधारित कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम

शिक्षकों को एआई में दक्ष बनाने एआई रिसर्च, एप्लीकेशन और एडवांसमेंट पर हुई चर्चा

बैतूल, देशबन्धु। श्री बालाजी इंजीनियरिंग संस्थान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 17 फरवरी से 18 मार्च तक चला, जिसमें एआई रिसर्च, एप्लीकेशन और एडवांसमेंट पर गहन चर्चा की गई। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई द्वारा वर्ष 2025 को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्ष घोषित करने के बाद इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य शिक्षकों को एआई के विभिन्न अनुप्रयोगों की गहरी समझ प्रदान करना और तकनीकी शिक्षा में नवीनतम तकनीकों को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम में देशभर के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और तकनीकी विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। डॉ. पी. जे. शाह ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में एआई की भूमिका पर व्याख्यान दिया, जिसमें ऊर्जा उत्पादन और वितरण में एआई-संचालित समाधानों पर चर्चा हुई। डॉ. पंकज सिसोदिया ने मशीन लर्निंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के मूल सिद्धांतों को समझाया। प्रो. वी. के. पांडेय ने इलेक्ट्रिकल एप्लिकेशन में एआई के एडवांसमेंट्स पर प्रकाश डाला, वहीं प्रो. भावेश खासदेव ने 6जी कम्युनिकेशन में एआई की भूमिका को स्पष्ट किया।

प्रो. वी. के. मालवी ने गणित में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका को समझाया, जबकि प्रो. कपिल पड़लक ने इलेक्ट्रिक वाहनों में एआई के अनुप्रयोगों पर अपने विचार साझा किए। प्रो. हेमंत दवंडे ने एआई-संचालित स्वचालित वाहनों पर रोचक प्रस्तुति दी, जिसमें स्वायत्त परिवहन तकनीक पर चर्चा हुई। प्रो. राजेश बरंगे ने एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग में एआई के महत्व को समझाया, जबकि प्रो. शशांक माने ने स्वास्थ्य निगरानी में एआई के उपयोग और निदान में इसके प्रभावों पर चर्चा की। प्रो. बृजेश पांडेय ने सिविल इंजीनियरिंग सॉफ्टवेयर में एआई के अनुप्रयोग बताए, वहीं प्रो. हेमंत बड़ोदे ने कंक्रीट निर्माण में एआई के प्रयोग से जुड़ा अपना शोध साझा किया।

कार्यक्रम का समापन वैलेडिक्टरी सेशन के साथ हुआ। इस दौरान डॉ. पी. जे. शाह और डायरेक्टर वी. के. पांडेय ने शिक्षकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम शिक्षकों की तकनीकी दक्षता बढ़ाने और एआई आधारित नवाचारों को बढ़ावा देने में सहायक होते हैं। कार्यक्रम में शामिल शिक्षकों और शोधकर्ताओं ने अपने अनुभव साझा किए। समापन सत्र में सीबीपी कोऑर्डिनेटर हेमंत दवंडे ने सभी का धन्यवाद दिया और कहा कि यह कार्यक्रम तकनीकी शिक्षा को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक होगा।

श्री बालाजी इंजीनियरिंग संस्थान ने इस आयोजन के माध्यम से एआईसीटीई की पहल को मजबूती प्रदान की है। यह कार्यक्रम शिक्षकों और छात्रों को एआई के व्यावहारिक उपयोग, शोध और एडवांसमेंट से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। संस्थान का लक्ष्य आने वाले वर्षों में भी इस तरह के नवाचारपूर्ण कार्यक्रमों को बढ़ावा देना है ताकि तकनीकी शिक्षा और उद्योग के बीच मजबूत संबंध स्थापित किया जा सके।

हत्या के मामले में फरार इनामी बदमाश कंटर गिरफ्तार

अवैध शराब की तस्करी करते पकड़ाया

सारनी/ पाथाखेड़ा, देशबन्धु। सारणी पुलिस को हत्या के मामले में फरार इनामी बदमाश को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी करते हुए शातिर बदमाश को धर दबोचा हआरोपी पर थाना सारणी के 2 प्रकरणों में 5000 और 2000 रुपये का इनाम घोषित था।

इसके अलावा आरोपी के खिलाफ थाना सारणी और रानीपुर के कुल 3 स्थायी वारंट लंबित थे। पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया द्वारा जिले में अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों के सिलसिले में पाथाखेड़ा सारणी पुलिस को 19 मार्च को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि एक व्यक्ति जिसका नाम दिनेश उर्फ कंटर है, अपने साथ कच्ची महुआ शराब और अवैध हथियार लिए तवा खदान के जंगलों में बेचने की नीयत से खड़ा है। सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को कार्यवाही हेतु अवगत कराया गया। बाद पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति कमला जोशी के निर्देशन में व एसडीओपी सारणी रोशन जैन के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सारणी जयपाल इवनाती, चौकी प्रभारी पाथाखेड़ा वंशज श्रीवास्तव व अन्य बल को सम्मिलित कर टीम गठित की गई। टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते तवा 01 खदान के पम्प हाउस के पास से आरोपी दिनेश कहार उर्फ कंटर पिता गणेश कहार उम्र 39 साल नि. शास्त्री नगर, पाथाखेड़ा से चार प्लास्टिक की कुप्पीयों में हाथ भट्टी की बनी हुई कच्ची महुआ शराब 60 लीटर व एक तेज धारदार चाकू जप्त किया गया। जिस पर म.प्र. आबकारी अधिनियम की धारा के अंतर्गत कार्यवाही की गई। गिरफ्तार आरोपी दिनेश कहार उर्फ कंटर पिता गणेश कहार थाना सारणी में दर्ज हत्या के मामले में लगातार फरार चल रहा था। थाना सारणी में विगत वर्ष दर्ज हत्या के प्रकरण में आरोपी दिनेश उर्फ कंटर, घटना के दिनांक से ही लगातार फरार था जिसे पाथाखेड़ा, सारणी पुलिस द्वारा गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। आरोपी के विरुद्ध थाना सारणी व थाना रानीपुर से 3 स्थायी वारंट लंबित थे। आरोपी आदतन अपराधी होकर आरोपी के खिलाफ वर्तमान तक कुल 46 अपराध दर्ज किए जा चुके हैं। आरोपी को गिरफ्तार करने में उनि वंशज श्रीवास्तव, सउनि शिवपाल इरपाचे, प्र.आर 127 मनोज डेहरिया, प्र.आर 333 असिफ खान, आर. 608 सुभाष मण्डलोई, आर. 285 रविमोहन दर्शिमा, आर. राजु वरकडे की अहम भूमिका रही।

ग्राम जोड़क्या में शॉट सर्किट से लगी आग, 10 एकड़ गेहूं की फसल खाक

बैतूल, देशबन्धु। बैतूल ब्लॉक के ग्राम जोड़क्या पोस्ट बघोली में बुधवार शाम करीब 4 बजे के समय किसान श्याम सिंह राजपूत के खेत में भीषण आग लग गई। शॉट सर्किट के कारण भड़की इस आग ने 10 एकड़ खेत में खड़ी गेहूं की फसल को जलाकर खाक कर दिया। खेत में अचानक धधकी आग इतनी तेजी से फैली कि जब तक लोग कुछ समझ पाते, तब तक फसल पूरी तरह जल चुकी थी। श्याम सिंह राजपूत ने बताया कि वे इस फसल के सहारे पूरे साल का गुजारा करने वाले थे, लेकिन इस घटना ने उनके सपनों को चकनाचूर कर दिया। आसपास के ग्रामीणों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तेज हवा के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। ग्रामीणों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी, लेकिन फायर ब्रिगेड पहुंची तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित किसान को उचित मुआवजा देने की मांग की है। इस घटना के बाद किसान बेहद दुखी है और शासन-प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर बिजली के तारों की समय पर देखरेख होती, तो यह हादसा टल सकता था।

सिविल अस्पताल आमला के प्रभारी बीएमओ पर भ्रष्टाचार के आरोप

मेहरा समाज समिति ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बैतूल, देशबन्धु। सिविल अस्पताल आमला के प्रभारी बीएमओ पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए मध्य प्रदेश मेहरा समाज समिति ने कलेक्टर के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है। मेहरा समाज ने प्रभारी बीएमओ डॉ.अशोक नरवरे द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की जांच कर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किए जाने की मांग की है। ऐसा नहीं होने पर मेहरा समाज समिति ने आंदोलन किए जाने की बात कही है। मध्य प्रदेश मेहरा समाज संगठन के प्रवक्ता छन्नू बेले ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि प्रभारी बीएमओ डॉ.नरवरे ओपीडी में नहीं बैठते है। ओपीडी के समय घर चले जाते है। इनकी मानसिकता मरीजों की सेवा करना नहीं, बल्की हिटलरशाही बनकर काम करने की सोच है। इनके द्वारा कई फर्जी डॉक्टरों की उपस्थिति बताकर राशि आहरण कर ली गई है। प्रभारी बीएमओ द्वारा लगातार अस्पताल के डॉक्टरों को प्रताड़ित करने का कार्य किया जा रहा है। उनके द्वारा फर्जी बिल लगाकर लाखो रूपये का भ्रष्टाचार किया जा रहा है। प्रभारी बीएमओ की लापरवाही के कारण अस्पताल में लम्बे समय से आईसीओ की सुविधा नहीं है। ईसीजी मशीन और शॉक मशीन शुरू नहीं कि गई है। डॉ.अशोक नरवरे द्वारा द्वेष पूर्ण भावना से डॉ.मुकेश वागद्रे को मुलताई में पदस्थ किए जाने का आदेश जारी किया गया था। लेकिन मेहरा समाज के विरोध के बाद उक्त आदेश को निरस्त किया गया। श्री बेले ने बताया कि सिविल अस्पताल आमला में महिला डॉक्टरों की कमी है। अस्पताल में अभी तक कोई भी महिला डॉ. की नियुक्ति नहीं हो पाई, जबकि कई बार ज्ञापन के माध्यम से महिला डॉक्टर की मांग शहर के विभिन्न संगठनों द्वारा की गई। इसके अलावा उपचार में आने वाले उपकरण शाक मशीन एक्स-रे टेक्नीशियन के ना होने के कारण मरीज को उपचार में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सिविल अस्पताल में जितनी भी सुविधा मिलती है, उन्हें शीघ्र ही चालू कर मरीजों को स्वास्थ्य लाभ दिलाया जाए। मेहरा समाज समिति ने मांग की है कि सिविल अस्पताल आमला में साइकिल स्टैंड का ठेका निरस्त किया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में सेन समाज संगठन ब्लॉक अध्यक्ष राजेश सुरे, भारतीय किसान संघ के सुखदेव नारे, व्यापारी संघ आमला विकास समिति, जन कल्याण समिति, मेहरा समाज संगठन, महिला उत्थान समिति, ढोलेवार कुंबी समाज संगठन सहित अनेक संगठन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर	
टाटा स्टील	2.52 प्रतिशत
जोमैटो	2.34 प्रतिशत
पावरग्रिड	2.27 प्रतिशत
अल्ट्रासिम्को	2.01 प्रतिशत
इंडसइंड बैंक	1.56 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर	
टेक महिंद्रा	2.43 प्रतिशत
टीसीएस	1.56 प्रतिशत
आईटीसी	1.55 प्रतिशत
इंफ़ोसिस	1.38 प्रतिशत
मारुति	0.98 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	90,183
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,07,200
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	87. 33	87.40
पौंड स्टर्लिंग	106.21	106.45
यूरो	88.45	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4280-4380
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4250-4350

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	6700-6800
मसूर काली	7300-7400
उड़द दाल	9200-9300
मूंग दाल	9250-9350
अरहर दाल	8400-8500

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

भारतीय रेलवे की सेवाओं में सुधार : वैष्णव

13 हजार से अधिक यात्री रेलगाड़ियों का संचालन करता है भारतीय रेलवे

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार भारतीय रेलवे में काफी सुधार हुआ है। ट्रेनों की संख्या बढ़ी है और परिचालन के मामले में ये प्री कोविड लेवल से भी आगे निकल गया है। यह भारतीय रेलवे द्वारा विश्वसनीयता बनाए रखने और बेहतर सर्विस डिलिवरी को लेकर उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, रेलवे ने एडवांस्ड सिग्नलिंग सिस्टम, रियल टाइम मॉनिटरिंग, एआई-ड्रिवन शेड्यूलिंग और प्रीडिक्टिव मेंटेनेंस अपनाने के साथ 90 प्रतिशत से ज्यादा की ऑन-टाइम परफॉर्मेंस पाने में सफलता हासिल की है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 68 रेलवे डिवीजनों में से 49 ने पहले ही समय की पाबंदी का 80 प्रतिशत पार कर लिया है, जबकि 12 डिवीजनों ने 95 प्रतिशत तक पहुंच बनाई है। इस बढ़ी हुई दक्षता के परिणामस्वरूप ट्रेन संचालन सुचारू हुआ है, जिससे यात्रियों और माल ढुलाई सेवाओं दोनों को लाभ हुआ है।

वर्तमान में, भारतीय रेलवे 13,000 से अधिक यात्री रेलगाड़ियों का संचालन करता है, जिसमें 4,111 मेल और एक्सप्रेस रेलगाड़ियां, 3,313 यात्री रेलगाड़ियां और 5,774 उपनगरीय रेलगाड़ियां (सबअर्बन ट्रेन) शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री ने रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण पर भी प्रकाश डाला, जिसमें 129 स्टेशन पहले ही पूरे हो चुके हैं और दुनिया के सबसे बड़े स्टेशन पुनर्विकास कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 2025-26 तक कई और चालू हो जाएंगे।

उन्होंने कोलकाता मेट्रो के महत्वपूर्ण विस्तार पर भी प्रकाश डाला, जहां पिछले 42 वर्षों में 28 किमी की तुलना में केवल एक दशक में 38 किमी मेट्रो लाइनें जोड़ी गई हैं।

68 रेलवे डिवीजनों में से 49 ने पहले ही 'समय की पाबंदी' का 80 प्रतिशत पार कर लिया है, जबकि 12 डिवीजनों ने 95 प्रतिशत तक पहुंच बनाई है : अश्विनी वैष्णव

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने बुलेट ट्रेन परियोजना पर भी जोर दिया। यह आधुनिक हाई-स्पीड रेल कनेक्टिविटी की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो भविष्य की पीढ़ियों के लिए वर्ल्ड-क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर सुनिश्चित करता है।

पर्यावरण स्थिरता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप, भारतीय रेलवे ने 2025 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन (स्कोप 1) प्राप्त करने के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ पर्यावरण स्थिरता की दिशा में कई पहल की हैं।

इंडिया एआई मिशन और गेट्स फाउंडेशन मिलकर तैयार करेंगे एआई समाधान

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि इंडिया एआई मिशन और गेट्स फाउंडेशन के बीच अलग-अलग क्षेत्रों में एआई समाधान को लेकर साझेदारी होने जा रही है। गेट्स फाउंडेशन बिल गेट्स और मेलिंडा फ्रेंच गेट्स द्वारा स्थापित एक अमेरिकी निजी फाउंडेशन है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश में कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों को मजबूत करने के लिए एआई-आधारित समाधान बनाने के लिए जल्द ही एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि बेहतर फसल, मजबूत स्वास्थ्य सेवा, बेहतर शिक्षा और जलवायु संवेदनशीलता कम करने के लिए एआई समाधान - इंडिया एआई मिशन और बिल गेट्स फाउंडेशन के बीच जल्द ही समझौता ज्ञापन होगा।

केंद्र ने सस्ते स्टील आयात पर लगाम लगाने के लिए रखा 12 प्रतिशत टैरिफ का प्रस्ताव

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने देश में चीन, साउथ कोरिया और वियतनाम से बढ़ते खराब क्वालिटी के स्टील आयात को रोकने के लिए कुछ उत्पादों पर 12 प्रतिशत की अस्थाई (प्रोविजनल) सेफगार्ड ड्यूटी लगाने का प्रस्ताव रखा है। अमेरिका की ओर से आयातित स्टील उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाने जाने के कारण इन देशों से भारत में खराब क्वालिटी के स्टील का निर्यात बढ़ गया है।

वाणिज्य मंत्रालय के तहत आने वाले डायरेक्टरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज (डीजीटीआर) ने कहा है कि अमेरिका के टैरिफ के कारण दूसरे देशों से सस्ता स्टील भारत में भेजा जा रहा है। इससे भारतीय स्टील कंपनियों को नुकसान हो रहा है। इस कारण 200 दिनों के लिए 12 प्रतिशत की सेफगार्ड ड्यूटी लगाने की सिफारिश की गई है।

डीजीटीआर ने कहा कि प्रोविजनल सुरक्षा उपायों को लागू करने में किसी भी प्रकार की देरी से घरेलू उद्योग को और अधिक नुकसान होगा, जिसकी भरपाई नहीं की जा सकेगी, क्योंकि इससे स्टील सुविधाएं संभावित रूप से बंद हो जाएंगी और साथ ही क्षमता बढ़ाने के लिए भविष्य में नियोजित निवेश भी बंद हो जाएगा। यह प्रस्ताव फिलहाल सार्वजनिक किया गया है और इस पर 30 दिन तक सुझाव और आपत्तियां मांगी जाएंगी और उसके बाद ही अंतिम फैसला लिया जाएगा। भारतीय स्टील एसोसिएशन ने डीजीटीआर से शिकायत की थी कि पिछले कुछ समय में स्टील के आयात में अचानक से तेज बढ़ोतरी हो रही है।

उपभोक्ता संरक्षण को लेकर केंद्र ने मिलाया मेटा से हाथ

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। सरकार के फ्लैगशिप प्रोग्राम जागो ग्राहक जागो के तहत भारतीय ग्राहकों को डिजिटल साक्षरता पहल के जरिए सशक्त बनाने के लिए केंद्र और मेटा ने हाथ मिलाया है।

संयुक्त अभियान बी एन एम्पावर्ड कंज्यूमर का उद्देश्य भारतीय ग्राहकों को शिक्षित करते हुए उन्हें ऑनलाइन खतरों की पहचान करना और स्वस्थ ऑनलाइन आदतों से रूबरू कराना है। इस अभियान के तहत भारतीय ग्राहकों को मजबूत पासवर्ड का इस्तेमाल करना, ऑनलाइन जानकारियों को वेरिफाई करना और संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट करना सिखाया जाएगा।

केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि वे नागरिकों को नॉलेज और टूल्स के साथ सशक्त करने की इस पहल में मेटा के साथ पार्टनरशिप को लेकर उत्साहित हैं। इस पहल के साथ नागरिकों की डिजिटल लैंडस्केप को नेविगेट करने के साथ खुद को ऑनलाइन सुरक्षित रखने की समझ बढ़ेगी।

भारत का चालू खाता रहेगा सुरक्षित : क्रिसिल

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। क्रिसिल की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक भारत को सर्विसेज ट्रेड सरप्लस और रेमिटेंस के मजबूत प्रवाह से फायदा हो रहा है। उम्मीद है कि ये करंट अकाउंट को एक सेफ जोन उपलब्ध कराएगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2025 में चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 1 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026 में 1.3 प्रतिशत रहेगा। चालू वित्त वर्ष के अप्रैल-फरवरी के दौरान सेवा निर्यात का अनुमानित मूल्य 354.90 बिलियन डॉलर था, जो 2023-24 की समान अवधि में 311.05 बिलियन डॉलर से अधिक है। जनवरी में सेवा निर्यात में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि सेवा आयात वृद्धि 13.8 प्रतिशत से घटकर 12.6 प्रतिशत रह गई। जनवरी में सर्विसेज ट्रेड सरप्लस 18 बिलियन डॉलर रहा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 16.2 बिलियन डॉलर था, लेकिन दिसंबर में 19.1 बिलियन डॉलर से थोड़ा कम रहा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-फरवरी 2024-25 के दौरान भारत के माल और सेवाओं दोनों के संचयी निर्यात में 6.24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 706.43 बिलियन डॉलर की तुलना में इस बार 750.53 बिलियन डॉलर हो गया। अप्रैल-फरवरी 2024-25 के दौरान माल निर्यात का संचयी मूल्य 395.63 बिलियन डॉलर था, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 395.38 बिलियन डॉलर था, जो 0.06 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस 11 महीने की अवधि के दौरान सेवा आयात का अनुमानित मूल्य 183.21 बिलियन डॉलर है, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 161.71 बिलियन डॉलर था। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-फरवरी 2024-25 के लिए सर्विसेज ट्रेड सरप्लस 171.69 बिलियन डॉलर है।

■ भारत को सर्विसेज ट्रेड सरप्लस व रेमिटेंस के मजबूत प्रवाह से हो रहा फायदा

सार संक्षेप

रेज पावर इंफ्रा को दो हजार करोड़ का ठेका

नई दिल्ली। सौर समाधान प्रदाता के विकास और कार्यान्वयन करने वाली कंपनी रेज़ पावर इंफ्रा लिमिटेड ने महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश में 2,000 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) परियोजनाएं हासिल की हैं। कंपनी ने कहा कि इसके अलावा उसको असम और मध्य प्रदेश में 1,600 करोड़ मूल्य की ईपीसी परियोजनाओं के लिए एल1 बोलीदाता घोषित किया गया है, जिसके लिए लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) का इंतज़ार है। ये नई परियोजनाएं स्वच्छ ऊर्जा समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए रेज़ पावर इंफ्रा की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए कंपनी के प्रबंध निदेशक केतन मेहता ने कहा कि हमारी हालिया परियोजना बोली जीत अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में हमारी उपस्थिति की पुष्टि करती है। सौर ईपीसी परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में विशेषज्ञता के साथ, रेज पावर इंफ्रा सौर और हाइब्रिड अक्षय समाधानों की तैनाती में तेजी लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

यात्र सेवा प्रदाता इक्सिगो ने एमेडियस से की साझेदारी

कोलकाता। ऑनलाइन यात्रा सेवा प्रदाता कंपनी इक्सिगो ने वैश्विक यात्रा प्रौद्योगिकी कंपनी एमेडियस के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। कंपनी ने बुधवार को बताया कि इस सहयोग के तहत इक्सिगो अपने प्लेटफॉर्म में एमेडियस की ईडीआईएफएसीटी (प्रशासन, वाणिज्य और परिवहन के लिए इलेक्ट्रॉनिक डेटा इंटरचेंज) और एनडीसी (नई वितरण क्षमता) तकनीक को एकीकृत करेगा, जिससे यात्रियों को अधिक विकल्प, बेहतर लचीलापन और एक सहज उड़ान बुकिंग अनुभव मिलेगा। इस साझेदारी के तहत इक्सिगो एमेडियस की अत्याधुनिक तकनीकों का लाभ उठाकर अपनी एयरलाइन सामग्री को मजबूत करेगा और यात्रियों को अधिक व्यापक यात्रा समाधान प्रदान करेगा। इससे न केवल उन्नत पोस्ट-बुकिंग सेवाएं उपलब्ध होंगी बल्कि एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर कई यात्रा विकल्पों की पेशकश भी की जा सकेगी।

माइक्रोफाइनेंस सेक्टर के आउटलुक में हो रहा सुधार

मुंबई। भारत में माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस (एमएफआई) के आउटलुक में कई महीनों बाद सुधार आ रहा है और इस सेक्टर में एक्सपोजर वाले बैंकों की लंबी अवधि में ग्रोथ अधिक रहेगी। यह जानकारी बुधवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। यह सेक्टर पिछले कुछ समय से उधारकर्ताओं द्वारा अत्यधिक ऋण लेने के कारण स्ट्रेस के दौर से गुजर रहा था। एचएसबीसी रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी में बेहतर ऋण संग्रह और अधिक वितरण से इस सेक्टर के सेंटीमेंट में सुधार हुआ है। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि 2025 एमएफआई के लिए सकारात्मक रह सकता है। हालांकि, कुछ चुनौतियों का अभी भी सेक्टर के द्वारा हाल निकाला जाना बाकी है।

लिवाली की बदौलत बजार में तेजी बरकरार

मुंबई, 19 मार्च (एजेंसियां)। विश्व बाजार में गिरावट रहने के बावजूद स्थानीय स्तर पर इंडस्ट्रियल्स, यूटिलिटीज, कैपिटल गुड्स, पावर, रियल्टी और सर्विसेज समेत 17 समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी रही।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 147.79 अंक उछलकर 75,449.05 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 73.30 अंक की बढ़ोतरी लेकर 22,907.60 अंक पर पहुंच गया। हालांकि दिग्गज कंपनियों के मुकाबले बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली की रफ्तार अधिक तेज रही। इससे मिडकैप 2.28 प्रतिशत की छलांग लगाकर 41,107.00 अंक और स्मॉलकैप 2.17 प्रतिशत की मजबूती के साथ 46,009.89 अंक हो गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 4166 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 3018 में लिवाली जबकि 1033 में बिकवाली हुई वहीं 115 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 31 कंपनियों में तेजी जबकि 19 में गिरावट रही।

बीएसई के 17 समूहों का रुझान सकारात्मक रहा। इससे कमोडिटीज 1.44, सीडी 1.14, ऊर्जा 1.13, वित्तीय सेवाएं 1.11, हेल्थकेयर 1.26, इंडस्ट्रियल्स 2.55, दूरसंचार 1.48, यूटिलिटीज 2.16, ऑटो 0.36, बैंकिंग 0.58, कैपिटल गुड्स 2.24, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.39, धातु 1.40, तेल एवं गैस 1.17, पावर 2.30, रियल्टी 2.75 और सर्विसेज समूह के शेयर 2.48 प्रतिशत मजबूत रहा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.13, जर्मनी का डैक्स 0.16, जापान का निक्केई 0.25 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.10 प्रतिशत लुढ़क गया जबकि हांगकांग के हैंगसेंग में 0.12 प्रतिशत की बढ़त रही।

■ सेंसेक्स 147.79 अंक उछलकर 75,449.05 पर रहा

■ निफ्टी 73.30 अंक की बढ़ोतरी लेकर 22,907.60 पर बंद

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 172 अंक अंक की तेजी लेकर 75,473.17 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 75,201.48 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, लिवाली के बल पर दोपहर तक यह 75,568.38 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 75,301.26 अंक के मुकाबले 0.20 प्रतिशत की बढ़त लेकर 75,449.05 अंक पर बंद हुआ।

इसी तरह निफ्टी भी 41 अंक बढ़कर 22,874.95 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 22,807.95 अंक के निचले जबकि 22,940.70 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले दिवस के 22,834.30 अंक की तुलना में 0.32 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 22,907.60 अंक हो गया। इस दौरान सेंसेक्स की मुनाफा कमाने वाली कंपनियों में टाटा स्टील 2.52, जोमैटो 2.34, पावरग्रिड 2.27, अल्ट्रासिम्को 2.01, इंडसइंड बैंक 1.56, एलटी 1.46, अदानी पोर्ट्स 1.23, एनटीपीसी 1.13, एसबीआई 1.09, रिलायंस 0.72, बजाज फाइनेंस 0.66, एक्सिस बैंक 0.63, एचडीएफसी बैंक 0.62, भारती एयरटेल 0.52, टाटा मोटर्स 0.31, एशियन पेंट 0.28 और आईसीआईसीआई बैंक 0.24 प्रतिशत शामिल रही। वहीं, टेक महिंद्रा 2.43, टीसीएस 1.56, आईटीसी 1.55, इंफ़ोसिस 1.38, मारुति 0.98, एचसीएल टेक 0.96, सन फार्मा 0.87, नेस्ले इंडिया 0.80, कोटक बैंक 0.65, टाइटन 0.24, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.23, बजाज फिनसर्व 0.18, हिंदुस्तान यूनिलीवर ने 0.04 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

भारत के ऑटो कंपोनेंट निर्यात में बीते 2-3 वर्षों में हुई मजबूत वृद्धि

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत के बढ़ते महत्व के कारण ऑटो कंपोनेंट के निर्यात में पिछले कुछ वर्षों में मजबूत वृद्धि देखने को मिली है।

देश में बने मोटरसाइकिल पार्ट्स के निर्यात के लिए प्रमुख गंतव्य स्थान जर्मनी, बांग्लादेश, यूएस, यूके, यूएई, ब्राजील, तुर्कीये और श्रीलंका और अन्य देश शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2023-24 में देश से ऑटो कंपोनेंट का निर्यात 21.2 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2018-19 के 2.5 अरब डॉलर के घाटे से बढ़कर 300 मिलियन डॉलर के सरप्लस तक एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है।

इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि भारत की ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री 100 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य प्राप्त कर सकती है, क्योंकि वैश्विक मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं और विनिर्माण रणनीतियों का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं, जिससे भारत के पास खुद को एक शीर्ष वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने का एक अच्छा अवसर है।

भारत की ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री 100 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य प्राप्त कर सकती है : विशेषज्ञ

ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसीएमए) और बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत अमेरिका और यूरोप के बाजारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए 11 प्रोडक्ट फैमिली को प्राथमिकता देकर संभावित रूप से 40-60 अरब डॉलर का अतिरिक्त निर्यात कर सकता है। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि स्थानीयकरण के माध्यम से उभरते ईवी और इलेक्ट्रॉनिक वैल्यू चेन का लाभ उठाते हुए भारत बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम, टेलीमैटिक्स इकाइयों, इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और एबीएस जैसे कंपोनेंट को बनाकर अतिरिक्त 15-20 अरब डॉलर का निर्यात कर सकता है।

खाद्य तेलों में टिकाव, दालों में मिलाजुला रुख व अन्य जिंसों के भाव स्थिर

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में तेजी आने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि दालों में मिलाजुला रुख वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

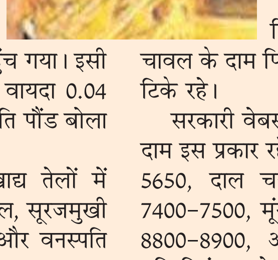

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अप्रैल का पाम ऑयल वायदा 28 रिंगिट बढ़कर 4633 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरहअप्रैल का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.04 सेंट की तेजी के साथ 42.58 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। चना 150 रुपए, दाल चना 150 रुपए, उड़द दाल 200 रुपए और अरहर दाल 200 रुपए प्रति क्विंटल गिर गई वहीं मसूर दाल 100 रुपए और मूंग दाल 150 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ गई।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** चना 5550-5650, दाल चना 6550-6650, मसूर काली 7400-7500, मूंग दाल 9400-9500, उड़द दाल 8800-8900, अरहर दाल 8300-8400 रुपए प्रति क्विंटल रहे। **अनाज :** (रुपए प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 3100-3200 रुपए और चावल : 3150-3250 रुपए प्रति क्विंटल रहा।

भारत में एफएमसीजी सेक्टर का राजस्व बढ़ेगा : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 19 मार्च (एजेंसियां)। भारत के फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) सेक्टर का राजस्व वित्त वर्ष 2026 में 6-8 प्रतिशत बढ़ने की संभावना है, जबकि वित्त वर्ष 2025 में इस सेक्टर में 5-6 प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि होगी। बुधवार को जारी एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

क्रिसिल रेटिंग्स के अनुसार, बिक्री की मात्रा में 4-6 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने और शहरी मांग में सुधार के साथ ग्रामीण खपत बढ़ने से सेक्टर का राजस्व बढ़ने की उम्मीद है। क्रिसिल रेटिंग्स के वरिष्ठ निदेशक अनुज सेठी ने कहा कि हमें वॉल्यूम में सुधार की उम्मीद है। क्योंकि खाद्य मुद्रास्फीति में नरमी, ब्याज दरों में ढील और अगले वित्त वर्ष के लिए केंद्रीय बजट में घोषित कर राहत उपायों से शहरी मांग को बढ़ावा मिलेगा। पारंपरिक एफएमसीजी कंपनियां डिजिटल चैनलों के जरिए अपनी पहुंच बढ़ाने और डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर (डीटूसी) ब्रांड हासिल करने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। वॉल्यूम वृद्धि के अलावा, मूल्य वृद्धि से राजस्व में अतिरिक्त 2 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है।

■ वित्त वर्ष 2026 में 6-8 प्रतिशत बढ़ने की संभावना

साबुन, बिस्किट, कॉफी, हेयर ऑयल और चाय जैसी प्रोडक्ट कैटेगरी में मुद्रास्फीति का असर देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कीमतों में बढ़ोतरी पाम ऑयल, कॉफी, कोपरा और गेहूं जैसे जरूरी कच्चे माल की उच्च इनपुट लागत की वजह से देखी जाएगी।

क्रिसिल के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में इस सेक्टर का परिचालन लाभ 20-21 प्रतिशत पर स्थिर रहने की उम्मीद है। हालांकि, वित्त वर्ष 2025 में इसमें 50-100 आधार अंकों की मामूली गिरावट देखी जा सकती है।

फिर भी, एफएमसीजी कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत बनी हुई है, जिसका श्रेय कंपनियों द्वारा नकदी उत्पन्न करने, मजबूत बैलेंस शीट बनाए रखने और पर्याप्त लिक्विडिटी भंडार रखने की क्षमता को जाता है। क्रिसिल रेटिंग्स की स्टडी 82 एफएमसीजी कंपनियों को कवर करती है। जो मिलकर सेक्टर के अनुमानित 5.9 लाख करोड़ रुपए के राजस्व का एक तिहाई हिस्सा जनरेट करती हैं।

शहरी बाजार कुल राजस्व का लगभग 60 प्रतिशत योगदान देता है, जबकि ग्रामीण क्षेत्र शेष हिस्सा बनाते हैं। खाद्य और पेय पदार्थ एफएमसीजी सेक्टर के राजस्व का लगभग आधा हिस्सा बनाते हैं, जबकि पर्सनल केयर और होम केयर सेगमेंट प्रत्येक लगभग एक चौथाई का योगदान देते हैं। वित्त वर्ष 2025 में, शहरी खपत उच्च खाद्य मुद्रास्फीति, बढ़ती ब्याज दरों और धीमी वेतन वृद्धि से प्रभावित हुई।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।